क्रियात्मक

वादन संगीत

(हाई स्कूल से बी० ए० तक के छात्रों के हेतु)

भाग १

Instrumental Music Practical

(*For students from High School to B.A.*)

लेखकः–

पं० केशव आनन्द शर्मा

एम. म्यूज. (वादन)

बी. म्यूज. (गायन, वादन एवं नृत्य)

प्रिंसिपल :

चौरसिया संगीत कालेज

बाँदा (उ० प्र०)

प्रथम संस्करण–११००]

[मूल्य–९ रु० ५० पैसे

— समर्पण —

क्रियात्मक

वादन-संगीत

मेरे स्वर, ताल एवं लय

के मूर्त-रूप-

परमपूज्य गुरुदेव श्री जगदीश सिंह ठाकुर

को

सविनय समर्पित

प्रस्तावना

साहित्य एवं संगीत से अनुप्राणित भारतीय जन–मानस ने सदैव अंत:करण के आंतरिक आह्लाद–वर्धनार्थ एवं मोक्ष प्राप्ति का अनुपमेय साधन समझ कर संगीत को जगदीश का वरदान स्वरूप समझा है। सैद्धान्तिकता की अपेक्षाकृत संगीत का क्रियात्मक रूप उत्थान में साधकतम सिद्ध हो सकता है। दुष्कर कार्य को भी सरल बनाने वाले संगीत के क्षेत्र में नवोत्साहधारी संगीतज्ञ श्री पं० केशव आनन्द शर्मा द्वारा रचित **"क्रियात्मक वादन संगीत"** छात्रो एवं संगीत प्रेमियो के लिए वरदान स्वरूप सिद्ध होगी, ऐसा मेरा विश्वास है।

लेखक ने स्नातकोत्तर एवं तत्समकक्षीय वादन विषय को प्राचीन ग्रन्थों के आधार स्वरूप सरल, सुबोध एवं मनोहारी शैली में व्यक्त करने का सफल प्रयास किया है। मैं इस प्रयत्न को स्तुत्य एवं बधाई के योग्य समझता हूँ। आशा है कि रसिकों द्वारा इसका उचित स्वागत होगा एवं लेखक को स्वप्रवृत्तियों के विकास की प्रेरणा मिलेगी।

जगदीश नारायण पाठक, संगीत प्रवीण
रजिस्ट्रार
प्रयाग संगीत समिति, इलाहाबाद

आश्विन शुक्ल २,२०२६
१३–१०–६६

सम्मतियाँ

मैंने पं० केशव आनन्द शर्मा द्वारा लिखित पुस्तक 'क्रियात्मक वादन संगीत' देखी जो निस्सन्देह उपयोगी एव अच्छी है। इसके लेखक बधाई के पात्र है। इसमे रागों का परिचय, मसीतखानी, रजाखानी गत, तोडे और झाले दिए गए है। अगर विद्यार्थी इन्हे निकालने मे सतर्कता बरतें तो वे अवश्य ही लाभान्वित होगे। पुस्तक इस दृष्टि से बडी अनोखी है कि इसके द्वितीय खण्ड में तबला के क्रियात्मक अंग पर यथेष्ट सामग्री दी गई है। इस पुस्तक को देखने से ऐसा मालूम पड़ता है कि लेखक को तबले के क्रियात्मक अग पर विशेष अधिकार है। इस दिशा में संगीत–जगत् इनका बडा ऋणी रहेगा।

हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव
एम.ए.,एल.टी., संगीत आचार्य संगीत प्रवीण
संगीत सदन, साउथ मलाका, इलाहाबाद

शास्त्रीय संगीत के इस उपेक्षापूर्ण युग में श्री पं० केशव आनन्द शर्मा द्वारा अपने गहन अध्ययन एवं अनुभव के आधार पर रचित **'क्रियात्मक वादन संगीत'** की रचना इस दिशा मे श्लाघनीय प्रयत्न है। संगीत के प्रति आरम्भ से ही आपकी विशेष रुचि परिलक्षित होती रही है।

आप पूज्य पितृचरण श्री जगदीश सिंह ठाकुर के सुयोग्य शिष्यों

मे ने है। आपने अपनी जिस लगन एवं परिश्रम से संगीत-सौरभ अर्जित किया, आज उसी लगन से उसके वितरण की परम अभिलाषा प्रशंसनीय है। संगीत–जगत् के नवोदित बिरवे आपकी ज्ञान सुधा से सिंचित होकर देश वातावरण को सुरभित करेंगे, ऐसी आशा है। विश्वास है कि संगीत शिक्षण जगत में आपकी यह अनुपम भेंट अपनी उपयोगिता के बल पर सर्वग्राह्य होगी।

अपनी हार्दिक शुभकामनाओं के साथ–

वेदमणि सिंह ठाकुर

प्राध्यापक, श्री लक्ष्मण संगीत विद्यालय

रायगढ़ (म० प्र०)

प्रस्तुत पुस्तक कलाकार और विद्यार्थी दोनों के लिए काम करेगी क्योंकि यह सागर भी है, और गागर भी। छपाई में जिस सुरुचि का निर्वाह हुआ है वह इसे और भी पूर्ण करता है।

मेरा विश्वास है कि यह पुस्तक प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

सतीश चन्द्र

प्रवक्ता,

दयानन्द गर्ल्स डिग्री कालेज,

कानपुर

लेखक का वक्तव्य

क्रियात्मक वादन संगीत के आलेखन का उद्देश्य सितार एवं तबला की झंकार तथा गमक का सम्यक निरूपण करना है। पुस्तक की उपयोगिता इसी से प्रमाणित है कि इसमें उपलब्ध सामग्री एक ओर तो कानपुर विश्वविद्यालय में निर्धारित स्नातक कक्षा के संगीत पाठ्यक्रम की विशद व्याख्या प्रस्तुत करती है। दूसरी ओर प्रयाग संगीत समिति इलाहाबाद' के पाठ्यक्रमों का भी इसमें समावेश है।

कहना न होगा कि 'सितार खण्ड' मे उक्त परीक्षाओं के पाठ्यक्रमानुसार सामग्री का विवेचन किया गया है, फिर भी सितार के तोड़े और तानों को मैने पृथक अस्तित्व के रूप में स्वीकार किया है जबकि अधिकांश विद्वान इसमें ऐक्य प्रतिपादन करते हैं। वास्तव में 'मैहर घराने' के सिद्धान्त के अविभूत होकर ही मैने इसमे पृथकतावादी दृष्टिकोण को अपनाया है। आशा है—विज्ञजन मेरे इस कृत-कार्य से असहमत न होंगे। 'तबला खण्ड' की सामग्री का विस्तार क्षेत्र अत्यन्त व्यापक है। उसमें 'हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट बोर्ड' के स्तर से स्नातकोत्तर स्तर तक की सामग्री का सम्यक आकलन प्रस्तुत है।

विषयों के प्रतिपादन में मेरे कृत-कार्य होने की सीमा क्या है—यह निर्णय मेरे निरूपण का संदर्भ नहीं है। मेरे सन्तोष का चरम केवल इस सच्चाई में है कि मैं संगीत के प्रति स्नातकीय परिनिष्ठा के

प्रति अपने उत्तरदायित्व के निर्वाह में जागरुक रहा हूं।

पुस्तक के सम्पूर्ण प्रारूप की परियोजनाओं और उपसंहारों में कई विज्ञजनों, मित्रों एवं विद्यार्थियों ने उदारतापूर्वक मेरी सहायता की है जिनका विस्मरण यहाँ अपराध बन जाएगा।

पुस्तक को लिखने की प्रेरणा मुझे संगीत के विद्वान श्री पन्नालाल जैन (सितार-वादक, मैहर घराना), श्री प्रो० लालजी श्रीवास्तव (आकाशवाणी तबलावादक, इलाहाबाद), श्री बी. एल. चोपड़ा (वायलिन वादक, झांसी), श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग (प्रधान सम्पादक, संगीत कार्यालय, हाथरस), प० सत्यनारायण वशिष्ठ (लेखक, हाथरस), श्री विश्वम्भर नाथ भट्ट (लेखक, आगरा), श्री रघुनाथ तलेगाँवकर (लेखक, आगरा) एवं श्री प्यारेलाल श्रीमाल (लेखक उज्जैन) से मिली। साथ ही श्री श्रीलाल चौरसिया, श्री हनीफ मोहम्मद सिद्दीकी और श्रीमती चन्द्रकान्ता गुप्ता ने मुझे इसके लिए प्रोत्साहित किया।

मै प्रयाग संगीत समिति, इलाहाबाद के रजिस्ट्रार श्री जगदीशनारायण पाठक का चिरकृतज्ञ हूं, जिन्होंने अपना अमूल्य समय देकर इसका अवलोकन किया एवं प्रस्तावना लिखा। संगीत के विद्वान एवं महान लेखक श्री हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव, श्री वेदमणिसिंह ठाकुर एवं श्री सतीशचन्द्र जी ने इसके लिए अपनी सम्मति लिखकर जो मेरा उत्साह-वर्द्धन किया है इसके लिए मै उनका महान आभारी हूँ। अंत में मैं उन महानुभावों और विद्यार्थियो को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने इस पुस्तक के लेखन, मुद्रण एवं प्रकाशन में मुझे शारीरिक, मानसिक एवं आर्थिक सहायता प्रदान की है।

बाँदा —लेखक

विजयादशमी २०२६
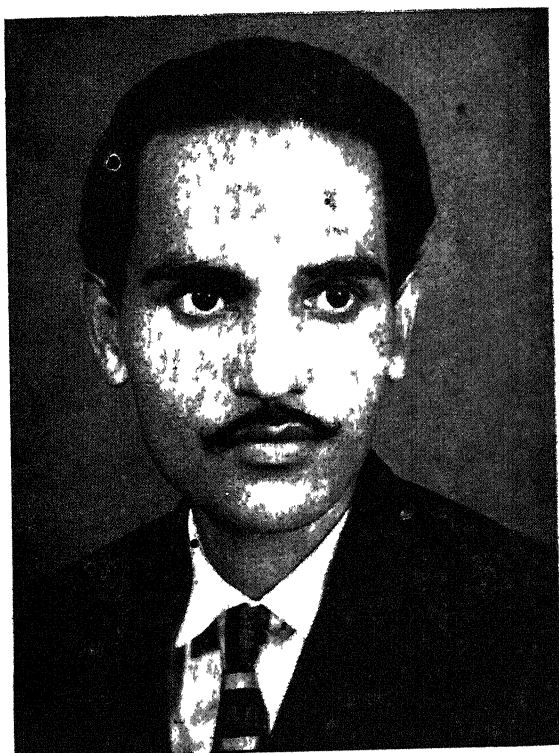
अनुक्रमणिका

प्रथम खण्ड

प्रथम अध्याय (विस्तृत व्याख्या)

द्वितीय अध्याय (साधारण व्याख्या)

तृतीय अध्याय (संक्षिप्त व्याख्या)

द्वितीय खण्ड

प्रथम अध्याय—अधिक प्रचलित ताल

द्वितीय अध्याय—सुगम संगीत के ताल

तृतीय अध्याय—मृदंग के ताल

चतुर्थ अध्याय—कम प्रचलित ताल

पंचम अध्याय—अप्रचलित ताल

—o—

प्रथम खण्ड

सितार (क्रियात्मक)

प्रथम अध्याय

राग–बागेश्री

तीवर रि ध कोमल गमनि, मध्यम वादि बखानि ।
खरज जहाँ सम्वादि है, बागेश्वरी लखानि ।।

संक्षिप्त विवरण—

थाट—काफी । जाति—ओडव सम्पूर्ण ।

स्वर—ग और नि कोमल, शेष - शुद्ध ।

वर्ज्य स्वर—आरोह में रे और प ।

वादी—म । सम्वादी—स ।

समय—रात्रि का द्वितीय प्रहर ।

आरोह—स नि ध, निसम, गमध, नि सं ।

अवरोह—सं नि ध, म ग, मगरेस ।

पकड़—स नि ध, स, मधनिध, मगरेस ।

विशेष—

इस राग की जाति के बारे में मतभेद हैं। कुछ लोग पंचम

पूर्णरूपेण वर्ज्य करके षाडव जाति मानते है। कुछ लोग आरोह मे पचम वर्ज्य करके षाडव सम्पूर्ण जाति मानते है। लेकिन भातखन्डे जी ने इसे औडव सम्पूर्ण जाति माना है। जो भी हो। प्रचार में जो रूप अधिक हो, उसे मानना चाहिए।

तान के समय बागेश्री के आरोह में रिषभ को वर्ज्य कर दिया जाता है। आलाप मे कभी-कभी 'रेग॒ मग॒ रेस' लेते है। इस क्रिया से हम भीमपलासी से आसानी से बच सकते हैं।

मध्यम, धैवत और निषाद स्वर विश्रान्ति स्थान हैं। इन्ही तीनों स्वरो की पारस्परिक संगति भी इस राग में खूब होती है। आलाप में मध्यम से गंधार पर मीड़ द्वारा न्यास किया जाता है जिससे इस राग द्वारा उत्पन्न करुण रस मे वृद्धि होती है।

पंचम का प्रयोग अल्प मात्रा में होता है। प्रायः 'मधनि॒ध, मपध, ग॒रेस' इस प्रकार पंचम का प्रयोग होता है। कभी-कभी तानों में 'सनि॒धप मग॒रेस' इस तरह अवरोह में भी सीधा प्रयोग कर देते हैं।

बागेश्री मुख्यतः तार षडज से मध्य मध्यम तक प्रस्फुटित होता है। इसके पूर्वाङ्ग में रे और उत्तराङ्ग में धैवत अनिवार्य स्वर हैं। उत्तराङ्ग राग होते हुए भी इसकी चलन तीनों सप्तकों में होती है।

यह एक बड़ी मधुर और भावनाशील राग, है जिसके कारण लोकप्रिय भी बहुत है।

स्वरों का अध्ययन

स- सामान्य । रे- आरोह में लंघन अल्पत्व और अवरोह में अलंघन बहुत्व ।

ग- अलंघन बहुत्व । म- अभ्यास बहुत्व ।

प- आरोह में लंघन अल्पत्व, अवरोह में अनाभ्यास अल्पत्व ।

ध- दोनों प्रकार का बहुत्व । नि- अलंघन बहुत्व ।

आलाप

१- स, नि, निस, नि ध, स, सनिध, मधनिध, मधनिस, मगरेस -धनिस । म

२- मग; मग रेस, निध, निसमग, मध, मग, मधनिध, मपध, मग, मगरेस, - धनिप । म

३- मग; मध, मग, रेसनिध, निसगमध, मधनिध, सनिध, मधनिध, मपध, गमगरेस, - धनिस । म

४- मधनिध, सं, रेंसं; निध, निसं, मंगं, मंगं, रेंस, संनिध, मधनिध, मग, रेगमगरेस, - धनिम । म
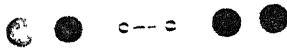
मसीतखानी गत (तीन ताल)

स्थाई-

				मग
				दिर
३	×	२	०	
रे सस निसस धनि	स म म मग	म धध नि ध	मपध गग रेस	
दा दिर दा,दिर दारा	दा दा रा दिर	दा दिर दा रा	दाऽऽ दाऽ दारा	

अंतरा

				गग
				दिर
३	×	२	०	
म धध नि ध	सं सं सं मंगं	रें संसं नि ध	मपध गग रेस	
दा दिर दा रा	दा दा रा दिर	दा दिर दा रा	दाऽऽ दाऽ दारा	

—०—०—

—० तोड़े ०—

	×			
१—	निससगग	--सगम	गमम धध	--मधनि ।
	दादिरदारा	ऽदादारा	दादिरदारा	ऽदादारा ।
	२			
	मधधनिसं	--धनिसं	धनिनिसंरें	--संनिध ।
	दादिरदारा	ऽदादारा	दादिरदारा	ऽदादारा ।

०				
संनिनिधम	--गुरेस	सनिनिधम	--ध--नि	।
दादिरदारा	ऽदादारा	दादिरदारा	ऽदाऽर्दा	।

३				×
स - म -	- ध - नि	स - म -	- ध - नि ।	स
दाऽराऽ	ऽदाऽर्दा	दाऽराऽ	ऽदाऽर्दा ।	दा

	×				
२	-ध-नि	स-म-	-सःग	म-ध-	।
	ऽदाऽर्दा	दाऽराऽ	ऽदाऽर्दा	दाऽराऽ	।

२				
-म-ध	नि-सं-	-नि-सं	मंगुरेंसं	।
ऽदाऽर्दा	दाऽराऽ	ऽदाऽर्दा	दारादारा	।

०				
-नि-सं	निधम-	- ग - म	गुरेम-	।
ऽदाऽर्दा	दारादाऽ	ऽदाऽर्दा	दारादाऽ	।

३				×
- ध - नि	स - - ध	- निस -	- ध - नि ।	स
ऽदाऽर्दा	दाऽऽदा	ऽर्दादाऽ	ऽदाऽर्दा ।	दा

तानें

	३				×
१	निपमग ।	रेसनिम गमधम	गरेस-	ध नि ।	स
	दारादारा ।	दारादारा दारादारा	दारादाऽ	ऽदाऽर्दा ।	दा

		३				×
२	गमधनि ।	धमधनि संनिधप	मगरेस	- ध - नि ।	स
	दारादारा ।	दारादारा दारादारा	दारादारा	ऽदाऽर्दा ।	दा

		३				×
३	मधनिध ।	मधनिमं	-निधम	-गरेस	-ध - नि ।	स
	दारादारा ।	दारादारा	ऽदारादा	ऽदारादा	ऽदाऽर्दा ।	दा

	×				२
४	मधनिसं	धनिमं-	धनिध-	मपध- ।	ग रेस
	दारादारा	दारादाऽ	र्दारादाऽ	र्दारादाऽ ।	र्दाऽर्दारा

- ध - नि	स - - ध	- नि स - ।	ध - नि	स
ऽदाऽर्दा	दाऽऽदा	ऽर्दादाऽ ।	ऽदाऽर्दा	दा

इसके बाद एक मात्रा के अदर तरब के तारो को छेड़कर गत शुरू करना होगा ।

---

† अधिकतर विद्वान तान को भी तोडे कहते हैं, लेकिन लेखक के मतानुसार गायन के बोल तान की भांति गतकारी के ढंग के तानों को तोडे कहना चाहिए और जो गायन के तानों की ही भांति हैं उन्हें तान ही कहना चाहिए । मैहर घराने के सितार-वादक भी यही मानते हैं । लेखक भी इसी घराने का अनुयायी है ।

×   २
५— धानिनंरे   संनिधम   गमधम   गरेस—   ।   म—
दारादारा   दारादारा   दारादारा   दारादाऽ   ।   दाऽ

०
-धनि   सं-   --धनि ।   स धनि   स-धनि   स
ऽऽदारा   दाऽ   ऽऽदारा   ।   दाऽदारा   दाऽदारा   दा

इसके बाद गत आरम्भ होगा ।

×   २
६— निसग-   मगरेस   गमध-   निधमग   ।   मधनि-
दारादारा   दारादारा   दारादाऽ   दारादारा   ।   दारादाऽ

०
संनिधम   धनिसं—   मंगंरेंसं   ।   संनिध-   मधनिध
दारादारा   दारादाऽ   दारादारा   ।   दारादाऽ   दारादारा

३
मपध-   मगरेस   ।   निस-स   ग गम   —मध—
दारादाऽ   दारादारा   ।   दाराऽदा   राऽदारा   ऽदाराऽ

×
धनि-नि   ।   सं-   --धनि   स—   निस—स ।
दाराऽदा   ।   राऽ   ऽऽदारा   दाऽ   दाराऽदा ।

२   ०
ग—गम   -मध-   धनि--नि   सं-   ।   --धनि
दाऽदारा   ऽदाराऽ   दाराऽदा   राऽ   ।   ऽऽदारा

३
स—   नि-सम   ग--गम   ।   -मध—   धनि नि
दाऽ   दाराऽदा   राऽदारा   ।   ऽदाराऽ   दाराऽदा

×
सं– --धनि । स
राऽ ऽऽदारा । दा

× २
७— निसमग रेसनिस गमधम गरेस– । निसगम धनिधम
दारादारा दारादारा दारादारा दारादाऽ । दारादारा दारादारा
०
गमधम गरेस- । निसगम धनिध– मपध– गगरेस ।
दारादारा दारादाऽ । दारादारा दारादाऽ दारादाऽ दारादारा ।
३ ×
ध–नि स--ध -निस- –ध–नि । स–म– धनिध-
ऽदाऽर्दा दाऽऽदा ऽर्दादाऽ ऽदाऽर्दा । दाऽराऽ दारादाऽ
२
मपध- गगरेस । -ध-नि स--ध -निस- -ध-नि ।
दारादाऽ दारादारा । ऽदाऽर्दा दाऽऽदा ऽर्दादाऽ ऽदाऽर्दा ।
० ३
स-म- धनिध- मपध- गगरेस । -ध-नि स--ध
दाऽराऽ दारादाऽ दारादाऽ दारादारा । ऽदाऽर्दा दाऽऽदा

×
नि-स– –ध–नि । स
ऽर्दादाऽ ऽदाऽर्दा । दा

८ **चक्करदार—**

× २
धनिसरें संनिधम गमधम गरेस- । म- --धनि
दारादारा दारादारा दारादारा दारादाऽ । दाऽ ऽऽदारा

०

सं- --धनि । स-धनि स-धनि स- धनिमरे ।

दाऽ ऽऽदारा । दाऽदारा दाऽदारा दाऽ दारादारा ।

३ ×

सनिधम गमधम गरेम- म- । --धनि स-

दारादारा दारादारा दारादाऽ दाऽ । ऽऽदारा दाऽ

२

--धनि स-धनि । स-धनि म- धनिसरे

ऽऽदारा दाऽदारा । दाऽदारा दाऽ दारादारा

०

सनिधम । गमधम गरेम- म- --धनि ।

दारादारा । दारादारा दारादाऽ दाऽ ऽऽदारा ।

३ ×

सं- --धनि स-धनि स-धनि । म

दाऽ ऽऽदारा दाऽदारा दाऽदारा । दा

रज़ाखानी गत (तीन ताल)

स्थाई—

२ ० ३ ×

म -ध -नि ध । म गग रे स । -ध - नि । म - म -

दा ऽदा ऽर दा । दा दिर दा रा । ऽ दा ऽ रा । दा ऽ रा ऽ

अंतरा

२ ० ३ ×

म -ध -नि ध । म -ग -रे म । ग मम ध नि । मं - नि म

दा ऽदा ऽर दा । दा ऽ दा ऽर दा । दा दिर दा रा । दाऽ दा रा

२ ० ३ ×
मं गं मं गं । रें संसं नि ध । म - ध नि । ध म प धध
दा रा दा रा । दा दिर दारा । दा ऽ दा रा । दा रा दा दिर

२ ० ३ ×
ग- गरे -रे स । नि म नि ध । - म ध नि । स - म -
दाऽ रदा ऽर दा । दा रा दा रा । ऽ दा दा रा । दा ऽ रा ऽ

तोड़े

× २ ० ३
१—नि सस म ग । म गग रे स । ग मम ध नि । ध मम ध नि
दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा दिर दा रा

× २ ० ३
सं संनि -नि ध । म धध नि ध । - म प ध । ग गरे -रे स
दा रदा ऽर दा । दा दिर दा रा । ऽ दा दा रा । दा रदा ऽर दा

× २ ० ३
- नि ध नि । स - - नि । ध नि स - । - नि ध नि
ऽ दा दा रा । दा ऽ ऽ दा । दा रा दा ऽ । ऽ दा

× २ ० ३
२— - सस ग म । ग गरे -रे स । - गग म ध । नि निध -ध म
ऽ दिर दा रा । दा रदा ऽर दा । ऽ दिर दा रा । दा रदा ऽर दा

× २ ० ३
- धध नि सं । मं गरें -रें सं । - निनि धम । ध धम -प ध
ऽ दिर दा रा । दा रदा ऽर दा । ऽ दिर दारा । दा रदा ऽर दा

× २ ० ३

ग गरे -रे स । ग गरे -रे स । ग गरे -रे स । -ध़ -नि़

दा रदा ऽर दा । दा रदा ऽर दा । दा रदा ऽर दा । ऽ दा ऽ र्दा

तानें

२ ०

१— गम धनि संनि धम । गमं धम गरे स-

दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दाऽ

२ ०

२— मध निसं धनि सं- । संनि धम गरे स-

दारा दारा दारा दाऽ । दारा दारा दारा दाऽ

× २

३— सग मध निसं निध़ । मप ध- मग रेस

दारा दारा दारा दारा । दारा दाऽ दारा दारा

० ३

-ध़ -नि़ स- -ध़ । -नि़ स- -ध़ -नि़

ऽदा ऽर्दा दाऽ ऽदा । ऽर्दा दाऽ ऽदा ऽर्दा

चक्करदार—

× २

४— नि़स गम धनि धम । गम धनि संनि धम

दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दारा

०					३			
ग॒म	धम	ग॒रे	स-	।	ऩि॒म	ध़ऩि॒	स-	ऩि॒म
दारा	दारा	दारा	दाऽ	।	दारा	दारा	दाऽ	दारा

उपरोक्त तान के अंत में एक मात्रा का दम देकर तीन वार बजाने से अंतिम स सम पर आएगा ।

झाला

×	२	०	३
स स स स	म म म म	म म म म	ग॒ ग॒ ग॒ ग॒
दा रा दा रा	दा रा दा रा	दा रा दा रा	दा रा दा रा
म – – –	ग॒ – – –	रे – – –	स – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
रे – – –	स – – –	ऩि॒ – – –	ध़ – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
म़ – – –	ध़ – – –	ऩि॒ – – –	ध़ – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
म़ – – ध़	– – ऩि॒ –	स – – –	स – – –
दा रा रा दा	रा रा दा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
ऩि॒ – – स	– – म –	– ग॒ – –	रे – स –
दा रा रा दा	रा रा दा रा	रा दा रा रा	दा रा दा रा
ऩि॒ – – –	ध़ – – –	ऩि॒ – – –	स – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
म – – म	– – ग॒ –	ग॒ – – रे	– – स –
दा रा रा दा	रा रा दा रा	दा रा रा दा	रा रा दा रा
म – – –	ग॒ – – –	म – – –	ध – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा

×	२	०	३
म – म –	– – ध –	ध – – –	नि – – –
दा रा दा रा	रा रा दा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
ध – ध –	– – नि –	नि – – –	सं – – –
दा रा दा रा	रा रा दा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
सं – सं नि	– नि ध –	म – ध नि	– नि ध –
दा रा दा दा	रा दा दा रा	दा रा दा दा	रा दा दा रा
म – प ध	– ध ग –	ग – – –	रे – स –
दा रा दा दा	ग दा दा रा	दा रा रा रा	दा रा दा रा
म – – –	ध – – –	नि – – –	ध – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
नि – – –	सं – – –	मं – – –	गं – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
मं – – –	गं – – –	रें – – –	सं – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
रें सं रें सं	नि ध म ध	म ध म ग	म ग रे स
दा रा दा रा	दा रा दा रा	दा रा दा रा	दा रा दा रा
– ध – नि	स – – ध	– नि स –	– ध – नि
ऽ दा ऽ दीं	दा ऽ ऽ दा	ऽ दीं दा ऽ	ऽ दा ऽ दीं

नोट—झाले के अंतर्गत आए हुए जिस (–) डैश के नीचे 'रा' लिखा है, वहां चिकारी के तार को बजाएँ ।

राग मुल्तानी

तीवर म नि कोमल रि ग ध, आरोहन रि ध हानि ।
प स वादी सम्वादि तें, गुनि गावत मुल्तानि ।।

संक्षिप्त विवरण—

थाट—तोड़ी । जाति—ओडव सम्पूर्ण ।

स्वर—रे ग और ध कोमल, म तीव्र एवं शेष शुद्ध ।

वर्ज्य स्वर—आरोह में रे और ध ।

वादी—प । सम्वादी—स ।

समय—दिन का चतुर्थ प्रहर ।

आरोह—ऩि स, ग मं प, नि सं ।

अवरोह—सं नि ध प, मं ग, रे स ।

पकड़—ऩिस, मंग, पग, रेस ।

विशेष—

मुल्तानी एक जटिल स्वर समुदाय का राग है । पहले-पहल सुनने पर यह कुछ रूखा सा प्रतीत होता है । संभवतः इसीलिए यह अधिक प्रचार में नहीं है, जबकि तोड़ी थाट के रागों में तोड़ी के पश्चात यही प्रमुख राग है । इसकी कुछ निजी विशेषताएं हैं जिन्हें समझकर ही इसका आनन्द लिया जा सकता है ।

आरम्भ में प्रायः "नि़स, मंग़" का प्रयोग करते हैं। स्पष्ट है कि इसकी चलन षडज से न होकर मंद्र निषाद से आरम्भ होती है। गंधार का प्रयोग मध्यम के करण के साथ होता है। मुल्तानी में रे और ध का प्रयोग कम करना चाहिए, अन्यथा तोड़ी की छाया आ जाएगी।

इस राग की एक विशेषता यह भी है कि यह एक परमेल-प्रवेशक राग है। कारण कि इस राग के गाने वजाने के बाद सायंकालीन संधिप्रकाश वाले राग गाए वजाए जाते हैं।

इस राग के न्यास के स्वर स, ग़, प और नि हैं।

विशेष स्वर संगतियाँ

१— नि़स, ग़ (मं) रे़स	२— नि़स, ग़ऽ मं प (मं)।
३— प, मंग़, मंग़ऽरेस	४— ग़ मं प नि ऽ ध प।

स्वरों का अध्ययन

स– सामान्य। रे़– आरोह में लंघन अल्पत्व और अवरोह में अनाभ्यास अल्पत्व। ग़– अलंघन बहुत्व। मं- अलंघन बहुत्व। प–अभ्यास बहुत्व। ध़–आरोह में लंघन अल्पत्व और अवरोह में अनाभ्यास अल्पत्व। नि– अलंघन बहुत्व।

आलाप

१- स, नि़, नि़स, नि़ध़प़, प़नि़स, नि़ध़प़, ध़मं़प़, नि़स, मंग़, रे़स,

×

–नि़नि़स ग़

मं
२– ग, रेस, निस गमंग, ग, मंग, पग, मंगनिधुग, मंग,
पग, रेस, –निनिस । ग

३– गमंग, मंग, निधुप, पनिसं, निधुग, मंगनिधुग, मंप, गमंप,
मंग, रेस, –निनिस । ग

४– मंग, पनिसं, निसं, मंगरेंसं, निसं, निधुग, मंगनिधप, मंग;
मंग, पग, रेम, –निनिस । ग

मसीतखानी गत (तीन ताल)

गमंग
दिऽर

स्थाई

३ × मंमं २ ०
ग रेस नि,सस गमं । प गग प मंमं । ग मंग नि धुप । मं गग रेस
दा दिर दा,दिर दारा । दा दाऽ रा दिर । दा दिर दा दारा । दा दाऽ दारा

अंतरा

गग
दिर

मं पप निधुप नि । सं सं सं मंगं । रें संसं नि धुप । मं गग रेम
दा दिर दाऽऽ रा । दा दा रा दिर । दा दिर दा दारा । दा दाऽ दारा

तोड़े

× २
१–निससगग –गमंप गमंमंपनि –पनिसं । –निसंगं
दादिर दारा ऽदादारा दादिर दारा ऽदादारा । ऽदादारा

०

मंगंगंरेंनं - निधुप निधुधुपमं । —पमंग मंगगरेम
दाड़िरदारा ऽदादारा दादिरदारा । ऽदादारा दादिरदारा

३ ×

—नि धुप मंपपनिस । —सगमं प- —स गमंग— —मगमं । प
ऽदादारा दादिरदारा । ऽदादारा दाऽऽदा दारादाऽ ऽदादारा । दा

× २

२- —ग—मं —मं—प —प-नि —नि—सं । —मं—गं —मं-गं
ऽद्राऽर्दा ऽद्राऽर्दा ऽद्राऽर्दा ऽद्राऽर्दा । ऽद्राऽर्दा ऽद्राऽर्दा

०

—रें-सं —नि-सं । निधुप- —मं-प मंगरेम निसगमं ।
ऽद्राऽर्दा ऽद्राऽर्दा । दारादाऽ ऽद्राऽर्दा दारादारा दारादारा ।

३ ×

प,<< निमगमं प,<< निमगमं । प
दा,रारा दारादारा दा,रारा दारादारा । दा

तानें

३ ×

१ निसमंग । रेंसनिस गमपमं गरेस- निसगमं । प
दारादारा । दारादारा दारादारा दारादाऽ दारादारा । दा

३ ×

२- गुर्मगुरे । स-गुर्म पर्मगुर्म गुरेस- -गु-र्म । प

दारादारा । दाऽदारा दारादारा दारादाऽ ऽदाऽर्दा । दा

× २

३- पर्मगुर्म प-निनि धुपर्मप गुर्मप- । गु-रेस गुर्मप-

दारादारा दाऽदारा दारादारा दारादाऽ । दाऽदारा दारादाऽ

०

प-गुर्म प-प- । गुर्मप- प-

दाऽदारा दाऽदाऽ । दारादाऽ दाऽ

इसके बाद एक मात्रा में तरब को छेड़कर गत आरम्भ करें।

× २

४ पर्मपर्म गुर्मपनि संनिसंनि धुपर्मप । गुर्मगर्म गुरेस-

दारादारा दारादारा दारादारा दारादारा । दारादारा दारादाऽ

०

-गु-र्म प-गु । -र्मप- -गु-र्म प-

ऽद्राऽर्दा दाऽऽद्रा । ऽर्दादाऽ ऽद्राऽर्दा दाऽ गत आरंभ

× २

५ पपर्मगु रेसनिस गुर्मपप र्मगुरेस । निसगुर्म पर्मगुर्म

दारादारा दारादारा दारादारा दारादारा । दारादारा दारादारा

०

पनिधुप र्मपगुर्म । पनिसंनि धुपर्मप गुर्मपप र्मगुरेस ।

दारादारा दारादारा । दारादारा दारादारा दारादारा दारादारा ।

३ ×
निसगर्म प-गर्म प-गर्म प,<< । गर्मगनि संनिधग
दारादारा दाऽदारा दाऽदारा दा,रारा । दारादारा दारादारा

२
मंगगर्म पपमंग । रेसनिस गर्मग- गर्मप- गर्मप-
दारादारा दारादारा । दारादारा दारादाऽ दारादाऽ दारादाऽ ।

० ३
<<गर्म पनिसंनि धपर्मप गर्मपप । मंगरेस निसगर्म
रारादारा दारादारा दारादारा दारादारा । दारादारा दारादारा

×
प-गर्म प-गर्म । प
दाऽदारा दाऽदारा । दा

६- तान नं० ४ को तीन बार बजाने से चक्करदार तान बनेगा, क्योंकि यह तान ११ मात्राओं की है । अतः ११ × ३ = ३३ हुआ । चूंकि अंतिम 'प' सम पर पड़ेगा, इसलिए यह चक्करदार तान दो आवर्तन अर्थात् ३२ मात्राओं की होगी ।

रज़ाखानी गत (तीन ताल)

स्थाई–

३ × २ ०
- ग - मं । प - प मं । ग मंमं पप मंमं । ग गरे -रे स
ऽ दा ऽ र्दा । दा ऽ दा रा । दा दिर दिर दिर । दा रदा ऽर दा

नि - स नि । ध प मं प । मं पप नि स । ग - रे स
दा ऽ र्दा रा । दा रा दा रा । दा दिर दा रा । दा ऽ र्दा रा

मं प नि - । ध प मं प । ग मंमं पप मंमं । ग गरे -रे स
दा रा दा ऽ । र्दा रा दा रा । दा दिर दिर दिर । दा रदा ऽर दा

अंतरा

३ × २ ०

गु मं प नि । सं - नि सं । मं गं रें सं । नि निधु -धु प
दा रा दा रा । दा ऽ दा रा । दा रा दा रा । दा रदा ऽर दा

नि- सं नि । धु प मं प । गु मंमं पप मंमं । गु गुरे रे स
दा ऽ दी रा । दा रा दा रा । दा दिर दिर दिर । दा रदा ऽर दा

तोड़े

× २ ० ३

१–नि़ सस गु मं । स गुगु मं प । गु मंमं प नि । मं पप नि सं
दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा दिर दा रा

सं संनि -धु प । नि निधु -धु प । प पमं -मं गु । मं गुरे -रे स
दा रदा ऽर दा । दा रदा ऽर दा । दा रदा ऽर दा । दा रदा ऽर दा

- सस गु मं । प - - सस । गु मं प - । -सस गु मं
ऽ दिर दा रा । दा ऽ ऽ दिर । दा रा दा ऽ । ऽ दिर दा रा

× १ ० ३

२ – सस गु मं । – गुगु मं प । - मंमं प नि । - पप नि सं
ऽ दिर दा रा । ऽ दिर दा रा । ऽ दिर दा रा । ऽ दिर दा रा

सं - गु मं । प - सं - । गु मं प - । सं - गु मं
दा ऽ दा रा । दा ऽ दा ऽ । दा रा दा ऽ । दा ऽ दा रा

तानें

२ ०

१—पनि मनि धप मंप । गमं पमं गरे म–

दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दाऽ

२ ०

२—पनि धप मंप गमं । पनि धप मंग रेम

दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दारा

× २

३—गमं गमं पमं पमं । पनि धप निस निध

दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दारा

० ३

पमं गमं प– पमं । गमं प– पमं गमं

दारा दारा दारा दार । दारा दाऽ दारा दारा

३ × २

४—निनि सस निनि सस । गग मंमं गरे स– । गग मंमं

दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दाऽ । दारा दारा

० ३

गग मंमं । पप मंमं गरे स– । निनि सस गग रेस ।

दारा दारा । दारा दार दारा दाऽ । दारा दारा दारा दारा ।

× २

निस गमं –ग –मं । प– –– निस गमं । –ग –मं

दारा दारा ऽदा ऽर्दा । दाऽ ऽऽ दारा दारा । ऽदा ऽर्दा

		३				×
प –	– – ।	निम	गुमॅ	– ग	– मॅ ।	प
दा ऽ	ऽ ऽ ।	दारा	दारा	ऽ दा	ऽ दी ।	दा

झाला

×	२	०	३
ग ग ग ग	मॅ मॅ मॅ मॅ	प प प प	मॅ मॅ मॅ मॅ
दा रा दा रा	दा रा दा-रा	दा रा दा रा	दा रा दा रा
प – – –	प – – –	मॅ – – –	ग – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
रे – – –	स – – –	नि. – – –	स – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
मॅ – – –	ग – – –	रे – – –	सा – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
नि. – – धृ	– – प –	मॅ – – –	प – – –
दा रा रा दा	रा रा दा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
नि. – स –	– मॅ – –	ग – – –	रे – स –
दा रा दा रा	रा दा रा रा	दा रा दा रा	दा रा दा रा
ग – – –	मॅ – – –	प – – –	प – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
प – नि –	– – धृ –	प – – –	प – – –
दा रा दा रा	रा रा दा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
नि. – सं –	– – मॅं –	ग – – –	रे – स –
दा रा दा रा	रा रा दा रा	दा रा रा रा	दा रा दा रा

नि – – धु	– – न –	नि – – –	सँ – – –
दा रा रा दा	ा रा दा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
म – स नि	– नि धु प	मं – प नि	– नि धु प
दा रा दा दा	रा दा दा रा	दा रा दा दा	रा दा दा रा
मं – – –	ग – – –	रे – – –	म – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
ऩि स ग मं	प – ग मं	प – – –	ऩि स ग मं
दा रा दा रा	दा ऽ दा रा	दा रा रा रा	दा रा दा रा
प – ग मं	प – – –	ऩि स ग मं	प – ग मं
दा ऽ दा रा	दा रा रा रा	दा रा दा रा	दा ऽ दा रा

राग जयजयवन्ती

द्वै गंधार निषाद द्वै, संवादै प-रि सोइ ।
सोरठ ही के अंग ते, जयजयवन्ती होइ ॥

संक्षिप्त विवरण—

थाट—खमाज । जाति—सम्पूर्ण । स्वर—दोनों गंधार और दोनों निषाद, शेष शुद्ध । वादी—रे । सम्वादी—प ।

समय—रात्रि के द्वितीय प्रहर का अंतिम भाग ।

आरोह—स, रेरे, रेग॒ रेस, नि॒धप, रे गमप, नि सं ।

अवरोह—संनि॒धप, धम, रेग॒ रेस ।

पकड़—रे ग॒ रे स, नि॒धप, रे ।

विशेष—

जयजयवन्ती दो अंगों से गाया जाता है । कुछ लोग बागेश्री अंग से गाते हैं और कुछ लोग देश अंग से गाते-बजाते हैं । दोनों ही प्रकार कर्णप्रिय है । बागेश्री अंग वाले आरोह में 'गमधनि॒सं' ये स्वर प्रयोग करते हैं, जबकि देश अंग वाले 'मपनिसं' का प्रयोग करते हैं । इतना निश्चय है कि जयजयवन्ती जिस अंग का भी हो उसमें 'रेग॒रेस, निस, धनि॒ रे' इस स्वर समुदाय का अवश्य प्रयोग होता है । स्पष्ट है कि यह स्वर समुदाय इस

राग का महत्वपूर्ण अंग है।

देश अंग का जयजयवन्ती अधिक प्रचार में है। इसके आरोह में शुद्ध निषाद और अवरोह में कोमल निषाद का प्रयोग होता है। कोमल गंधार का प्रयोग सिर्फ दो रिषभ के बीच में होता है। यथा—रेगरेस। जब भी 'धनिरे' इस समुदाय का प्रयोग करते हैं तो निषाद कोमल ही लिया जाता है। साथ ही रिषभ में गंधार का कण झटके से लिया जाता है, जैसा कि हमीर में धैवत। इस राग में पंचम और रिषभ की स्वरसंगति होती है, लेकिन दोनो भिन्न सप्तक के होते हैं। यथा—प्र रे या प रें।

जयजयवन्ती के बाद काफी थाट के रात्रिगेय रागो का आरंभ होता है। अपनी इस विशेषता के कारण यह परमेल–प्रवेशक राग कहलाता है। यह खमाज थाट के रागों को समाप्त करके काफी थाट आरंभ करने की सूचना देता है।

विशेष स्वर संगतियाँ

१—स, निस, धनिरे २—निधप्र, रे।

३—रेगमप, ध, गम, रेगरेस।

स्वरों का अध्ययन

सा—सामान्य। रे—दोनों प्रकार का बहुत्व।

ग—अलंघन बहुत्व। म—अलंघन बहुत्व। प—अलंघन बहुत्व।

ध—आरोह में लंघन अल्पत्व और अवरोह में अलंघन बहुत्व।

नि—अलंघन बहुत्व।

आलाप

१—म, नि़म, ध़नि़रे, नि़स, रे नि़ध़प़, म़प़नि़ध़प़, रे, रेगरेस, नि़मध़नि़ । रे

२—रे ग म प, मग मग, रे गुरे स, नि़स, रेगम, रेगुरेस, रेनि़ध़प़, रे गमपगम, रेगुरे, नि़स ध़नि़ । रे

३—रेगमप, निधप, धम, रेगुरेस, नि़सरे गमप, मग, धनिधप, मपनिसं, निधप, धम, रेगुरेस, नि़सध़नि़ । । रे

४—मप निसं, धनिरें, निधप, रें, रेंगं रेंसं, निसं, रेंनिधप, ध गम रेगुरेस, नि़सध़नि़ । । रे

मसीतखानी गत (तीन ताल)

स्थाई

रेग
दिर

रे सस नि़,सस ध़नि़ । रे रे रे रेग । म गग म प । गम रेग रेस
दा दिर दा,दारा दारा । दा दा रा दिर । दा दिर दा रा । दाऽ दाऽ दारा

अंतार

रेरे
दिर

३ × २ ०
ग मम पनि । सं सं सं निसं । रें निनि ध प । रें नि सं रेंग
दा दिर दारा । दा दा रा दिर । दा दिर दा रा । दा दा रा दिर

× २ ०

रें संमं नि ध । प ध म रेग । म गग म प । गम रेग रेम

दा दिर दा रा । दा दा रा दिर । दा दिर दा रा । दाऽ दाऽ दारा

तोड़े

× २

१—रेगगमग गमरेग रेममनि.स रेगमग । धनिनिधप

दादिरदारा दारादारा दादिरदारा दारादारा । दादिरदारा

०

मपगम रेगगरेम निमधनि । रेनिनिधप मधनिम

दारादारा दादिरदारा दारादारा । दादिरदारा दारादारा

ग३ ग ×

रेगगरेम निसधनि । रे — निसधनि रे — निमधनि । रे

दादिरदारा दारदार । दा ऽ दारादारा दा ऽ दारादारा । दा

× २

२— —रेगरे — गमप — गमरे —गरेस । — गमप

ऽदादारा ऽ दादारा ऽ दादारा ऽदादारा । ऽदादारा

०

— धनिध — पनिसं — धनिरें । — गंरेंसं — निसंरें

ऽ दादारा ऽ दादारा ऽ दादारा । ऽ दादारा ऽ दादारा

३

— नि़धप	— धमग	।	रेगुरेस	नि़सधनि़
ऽ दादारा	ऽ दादारा	।	दारादारा	दारादारा

रे — धनि़	रे — धनि़
दा ऽ दारा	दा ऽ दारा

तानें
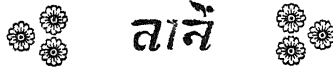
३ ×

१ नि़मरेगु । रेसरेग मपगम रेगुरेस नि़सधनि़ । रे
दारादारा । दारादारा दारादारा दारादारा दारादारा । दा

३ ×

२ रेगमप । मगमग रेगुरेस नि़सरेस नि़सधनि़ । रे
दारादारा । दारादारा दारादारा दारादारा दारादारा । दा

× २

३ रेगुरेस नि़सधनि़ रे—रेग मपगम । रेगुरेस नि़सधनि़
दारादारा दारादारा दाऽदारा दारादारा । दारादारा दारादारा

ग ग० ग
रे— नि़सधनि़ रे — नि़सधनि़ रे —
दाऽ दारादारा दा ऽ दारादारा दा ऽ गत आरम्भ

× २

४ नि़मरेग मपमग मगरेगु रेसनि़स । रेगुरेस नि़सधनि़
दारादारा दारादारा दारादारा दारादारा । दारादारा दारादारा

रे-नि़म धनि़रे – । नि़सधनि़ रे– एक मात्रा में तरब
दाऽदारा दारादा ऽ । दारादारा दाऽ के तारों को छेड़कर
गत आरम्भ करें

३ ×
५ नि़सरेस । नि़धपध मपनि़स रेसनि़स रेगमप । धनि़धप
दारादारा । दारादारा दारादारा दारादारा दारादारा । दारादारा

२
मपनिसं रेंसंनिसं नि़धपध । मगमप धनि़धप मगमग
दारादारा दारादारा दारादारा । दारादारा दारादारा दारादारा

० ग ३ ग
रेग़रेस । नि़सधनि़ रे- मगरेग़ रेसनि़स । धनि़ रे-
दारादारा । दारादारा दाऽ दारादारा दारादारा । दारा दाऽ

×
- - मग रेग़रेस नि़सधनि़ । रे
ऽऽ दारा दारादारा दारादारा । दा

चक्करदार—

× २
६ रेगमप नि़धपध मपनिसं नि़धपध । मगरेग़ रेसनि़स
दारादारा दारादारा दारादारा दारादारा । दारादारा दारादारा

ग ० ग ग
–ध़-नि़ रे--ध़ । –नि़रे– –ध़-नि़ रे–
ऽदाऽर्दा दाऽऽदा । ऽर्दादाऽ ऽदाऽर्दा दाऽ

उपरोक्त तान को हूबहू तीन बार बजाएँ ।

रज़ाखानी गत (तीन ताल)

स्थाई

×	२	०	३
रे - रे ग	म प ग म	रे गग रे स	- ध - नि
दा ऽ दा रा	दा रा दा रा	दा दिर दा रा	ऽ दा ऽ दा
रे - रे ग	म प ग म	रे गग रे स	नि सध -ध नि
दा ऽ दा रा	दा रा दा रा	दा दिर दा रा	दा रदा ऽर दा
रे - रे ग	म गग रे ग	रे सस नि स	रे नि ध प
दा ऽ दा रा	दा दिर दा रा	दा दिर दा रा	दा रा दा रा

अंतरा

×	२	०	३
रे गग म प	नि नि मं -	रें गंगं रें सं	रें रेंनि -नि म
दा दिर दा रा	दा रा दा ऽ	दा दिर दा रा	दा रदा ऽर दा
रें नि ध प	ध - ग म	रे गग रे स	{ सरे सनि सध नि }
दा रा दा रा	दा ऽ दा रा	दा दिर दा रा	{ दाऽ रदा ऽर दा }

नोट—कोष्ठ के अंदर लिखे स्वरों में जहाँ मिजराब का आघात नहीं है, वे स्वर कृन्तन से निकलेंगे ।

तोड़े

	×	२	०	३
१-	रे गग म प	ग मम रे गग	रे रेस -स निनि	स सध -ध नि
	दा दिर दा रा	दा दिर दा दिर	दा रदा ऽर दिर	दा रदा ऽर दा

×　　　२　　　०　　　३
८— म पप नि सँ । - निनि ध प । - धप म ग । - रेरे ग॒ रे ।
दा दिर दा रा । ऽ दिर दा रा । ऽ दिर दा रा । ऽ दिर दा रा ।

ग　　　ग
- सम ध़ नि़ । रे - - सम । ध़ नि़ रे - । - सस ध़ नि़
ऽ दिर दा रा । दा ऽ ऽ दिर । दा रा दा ऽ । ऽ दिर दा रा

तानें

०　　　३　　　×
१— रेग मप गम रेग॒ । रेम नि़म -ध़ -नि़ । रे
दारा दारा दारा दारा । दारा दारा ऽदा ऽदीं । दा

०　　　३　　　×
२— पनि॒ धप मप गम । रेग रेस नि़म ध़नि़ । रे
दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दारा । दा

२　　　०　　　३　　　×
३— रेग मप नि॒ध पम । गम रेग॒ रेस नि़स । रेम नि़म -ध़-नि़ । रे
दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दारा । दारा दारा ऽदाऽदीं । दा

२　　　०　　　३　　　×
४— मप निसँ नि॒ध प- । ध- मग रेग॒ रेम । नि़म रेस नि़स ध़नि़ । रे
दारा दारा दारा दा । दा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दारा । दा

३　　　×　　　२
५— मप निसं नि॒ध प । ध॒ मग रेग॒ रेस । नि़स रेस नि़स ध़नि़ ।
दारा दारा दारा दा । दा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दारा ।

ग ० ग ३ ×

रे - नि़स ध़नि़ । रे – नि़स ध़नि़ । रे

दा ऽ दारा दारा । दा ऽ दारा दारा । दा

× २ ०

६- नि़स रेग रेस रेग । मप गम रेग रेस । रेग मप निध पम ।

दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा द.रा ।

३ × ग२

गम रेग रेस नि़स । रेस नि़स -ध़ -नि़ । रे - रेस नि़स ।

दारा दारा दारा दारा । दारा दारा ऽर्दा ऽर्दा । दा ऽ दारा दारा ।

० ग ३ ×

-ध़ –नि़ रे – । रेस नि़स –ध़ -नि़ । रे

ऽर्दा ऽर्दा दा ऽ । दारा दारा ऽर्दा ऽर्दा । दा

झाला

० ३

मम मम पप पप निनि निनि संसं संसं

दिर दिर दिर दिर दिर दिर दिर दिद

× २ ० ३

सं – – – स – – – सं – – – सं – – –

दा रा रा रा दा रा रा रा दा रा रा रा दा रा रा रा

नि – – – ध – – – प – – – प – – –

दा रा रा रा दा रा रा रा दा रा रा रा दा रा रा रा

ध – – –	ध – – –	म – – –	ग – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
रे – – –	ग – – –	रे – – –	स – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
नि – – –	ध – – –	प – – –	नि – स –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा दा रा
रे – – –	ग – – –	रे – – –	स – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
रे – – ग	– – म –	रे – ग –	रे – स –
दा रा रा दा	रा रा दा रा	दा रा दा रा	दा रा दा रा
नि – स –	रे – ग –	म – – –	प – – –
दा रा दा रा	दा रा दा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
नि – – ध	– – प –	ध – – –	ग – म –
दा रा रा दा	दा रा दा रा	दा रा रा रा	दा रा दा रा
रे – – –	ग – – –	रे – – –	स – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
नि – – –	स – – –	ध – – –	नि – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
रे – – –	ग – – –	म – – –	प – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
नि – सं –	– – नि –	ध – – –	प – – –
दा रा दा रा	रा रा दा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा

रें - - -   रे - गं -   - - रें -   सं - - - -

दा रा रा रा   दा रा दा रा   रा रा दा रा   दा रा रा रा

नि -- सं नि   -- ध प --   ध -- म ग   -- म रे --

दा रा दा दा   रा दा दा रा   दा रा दा दा   रा दा दा रा

रे ग रे स   नि स रे स   नि स ध नि   रे - नि स

दा रा दा रा   दा रा दा रा   दा रा दा रा   दा-ऽ दा रा

रे स नि स   ध नि रे -   नि स रे स   नि स ध नि

दा रा दा रा   दा रा दा ऽ   दा रा दा रा   दा रा दा रा

राग पूरिया कल्याण

विकृत रे म सम्वाद ग नी, जाति संपूरन होइ ।
थाट मारवा सायं समय, पूरिया कल्याण सोइ ॥

संक्षिप्त विवरण—

थाट—मारवा । जाति—सम्पूर्ण ।

स्वर—रे कोमल, मध्यम तीव्र एवं शेष शुद्ध ।

वादी—ग । सम्वादी—नि । समय—सायंकाल संधिप्रकाश ।

आरोह—नि़रे॒ग, म॑ग, म॑धनिसं ।

अवरोह—सं, नि धनि, धप, म॑ग, रे॒स ।

पकड़—पधनिधप, म॑ग, रे॒म॑ग, रे॒म ।

विशेष—

यह एक मिश्र राग है । पूरिया और कल्याण के मिश्रण से इसकी उत्पत्ति हुई है । एक पूर्वकल्याण नामक राग भी है, जो कि इससे भिन्न है । उसकी उत्पत्ति पूरिया, मान्दा एवं कल्याण के मेल से हुई है । अतः इन दोनों मिश्र रागों को एक न समझना चाहिए ।

इस राग का चलन मंद्र निषाद से आरंभ होता है । पूर्वाङ्ग में पूरिया की झलक दिखाई देती है, क्योंकि इसमें गंधार की

प्रमुखता है। रिषभ स्वर के गौण होने से मारवा की छाया नहीं आती। इस राग में रिषभ और मध्यम की स्वर संगति होती है। यथा–"रे् मं ग।" यह स्मरणीय है कि 'मं रे् ग' का प्रयोग न हो अन्यथा पूरियाधनाश्री अपना अस्तित्व जमाएगी। मध्यम के बाद पंचम के प्रयोग से पूरिया का प्रभाव हट जाता है।

उत्तराङ्ग में पंचम की उपेक्षा करते हुए मंधनिसं या मंधसं स्वर समूह लेते हैं। इस प्रकार शुद्ध धैवत के प्रयोग करने से पूरियाधनाश्री से पूर्णरूपेण बच जाते हैं। उत्तराङ्ग की चलन से कल्याण का आभास होता है, लेकिन कोमल रिषभ का प्रयोग शीघ्र इस भ्रम को दूर कर देता है, जो कि आवश्यक है।

यह राग संधिप्रकाश के साथ परमेल–प्रवेशक राग भी है, क्योंकि इसके बाद मारवा थाट का समय समाप्त होता है और कल्याण थाट का आरम्भ होता है।

इस राग के न्यास के स्वर स, ग और प हैं, फिर भी इसकी बंदिशों में अधिकतर मध्यम पर सम दिखाया जाता है।

विशेष स्वर संगतियाँ

१– प, मंग, रे्मंग, रे्स, नि़रे्स ।

२– ग, मंधनिऽसं ।

३– मं ध सं, निधनि, धप। ४– नि़ रे् नि़, मंग ।

स्वरों का अध्ययन

स—सामान्य । रे—अनाभ्यास बहुत्व ।

ग—अभ्यास बहुत्व । मं—अनाभ्यास बहुत्व ।

प—आरोह में अनाभ्यास अल्पत्व और अवरोह में अलङ्घन बहुत्व ।

ध—अलङ्घन बहुत्व । नि—अलङ्घन बहुत्व ।

आलाप

१— स, नि, निस, निध, नि, निरेस, निधनि, धप, मंधनि, मंनि,

×

धनिरेस; –निनिरे । स

२— निरेग, निरेस, निमंग, पमंग, मंधपमंग, रे गमंग, निमंग,

×

रेमंग, रेम, –निनिरे । स

३— निरे गमंप, मंपमंग, रे मंग, मंधनिधप, मंधप, मंनिधप,

×

पमंग, रेमंग, रेस, –निनिरे । स

४— मंधनि, मंधसं, निरेंसं, निधनि, धप, मंधनि, धनिरेंसं,

निरेंगं, रेंमंगं, रेंसं, निधनि, धप, पमंग, रे मंग, रेगरेस,

×

–निनिरे । स

मसीतखानी गत (तीन ताल)

स्थाई—

मंधनिसं
दारादारा

३ × २ ०
नि धप मं–धप –मं–ग । मं ग ग रेरे । मं गग रे स । नि़ ग रेस गग
दा दिर दाऽदारा ऽदाऽर्दा । दा दा रा दिर । दा दिर दा रा । दा दा राऽ, दिर

अंतरा

३ × २ ०
मं धध नि रें । गं रें सं निनि । मं गंगं रें मं । गं रें सं निनि
दा दिर दा रा । दा दा रा दिर । दा दिर दा रा । दा दा रा, दिर

ध निनि ध प । मं ध प मंमं । ग रेरे मं ग । नि़ रे स,
दा दिर दा रा । दा दा रा दिर । दा दिर दा रा । दा दा रा,

तोड़े

× २
१– नि़रेरेगरे –मं–ग रेगगरेस –नि़–रे । गमंमंधनि –ध–प
दादिरदारा ऽदाऽर्दा दादिरदारा ऽदाऽर्दा । दादिरदारा ऽदाऽर्दा

०
मंधधनिसं –नि–ध । निधधपमं –ग–रे मंगगरेस
दादिरदारा ऽदाऽर्दा । दादिरदारा ऽदाऽर्दा दादिरदारा. गत आरंभ

×   २
-मंधम   -निरेंम   -निरेंग   -रेंमंगं ।   -निरेंमं   -निधनि
ऽदादारा   ऽदादारा   ऽदादारा   ऽदादारा ।   ऽदादारा   ऽदादारा

०
-धपमं   -पमंग ।   -मं-गरे   -गरेंम   -निरेंग
ऽदादारा   ऽदादारा ।   ऽदादारा   ऽदादारा   ऽदादारा   गत आरम्भ

तानें

३   ×
१- निरेंगरें । स - निरें   गमंपमं   गरेंस-   -निरेंग ।   मं
दारादारा ।   दाऽदारा   दारादारा   दारादाऽ   ऽदादारा ।   दा

३   ×
२- गमंधनि । धपमंध   निसंनिध   निधपमं   -ग-रें ।   मं
दारादारा । दारादारा   दारादारा   दारादारा   ऽदाऽर्दा ।   दा

×   २
३- गमंधनि   मंधनिमं   धनिरेंस   निधनिध ।   पमंगमं   धपमंग
दारादारा   दारादारा   दारादारा   दारादारा ।   दारादारा   दारादारा

मं-धप   मंगमं- ।   धपमंग   मं   इसके बाद एक मात्रा में तरब
दाऽदारा   दारादाऽ ।   दारादारा   दा   को छेड़कर गत आरम्भ करें।

×   २
४— संनिधनि   रेंगरेंसं   निधपमं   गमंपमं । गरेंस-   निरेंगमं   -पमंग
दारादारा   दारादारा   दारादारा   दारादारा । दारादाऽ   दारादारा   ऽदादारा

०
मं--प ।   मंगमं-   -पमंग   मं
दाऽऽदा ।   दारादाऽ   ऽदादारा   दा   गत आरम्भ

×   २
५—निरेगरे स-निरे गमंधप मंगरेस । निरेगमं गमंधनि
दारादारा दाऽदारा दारादारा दारादारा। दारादार दारादारा

०
धपमंग रेमंगरे । स-निरे गमंधनि सं-निध निधपमं ।
दारादार दारादारा । दाऽदारा दारादारा दाऽदारा दारादारा ।

३   ०   ×
धपमंग मं-धप मंगमं- धपमंग । मं
दारादारा दाऽदारा दाराद‌ाऽ दारादारा । दा

×   २
६—निरेगरे स-निरे गमंधप मंगरेस । निरेगमं गमंधनि
दारादारा दाऽदारा दारादारा दारादारा । दारादारा दारादारा

०
धपमंग रेमंगरे । स-निरे गमंधनि सं-निध निधपमं ।
दारादारा दारादारा। दाऽदारा दारादारा दाऽदारा दारादारा ।

३   ×
धपमंग मं-धप मंगमं- धपमंग । मं गमंधनि
दारादारा दाऽदारा दारादाऽ दारादारा । दा दारादारा

२
सं-निध निधपमं । धपमंग मं-धप मंगमं- धपमंग
दाऽदारा दारादारा । दारादारा दाऽदारा दारादाऽ दारादारा

०
मं गमंधनि सं-निध निधपमं । धपमंग मं-धप
दा दारादार दाऽदारा दारादारा । दारादारा दाऽदारा

×
मंगमं— धपमंग । मं
दारादाऽ दारादारा । दा

७ तान नं० ४ को हूबहू तीन बार वजाने से दो आवर्तन का चक्करदार तान बनेगा ।

रज़ाखानी गत (तीन ताल)

स्थाई—

०   ३   ×   २
मं निनि धध पप । मं मंग –ग रेरे । मं ग – मं । ग रे स –
दा दिर दिर दिर । दा रदा ऽर दिर । दा रा ऽ दा । रा दा रा ऽ
नि – रे स । – नि ध नि । ध प मं ध । नि निरे –रे स
दा ऽ र्दा दा । ऽ र्दा दा रा । दा रा दा रा । दा रदा ऽर दा
नि ग – रे । मं – ग रे । ग मंमं पप मंमं । ग गरे –रे स
दा दा ऽ र्दा । दा ऽ र्दा रा । दा दिर दिर दिर । दा रदा ऽर दा

अंतरा

०   ३   ×   २
ग मंमं ध नि । – मं ध नि । सं - सं सं । नि निरें –रें स
दा दिर दा रा । ऽ दा दा रा । दा ऽ दा रा । दा रदा ऽर दा
नि रेंरें गं रें । मं गंगं रेंसं । नि निध -ध निनि । ध प मं ग
दा दिर दा रा । दा दिर दारा । दा रदा ऽर दिर । दा रा दा रा
मं ग रे मं । ग गरे -रे स । नि ध नि रे । ग गमं –मं ग
दा रा दा रा । दा रदा ऽर दा । दा रा दा रा । दा रदा ऽर दा

तोड़े (सम से)

१—नि़ रेरे स नि़ । ग रेरे मंग । मं धध प मं । ग मंमं ध नि
दा दिर दा रा । दा दिर दारा । दा दिर दा रा । दा दिर दा रा
ध पप मं ग । मं - ध पप । मं ग मं - । ध पप मं ग
दा दिर दा रा । दा ऽ दा दिर । दा रा दा ऽ । दा दिर दा रा

२— - नि़नि़ रे ग । मं मंध -ध प । - मंमं ग मं । ध धनि -नि सं
ऽ दिर दा रा । दा रदा ऽर दा । ऽ दिर दा रा । दा रदा ऽर दा
- निनि ध नि । ध धप -प मं । गग रेरे मं गग ।
ऽ दिर दा रा । दा रदा ऽर दा । दिर दिर दा दिर ।
रेरे मं गग रेरे
दिर दा दिर दिर

तानें

× २
१—नि़रे गरे स- नि़रे । गमं पमं गरे स
दारा दारा दा दारा । दारा दारा दारा दा

× २
२—गमं धनि संनि धप । मंग रेमं गरे स
दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दा

× २
३—मंध निसं निध निध । पमं गमं गरे मंग
दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दारा

० ३ ×
धप मंग मं- धप । मंग मं- धप मंग । मं
दारा दारा दाऽ दारा । दारा दाऽ दारा दारा । दा

०   ३   ×

४—धनि रेंमं निध निध । पमं गमं गरे स । निरे गमं –ग –रे ।
दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दा । दारा दारा ऽदा ऽर्दा ।

२   ०   ३   ×

मं ग निरे गमं । –ग –रे मं ग । निरे गमं –ग –रे । मं
दा रा दारा दारा । ऽदा ऽर्दा दा रा । दारा दारा ऽदा ऽर्दा । दा

झाला

०   ३

निनि निनि रेरे रेरे । गग गग मंमं मंमं
दिर दिर दिर दिर । दिर दिर दिर दिर

×	२	०	३
प – – –	प – – –	मं – – –	ग – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
रे – – –	मं – – –	ग – – –	रे – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
स – – –	म – – –	नि – – रे	– – म –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा दा	रा रा दा रा
नि – – ध	– – नि –	ध – – –	ध – – –
दा रा रा दा	रा रा दा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
मं – मं –	– – ध –	ध – – –	नि – म –
दा रा दा रा	रा रा दा रा	दा रा रा रा	दा रा दा रा
नि – नि –	– – रे –	ग – – –	रे – स –
दा रा दा रा	रा रा दा रा	दा रा रा रा	दा रा दा रा

नि़ – – म॑	– – ग –	ग – – –	रे – – –
दा रा रा दा	रा रा दा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
म॑ – – –	ग – – –	रे – – –	स – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
ग – – –	म॑ – – –	ध – – –	नि – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
सं – नि –	– – ध –	नि – – ध	– – प –
दा रा दा रा	रा रा दा रा	दा रा रा दा	रा रा दा रा
म॑ – – –	ध – – –	नि – – –	रें – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
मैं – – –	गं – – –	रें – – –	सं – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
सं – सं नि	– नि ध –	प – म॑ ग	– रे स –
दा रा दा दा	रा दा दा रा	दा रा दा दा	रा दा दा रा
– नि़ रे ग	म॑ – – नि़	रे ग म॑ –	– नि़ रे ग
ऽ दा दा रा	दा ऽ ऽ दा	दा रा दा ऽ	ऽ दा दा रा

राग मधुवन्ती

रि ध वर्जित आरोह में, विकृत ग म जानि ।
रि प संवादी वादी तें, मधुवन्ती पहिचानि ॥

संक्षिप्त विवरण—

थाट—तोड़ी । जाति—ओडव सम्पूर्ण ।

स्वर—गंधार कोमल और मध्यम तीव्र एवं शेष शुद्ध ।

वर्ज्य स्वर—आरोह में रे और ध ।

वादी—प । सम्वादी—रे । विवादी—कोमल नि ।

समय—दिन का तृतीत प्रहर ।

म॑

आरोह—नि़स, ग़ म॑ प, निसं ।

स

अवरोह—सं नि ध प, म॑ ग़ रे स ।

म॑ स

पकड़—नि़ स ग़ म॑ प, म॑ग़, म॑ग़, रे, स ।

विशेष—

इस राग की रचना कुछ दिनों पूर्व हुई है। मुल्तानी में रे और ध को शुद्ध करके इसे बनाया गया है । मुल्तानी में इस परिवर्तन से काफी मधुरता आगई । फलतः इसे मधुवन्ती राग

नाम दिया गया।

स्वरों की दृष्टि से विचार किया जाए तो यह दसों थाट में से किसी के अंतर्गत नहीं आता। चूँकि इसकी रचना मुल्तानी के आधार पर हुई है, सम्भवतः इसीलिए इसे उसी के थाट से उत्पन्न मान लिया गया।

इस राग की चलन मंद्र निषाद से आरम्भ होती है। इसके बाद गधार में मध्यम कण लेते हुए आगे बढ़ते हैं। गंधार से वापस आते समय रिषभ में षडज का कण लिया जाता है। आरोह में रे और ध वर्ज्य होते हुए भी ये दोनों महत्वपूर्ण स्वर हैं। अतः इन पर विशेष बल दिया जाता है। धैवत में पचम या निषाद का कण लिया जाता है। कभी-कभी विवादी स्वर के नाते अवरोह में धैवत के साथ कोमल निषाद का प्रयोग होता है। यथा— मंपनिधप।

वादी-सम्वादी की दृष्टि से इसे उत्तराङ्ग प्रधान होना चाहिए। जबकि गायन समय की दृष्टि से यह पूर्वाङ्ग प्रधान है।

विशेष स्वर संगतियाँ

१— निस, ग रे स। (ग पर कण मं, रे पर कण स)

२— प, मंग, मंग, रेसरे ऽ स।

३— गमंप, निधप, गमंग, रे, स। (रे पर कण स)

स्वरों का अध्ययन

स-सामान्य। रे-आरोह में लङ्घन अल्पत्व और अवरोह में अभ्यास

बहुत्व । ग-आरोह में अनाभ्यास अल्पत्व और अवरोह में अलङ्घन बहुत्व । मं-अलंघन बहुत्व । प- अभ्यास बहुत्व ।
ध-आरोह में लङ्घन अल्पत्व और अवरोह में अलङ्घन बहुत्व ।
नि-अलङ्घन बहुत्व ।

आलाप

१- स, नि, निम, निधप, पनिस, निधप, मंपनि, पनिम,
मं स ×
निस ग रे स, -रेरेस । रे

मं
२- स, निम, ग मंप, गमंप, गमं गरे, स ग मं प, ध, मंप,
मं ×
मंगरे, सरे, निस ग रेस, --रेरेस । रे

३- स ग मं प, ग प, ध प, गमंपनि, ध प, निधप, ध,
×
मंर, ग, मंगरेस, -रेरेस । रे

४- निस, मं ग प, निधप, पनिसं, निसं, मंगंरेंसं, निसं,
×
पनि धप, ध मं प, ग मं प, ग मंग, प, गरेस, -रेरेस । रे

मसीतखानी गत (तीन ताल)

स्थाई

पप
दिर

३				×				मं२				०			
मं	गग	रे	-स-स ।	रे	रे	स	निम ।	ग	मंमं	प	निध ।	प	मंग	रेस	
दा	दिर	दा	ऽदाऽदा ।	दा	दा	रा	दिर ।	दा	दिर	दा	राऽ ।	दा	दाऽ	दारा	

अंतरा

पप
दिर

३ × २ नि र्म०
ग॒ र्मर्म प नि । सं रें सं निनि । ध पप ध प । ग॒ रे स
दा दिर दा रा । दा दा रा दिर । दा दिर दा रा । दा दा रा

तोड़े (सम से)

१— निसससर्मग॒ —सरेस ग॒र्मर्मपनि -पधप । निसंसंमंग॒ं
दादिरदारा ऽदादारा दादिरदारा ऽदादारा । दादिरदारा

—संरेंसं निधधपर्म —धर्मप । ग॒र्मर्मपग॒ —सरेस
ऽदादारा दादिरदारा ऽदादारा । दादिरदारा ऽदादारा

रे—स—
दाऽराऽ गत आरम्भ

२— —रे—स ग॒र्मपर्म —ध—प निधपप । —नि—सं
ऽदाऽर्दा दारादारा ऽदाऽर्दा दारादारा । ऽदाऽर्दा

मंग॒ंरेंसं —नि—ध पधर्मप । —र्म—ग॒ र्मग॒रेस रे—स—
दारादारा ऽदाऽर्दा दारादारा । ऽदाऽर्दा दारादारा दाऽराऽ

—गत आरम्भ

तानें

३ ×
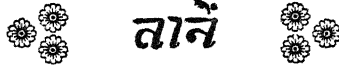
१– निसमंग । रेसनिस गमंपमं गरेसरे –स–म । रे

दारादारा दारादारा दारादारा दारादारा ऽदाऽदा । दा

३ ×

२– गमंपनि । धपमंग निसंनिध पधमंप मंगरेस । रे

दारादारा । दारादारा दारादारा दारादारा दारादारा । दा

× २

३– निसनिस मंगमंग मंपमंप धपधप । निसंनिसं

दारादारा दारादारा दारादारा दारादारा । दारादारा

०

निधपमं गमंगस रे––स । रे––म रे

दारादारा दारादारा दाऽऽदा । दाऽऽदा दा

एक मात्रा में तरब के तारों को छेड़कर गत आरम्भ करें ।

× २

४– पनिमंनि धपमंप निसंनिध पमगमं । गरेस–

दारादारा दारादारा दारादारा दारादारा । दारादाऽ

०

–पमंग रे–म– –पमंग । रे–स– –पमंग रे

ऽदादारा ऽदादारा ऽदादारा । दाऽराऽ ऽदादारा दा गत आरम्भ

× २

५– निसगमं पमंगमं पनिधप मंपगमं । पनिसंनि

दारादारा दारादारा दारादारा दारादारा । दारादारा

०
धपर्मप ग़ुर्मपर्म ग़ुरेस- । नि़सग़ुर्म प--स रे--स
दारादारा दारादारा दारादाऽ । दारादारा दाऽऽर्दा दारादारा

३ ×
नि़सग़ुर्म । प--स रे--स नि़सगर्म प--स । रे
दारादारा । दाऽऽर्दा दाऽऽरा दारादारा दाऽऽर्दा । दा

६— तान नं० ४ को हूबहू तीन बार बजाने से चक्करदार तान बनेगा ।

रज़ाखानी गत (तीन ताल)

स्थाई—

० ३ × २
प निनि ध प । ग़ु ग़ुरे —रे स । रे — स — । नि़ स ग़ु र्म
दा दिर दा रा । दा रदा ऽर दा । दा ऽ रा ऽ । दा रा दा रा

प निनि ध प । ग़ु ग़ुरे —रे स । रे — स — । नि़ स नि़ ध़
दा दिर दा रा । दा रदा ऽर दा । दा ऽ रा ऽ । दा रा दा रा

स
ध़ -र्म़ -र्म़ ध़ । नि़ -स -स र्म । ग़ु रे - स । नि़ स ग़ु र्म
दा ऽदा ऽर दा । दा ऽदा ऽर दा । दा दा ऽ रा । दा रा दा रा

अंतरा

० ३ × २
प - ग़ु र्म । प नि प नि । सं - र्मं ग़ुं । रें - सं -
दा ऽ र्दा रा । दा रा दा रा । दा ऽ र्दा रा । दा ऽ रा ऽ

नि ध – प । ध – र्म प । ग॒ ग॒रे –रे स । नि़ स ग॒ र्म
दा दा ऽ र्दा । दा ऽ दा रा । दा रदा ऽर दा । दा रा दा रा

तोड़े (सम से)

१— नि़ सस ग॒ र्म । प पनि –नि सं । ग॒ं रेंरें सं रें । सं सनि
दा दिर दा रा । दा रदा ऽर दा । दा दिर दा रा । दा रदा

–नि ध । - पप र्म ग॒ । रे स़ - पप । र्म ग॒ रे स
ऽर दा । ऽ दिर दा रा । दा रा ऽ दिर । दा रा दा रा

- पप र्म ग॒ ।
ऽ दिर दा रा ।

२— - सस ग॒ र्म । - ग॒ग॒ र्म प । - र्मर्म प नि । - पप नि सं ।
ऽ दिर दा रा । ऽ दिर दा रा । ऽ दिर दा रा । ऽ दिर दा रा ।

- निनि ध प । - पप र्म ग॒ । रे - - स । रे - - स ।
ऽ दिर दा रा । ऽ दिर दा रा । दा ऽ ऽ र्दा । दा ऽ ऽ र्दा ।

तानें

० ३
१— पनि संनि धप र्मप । ग॒र्म पर्म ग॒रे स-
दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दाऽ

० ३
२— ग॒र्म पनि संनि धप । निनि धप र्मग॒ रेस
दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दारा

× २
३— नि़स ग॒र्म पर्म ग॒र्म । पनि धप र्मग॒ रेस
दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दारा

०　　　　　　　　３　　　　　　　×
निम मंग रे -स । मंग रे -स मंग । रे
दारा दारा दा ऽरा । दारा दा ऽरा दारा । दा

×　　　　　२　　　　　०
४— निस निस मंग मंग । मंप मंप धप धप । निसं निसं निध पमं
दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दारा

３　　　　　×　　　　　२
गमं पमं गरे स । -ग -मं प -स । रे स -ग -म ।
दारा दारा दारा दा । ऽदा ऽर्दा दा ऽर्दा । दा रा ऽदा ऽर्दा ।

०　　　　　３　　　　　×
प -स रे स । -ग -मं प स । रे
दा ऽदा दा रा । ऽदा ऽर्दा दा ऽर्दा । दा

झाला

०　　　　　　　３
गग गग मंमं मंमं । गग गग रेरे रेरे
दिर दिर दिर दिर । दिर दिर दिर दिर

×　　　२　　　०　　　３
स — — — रे — — — रे — — — स — — —
दा रा रा रा दा रा रा रा दा रा रा रा दा रा रा रा
नि़ — — — स — — — नि़ — — — प़ — — —
दा रा रा रा दा रा रा रा दा रा रा रा दा रा रा रा
मं़ — — — प़ — — — नि़ — — — स — — —
दा रा रा रा दा रा रा रा दा रा रा रा दा रा रा रा
मं — — ग — — रे — स — रे — — — स —
दा रा रा दा रा रा दा रा दा रा दा रा रा रा दा रा

नि - - स	- - ग॒ -	म॑ - - -	प - - -
दा रा रा दा	रा रा दा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
नि - - -	ध - - -	प - - -	प - - -
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
नि - - -	स - - -	म॑ - ग॒ -	रे - स -
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा दा रा	दा रा दा रा
रें - रे -	- - स -	म - - -	नि - स -
दा रा दा रा	रा रा दा रा	दा रा दा रा	दा रा दा रा
नि - - -	ध - - -	प - - -	प - - -
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
नि - नि म	- म नि -	ध - ध प	- प म॑ -
दा रा दा दा	रा दा दा रा	दा रा दा दा	रा दा दा रा
ग॒ - ग॒ रे	- रे म -	रे - - -	स - - -
दा रा दा दा	रा दा दा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
नि - - -	म - - -	ग॒ - - -	म॑ - - -
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
- ग॒ रे म	रे म - ग॒	रे म रे म	- ग॒ रे स
ऽ दा दा रा	दा रा ऽ दा	दा रा दा रा	ऽ दा दा रा

राग-सोहनी

तीवर म कोमल रिषभ, पंचम र्वाजत होइ ।
ध ग वादी संवादी तें, राग सोहनी होइ ।।

थाट—मारवा । जाति-षाडव-षाडव ।

र्वाजत स्वर—प । समय-रात्रि का अंतिम प्रहर ।

स्वर—रे कोमल, म तीव्र और शेष शुद्ध ।

वादी—ध । संवादी-ग ।

आरोह-सग, मं ध नि सं ।

अवरोह—सं रे सं, निध, ग, मंध, मंगरेस ।

पकड़—सं, निध, निध ग मं ध नि सं ।

विशेष—

मारवा थाट के रागों में इसका बहुत महत्व है। क्योंकि यह अपनी मधुरता के फलस्वरुप बहुत लोक प्रिय है। यह उत्तरांग प्रधान राग है। जैसा कि उत्तरांग रागों में तार षड़ज विश्रांति स्थान होता है। सोहनी में भी तार षड़ज विश्रांति स्थान है। साथ ही यह खूब चमकता है। इसका सम प्रकृति राग पूरिया है। लेकि पूरिया पूर्वांग प्रधान है। अतः चलन भेद से दोनों का स्पष्ट हो जाता है।

मोहनी के आरोह में रिषभ दुर्बल है । इसीलिये मध्य सप्तक में रिषभ का लंघन कर जाते हैं । तार सप्तक में इसका खूब प्रयोग होता है ।

सोहनी एक चंचल प्रकृति का अतीव रंजक राग है । इसमें गंभीरता व अधिक ठहराव नही है ।

सोहनी बजाते समय पंचम वाला तार गंधार से मिलाना चाहिये । क्योंकि पंचम वर्ज्य है और तीव्र मध्यम में मिलाने से मधुर सवाद नहीं बनता ।

विशेष स्वर संगतियाँ

१—मंरें, संरें निसं निध ।
२—निध, गमंध, मंगरेम ।
३—गमंधनिसं, रेंसं ।
४—गमंध, गमंग निधमंग ।

स्वरों का अध्ययन

स–सामान्य, तार सं विशेष ।

रे–दोनों प्रकार का अल्पत्व । ग–अभ्यास बहुत्व ।

मं–अनाभ्यास अल्पत्व । ध--अभ्यास बहुत्व ।

नि–अलंघन बहुत्व ।

आलाप

१—म, नि, निस, निध, मंध निस, ग, रेम, निसग, मंगरेस,
×
-निनिरे । स

२—निसग, मंग, धमंग, गमंध, मंग, निधमंग, गमंग, मंगरेस,
×
-निनिरे । स

३—गमंधनिसं, संरेंसं निध, गमंध, निध, मंध सं, निध, गमंध, गमंग,
×
मंगरेस, -निनिरे । स

४—मंधसं, रें, निस, गंरेंस, गमंगं, मंगंरेंस, सरेंनिसं, निध निध,
×
मंधमंग, मंगरेस, -निनिरे । स

विलंबित गत (ताल-रूपक)

स्थाई-

गमंधनि
दारादारा

×		१	२	×		१	
सं सं निध	।	मं ध	। मंग मंध	। ग मं	गग	। रे स	।
दा दा दारा	।	दा रा	। दारा दारा	। दा दा	दिर	। दा रा	।

२
ग गमंधनि
दा दारादारा

अंतरा

×	१	२	×	१	२
सं रें संसं ।	गं मं ।	गं रेंरें ।	सं नि धध ।	मं ध ।	मंग
दा दा दिर ।	दा रा ।	दा दिर ।	दा दा दिर ।	दा रा ।	दारा

तोड़े (सम से)

१—संनिनि धर्म ग,मंर्म । धग मं,गग । रेम गर्मधनि
दादिर दारा दादिर । दारा दादिर । दारा दारादारा

२—संमंनि धध,मं गग,मं । गरे,स निन,ग । गर्म,ध
दिर,दा दिर,दा दिर,दा । दिर,दा दिर,दा । दिर,दा

गर्मधनि । सं–धनि सं – –धनि । मं–धनि सं ।
दिरदिर । दाऽदिर दा ऽ ऽ दिर । दाऽदिर दा ।

—धनि मं–धनि
ऽऽदिर दाऽदिर

३—मं–नि ध–नि ध–मं । ग–मं ग–रे । म ग–मं
दाऽर दाऽर दाऽर । दाऽर दाऽर । दा दाऽर

ध–नि मं ग–मं । ध–नि मं । ग–मं ध–नि ।
दाऽर दा दाऽर । दाऽर दा । दाऽर दाऽर ।

तानें (सम से)

१—मंसंनिध निनिधर्म धधर्मग । मंमंगरे म–मंग ।
दारादारा दारादारा दारादारा । दारादारा दाऽदारा ।

सं,मंध सं,मंध
दा,दारा दा,दारा

२—संसंनिनि धधमंमं गगरेस । गमंधनि सं—मं ।
दारादारा दारादारा दारादारा । दारादारा दाऽऽदा ।
धनिसं— —मंधनि
दारादाऽ ऽदादारा

३—संरेंसंरें निसंनिध मंधमंग । मंगरेस निस—ग ।
दारादारा दारादारा दारादार । दारादारा दाराऽदा ।
मं—मंध —धनिनि । सं—निस —गमं— मंध—ध ।
राऽदारा ऽदादारा । दाऽदारा ऽदाराऽ दाराऽ–ा ।
निनिसं— निस—ग । मं—मंध —धनिनि
दारादाऽ दाराऽदा । राऽदारा ऽदादारा

४—संनिधनि धमंधमं गमंगमं । ग रेंस— निसगमं ।
दारादारा दारादारा दारादारा । दारादाऽ दारादारा ।
—ध—नि सं—ध । —निसं— —ध—नि सं-संनि
ऽदाऽदा दाऽऽदा । ऽदादाऽ ऽदा-दा दाऽदारा
धनिधमं धमंगमं । गमंगरे स-निस । गमं—ध
दारादारा दारादारा । दारादारा दाऽदारा । दाराऽदा
—निसं— -ध—नि । सं--ध -निसं- । संनिधनि धमंधमं ।
ऽदादाऽ ऽदाऽदा । दाऽऽदा ऽदादाऽ । दारादारा दारादारा ।

गमंगमं गरेस- निसगमं । -ध-नि सां--ध । –निसां-
दारादारा दारादाऽ दारादारा । ऽदाऽर्दा दाऽऽदा । ऽर्दादाऽ
-ध–नि
ऽदाऽर्दा

रज़ाखानी गत (तीन ताल)

निनि सांसां
दिर दिर

स्थाई

० ३ × २
नि निध -ध मं । ग मंमं ध नि | सां - नि ध । नि ध, गग मंमं
दा रदा ऽर दा । दा दिर दा रा । दा ऽ दा रा । दा रा, दिर दिर

ध धग -ग मं । ग गरे -रे स । निनि सस ग गमं । –मं ध,
दा रदा ऽर दा । दा रदा ऽर दा । दिर दिर दा दिर । ऽर दा,

अंतरा

× २ ० ३
सां - सां रें । नि सां नि ध । नि निमं -मं ग । मं धध नि सां
दा ऽ दा रा । दा रा दा रा । दा रदा ऽर दा । दा दिर दा रा

नि रेंरें गं मं । गं गंरें –रें सां । नि ध - ग । मं ध - मं
दा दिर दा रा । दा रदा ऽर दा । दा दा ऽ र्दा । दा दा ऽ र्दा

× २
ग गरे -रे स । मं ध,
दा रदा ऽर दा । दा रा,

तोड़े [सम से]

× २ ० ३
१—सं निनि ध र्म । - ग र्म ध । र्म गग रे स । - नि रे स ।
दा दिर दा रा । ऽ दा दा रा । दा दिर दा रा । ऽ दा दा रा ।

ग र्मर्म ध नि । सं - ग र्मर्म । ध नि सं – । ग र्मर्म ध नि
दा दिर दा रा । दा ऽ दा दिर । दा रा दा ऽ । दा दिर दा रा

× २ ० ३
२– – संसं नि ध । नि निध –ग र्म । – धध र्म ग । र्म गरे -रे स
ऽ दिर दा रा । दा रदा ऽर दा । ऽ दिर दा रा । दा रदा ऽर दा

ग गर्म –र्म ध । सं - ग गर्म । –र्म ध सं– । ग गर्म - र्म ध
दा रदा ऽर दा । दा ऽ दा रदा । ऽर दा दाऽ । दा रदा ऽर दा

तानें

० ३ ×
१– गर्म धध । र्मग रेस गर्म धनि । सं धनि सं धनि । सं
दारा दारा । दारा दारा दारा दारा । दा दारा दा दारा । दा

× २ ०
२— संरें र्मसं निसं निध । गर्म धर्म गरे स । गर्म धनि सं
दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दा । दारा दारा दा

३ ×
गर्म । धनि सं गर्म धनि । सं
दारा । दारा दा दारा दारा । दा

०　　　　　　　　३　　　　　　　　×

३ – संनि　धनि　धर्म　धर्म　।　गर्म　गर्म　गरे　स- । निस　ग-

दारा　दारा　दारा　दारा　।　दारा　दारा　दारा　दाऽ　।　दारा　दाऽ

२　　　　　　　　०

मंध　-नि　।　सं　<<　निस　ग- ।　मंध　-नि　सं　<<

दादा　ऽर्दा　।　दा　रारा　दारा　दा ।　दादा　ऽर्दा　दा　रारा

३　　　　　　　　×

निस　ग-　मंध　-नि　।　सं

दारा　दा　दादा　ऽर्दा　।　दा

×　　　　　　　　२　　　　　　　　०

४ – रें　सरें　रेंसं　निसं । निनि　धनि　निध　मंध । धध　मंध　धर्म

दादा　रादा　दारा　दारा　।　दादा　रादा　दारा　दारा । दादा　रादा　दारा

३　　　　　　　　×

गर्म । गग　रेस　निरे　स　।　गर्म　धनि　सं　धनि　।

दारा । दारा　दारा　दारा　दा　।　दारा　दारा　दा　दारा　।

२　　　　　　　　०　　　　　　　　३

सं　<<　गर्म　धनि　।　सं　धनि　सं　<<　।　गर्म

दा　रारा　दारा　दारा　।　दा　दारा　दा　रारा　।　दारा

×

धनि　सं　धनि　।　सं

दारा　दा　दारा　।　दा

झाला

					३			
संसं	संसं	रे॒ंरे॒ं	रे॒ंरे॒ं	।	संसं	संसं	निनि	निनि
दिर	दिर	दिर	दिर	।	दिर	दिर	दिर	दिर

×	२	०	३
सं – – –	सं – – –	नि – – –	ध – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
नि – – –	ध – – –	ग – – –	म॑ – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
ध – – ग	– – म॑ –	ग – – रे॒	– – स –
दा रा रा दा	रा रा दा रा	दा रा रा दा	रा रा दा रा
नि़ – – –	स – – –	ग – – –	ग – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
म॑ – – –	ग – – –	रे॒ – – –	स – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
नि़ – – स	– – ग –	ग – – म॑	– – ध –
दा रा रा दा	रा रा दा रा	दा रा रा दा	रा रा दा रा
ध – – –	नि – – –	सं – – –	सं – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
रे॒ं – रे॒ं –	– – सं –	मं – – –	नि – सं –
दा रा दा रा	रा रा दा रा	दा रा रा रा	दा रा दा रा
गं – गं –	– – म॑ं –	म॑ं – – –	गं – – –
दा रा दा रा	रा रा दा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा

×	२	०	३
रें — — —	रें — — —	सं — — —	सं — — —
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
सं रें सं रें	नि सं नि सं	नि ध नि ध	मं ध मं ग
दा रा दा रा	दा रा दा रा	दा रा दा रा	दा रा दा रा
— मं — ध	सं — — मं	— ध सं —	— मं — ध
ऽ दा ऽ दा	दा ऽ ऽ दा	ऽ दा दा ऽ	ऽ रा ऽ दा

द्वितीय-अध्याय

राग गौड़सारंग

तीवर सव मध्यम दोऊ, ग ध संवाद काल मध्याह्न ।
कल्याण थाट वक्र संपूरन, गौड़सारग राग कर ध्यान ॥

संक्षिप्त विवरण—

थाट—कल्याण ।   जाति—वक्र सम्पूर्ण ।

स्वर—दोनों मध्यम, शेष शुद्ध ।

वादी—ग । सम्वादी—ध । विवादी स्वर—कोमल नि ।

समय—दिन के लगभग १२ बजे ।

आरोह—स, गरेमग, प मं धप, निध, सं ।

अवरोह—सं ध, नि प, ध मं प, ग, म रे, प, रे स ।

पकड़—स, ग रे म ग, प रे स ।

विशेष—

गौड़सारङ्ग नाम से ऐसा मालूम होता है कि यह दो रागों के मिश्रण से बना है। इस राग में गौड का अस्तित्व तो पर्याप्त मात्रा में है, लेकिन सारङ्ग की छाया नाम मात्र को आती है ।

यथा—अवरोह के अंत में ' म रे प रे स' ।

यह कल्याण थाट के दो मध्यम लगने वाले रागों में से एक है। अतः उस वर्ग के रागों की सभी विशेषताएँ इसमें विद्यमान हैं। यथा—आरोह में निषाद वक्र और अल्प है। अवरोह में गंधार वक्र है। तीव्र मध्यम का प्रयोग शुद्ध मध्यम से कम होता है। जब भी प्रयोग होगा, पञ्चम के साथ आरोहात्मक रूप में होगा। शुद्ध मध्यम आरोह–अवरोह दोनों में प्रयुक्त होता है। कोमल निषाद का प्रयोग विवादी स्वर के नाते अवरोह में होता है।

तीव्र मध्यम थाट वाचक स्वर है। शुद्ध मध्यम की अधिकता को देखकर कुछ लोग इसे बिलावल थाट का मानते हैं। इसमें प रे की स्वर सङ्गति खूब होती है।

वादी स्वर गंधार होने के नाते इसे पूर्वाङ्गवादी राग कहा जाएगा और इसके अनुसार इसको गाने–बजाने का समय मध्याह्न नहीं होना चाहिए। इस स्थिति में धैवत वादी और ग सम्वादी माना जाए तो उचित होगा। शायद गौड़सारङ्ग नाम होने के कारण इसका समम सारङ्ग के समय पर ही रखा गया है।

इसकी चलन अत्यन्त वक्र है। तानों में इसकी वक्रता निभाना मुश्किल होता है। अतः राग को स्पष्ट करने के लिए यथास्थान 'गरेमग, परेस' आदि रागवाचक टुकड़े जोड़ दिए जाते हैं।

ास के स्वर—स; ग और प ।

विशेष स्वर संगतियाँ

१—स, ग रे म ग । २—प रे स ।

३—पपसं, रेंसं, धनिप ४—रेग रेमग, पऽरेस ।

स्वरों का अध्ययन

स—सामान्य । रे—अनाभ्यास अल्पत्व ।

ग—अभ्यास बहुत्व । म—अनाभ्यास अल्पत्व ।

प—अलङ्घन बहुत्व । ध—अलङ्घन बहुत्व ।

नि—अनाभ्यास अल्पत्व ।

आलाप

१- स, धनिध, पध, मप, निध, स, रेनिस, गरेमग, प,

रेस, -सनिरे । स

२- ग, मरेस, ग रे म ग, सनि, रेस, रेगरेमग, प, ध मप,

गमगरेमग, प-रेस, -सनिरे । स

३—ग, रेमग, प, धमप, धनिप, धमप, रेगरेमग, पमधप,

संनिधप, धमप, गरेमग, परेस; -सनिरे । स

४- प प सं, रें सं, गंरेंमंगं, पं-रें सं, संनि, रेंसं, धनिप,

धमप, गमरेगरेमग, प-रेस, सनिरे । स

मसीतखानी गत (तीन ताल)

पप
दिर

स्थाई—

३ × २ ०

रे सस रे -नि़-स । ग रे म गग । प मंमं ध प । गम रे स, गग
दा दिर दा ऽदाऽर्दा । दा दा रा दिर । दा दिर रा दा । दाऽ दा रा, दिर

अंतरा

म पप ध प । सं रें सं धध । नि पप़ म ग । म रे स
दा दिर दा रा । दा दा रा दिर । दा दिर दा रा । दा दा रा

रज़ाखानी गत (तीन ताल)

स्थाई–

० ३ × २

ग मम रे स । – रे नि़ स । ग रे म ग । – – – प
दा दिर दा रा । ऽ दा रा रा । दा रा दा रा । ऽ ऽ ऽ दा

ग मम रे स । – रे नि़ स । ग रे म ग । प मं ध प
दा दिर दा रा । ऽ दा दा रा । दा रा दा रा । दा रा दा रा

ग मम धध पप । म मरे –रे स । नि रेरे स ध़ । नि़ प़ मं़ प़
दा दिर दिर दिर । दा रदा ऽर दा । दा दिर दा रा । दा रा दा रा

नि़ नि़ध़ -ध़ स । - रे नि़ स । ग रे म ग । प - रे स
दा रदा ऽर दा । ऽ दा दा रा । दा रा दा रा । दा ऽ दा रा

अंतरा

प धध र्म प । सं – नि सं । गं रें मं गं । पं – रें सं
दा दिर दा रा । दा ऽ दा रा । दा रा दा रा । दा ऽ दा रा

ध नि – प । ध – र्म प । ग़ रे म ग । प – रे स
दा र्दा ऽ र्दा । दा ऽ र्दा दा । दा रा दा रा । दा ऽ दा रा

तोड़े (सम से)

१—नि़ सस ग रे । म गग प र्म । ध पप नि ध । सं रेंरें सं –
दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा दिर दा ऽ

प धध र्म प । ग – प धध । र्म प ग – । प धध र्म प
दा दिर दा रा । दा ऽ दा दिर । दा रा दा ऽ । दा दिर दा रा

२—प़ ध़ध़ म़ प़ । स – प धध । र्म प सं – । गं रेंरें मं गं
दा दिर दा रा । दा ऽ दा दिर । दा रा दा ऽ । दा दिर दा रा

पं – रें सं । नि सं – ध । नि – प ध । – र्म प –
दा ऽ दा रा । दा दा ऽ र्दा । दा ऽ र्दा दा । ऽ र्दा दा ऽ

रे स – रे । नि़ स ग – । रे नि़ स ग । - रे नि़ स
र्दा दा ऽ दा । दा रा दा ऽ । दा दा रा दा । ऽ दा दा रा

० ३
१– सरे नि़स गरे मग । पर्म धप गम रेस
दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दारा

```
    ०                          ३
२– संसं  रेंरें  संनि  धप  ।  मम  रेस  सरे  नि़स
   दारा दारा  दारा  दारा  ।  दारा दारा दारा  दारा
    ×                        २
३– पध  मंप  गम  गरे  ।  मग  प-  रे-  स-
   दारा दारा दारा दारा  । दारा  दा  दा  रा
    ०                          ३                          ×
   -रे  नि़स  ग  –रे  ।  नि़स  ग  -रे  नि़म  ।  ग
   ऽदा  दारा  दा  ऽदा  ।  दारा  दा  ऽदा  दारा  ।  दा
    ×                      २
४– सरे  सस  गरे  मग ।  पमं  धप  गरे  मग । पध मंप निसं
   दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा
     ३                      ×                        २
  रेंस गंरें  मंगं पं- रेंसं  । निसं धनि पध मंप । गम  गरे  मग प
  दारा दारा  दारा  दाऽ  दारा । दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दा
    ०                        ३                        ×
   रेग  रेम  ग  रेग  ।  रेम  ग  रेग  रेम  ।  ग
   दारा दारा दा  दारा ।  दारा  दा दारा दारा  ।  दा
```

झाला

```
  ०                                ३
  गग    गग    रेरे    रेरे   ।   मम   मम   गग   गग
  दिर   दिर   दिर    दिर   ।   दिर   दिर   दिर   दिर
  ×           २           ०             ३
  प – – –    प – – –    रे – – –     स – – –
  दा रा रा रा  दा रा रा रा  दा रा रा रा   दा रा रा रा
  स – – –    ध़ – – –    नि़ – – –     प़ – – –
  दा रा रा रा  दा रा रा रा  दा रा रा रा   दा रा रा रा
```

×	२	०	३
ध़ – – –	ध़ – – –	म़ – – –	ध़ – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
स – – –	नि़ – – –	रे – – –	स – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
ग – – –	रे – – –	म – – –	ग – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
प – – रे	– – स –	नि़ – रे –	स – – –
दा रा रा दा	रा रा दा रा	दा रा दा रा	दा रा रा रा
ग – – –	रे – – –	म – – –	– – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
प – – –	मं – – –	ध – – –	प – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
प – प –	– – मं –	सं – – –	रें – सं –
दा रा दा रा	रा रा दा रा	दा रा रा रा	दा रा दा रा
गं – – –	रें – – –	मं – – –	गं – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
पं – – –	रें – – –	सं – – –	सं – – –
दा रा रा रा	दा रा रा ग	दा रा रा रा	दा रा रा रा
नि सं ध नि	प ध मं प	ग रे मं ग	प – रे म
दा रा दा रा	दा रा दा रा	दा रा दा रा	दा ऽ दा रा
स रे नि़ स	ग – स रे	नि़ स ग –	स रे नि़ स
दा रा दा रा	दा ऽ दा रा	दा रा दा ऽ	दा रा दा रा

राग-रामकली

रिध कोमल संवाद परि, दोऊ मनि लगि जाँय ।
भैरव थाट प्रातः समय, रामकली गुणी गांय ॥

संक्षिप्त विवरण—

थाट—भैरव । जाति–सम्पूर्ण संपूर्ण ।

स्वर—दोनों मध्यम, दोनों निषाद, रे ध कोमल, शेष शुद्ध ।

वादी—प और संवादी - रे ।

समय—प्रातः काल (संधि प्रकाश)

आरोह—स ग, मप, ध नि सं ।

अवरोह—सं नि ध प, मंग धनिधप, ग म रे म ।

पकड़—धप, मंप, धनिधप, गम रे स ।

विशेष—

प्राचीन ग्रंथकारों ने रामकली के, दो-तीन रूप बताये हैं । सर्वाधिक प्रचलित रूप ही ग्राह्य है । यह सम्पूर्ण जाति का है । इसकी चलन कुछ वक्रता लिये हुये है । इस रूप में दोनों मध्यम एवं दोनों निषाद का प्रयोग है । यह प्रयोग दो ढंग से ही होता है यथा–मंप, धनिधप, एवं गम निधप । इनके अतिरिक्त अन्यत्र तीव्र मध्यम और कोमल निषाद नहीं दिखाई देता । आजकल 'मंप धनिधप' इस टुकड़े का प्रयोग इतना बढ़ गया है कि इसके

बिना रामकली खिलता ही नही। वास्तव में इतनी क्रिया मात्र से ही रामकली स्पष्ट होती है। इस स्वर समुदाय के अतिरिक्त भैरव और रामकली में बहुत समानता हैं।

एक प्रकार से देखा जाय तो भैरव और रामकली में प्रर्याप्त समानता दिखाई देगा। लेकिन कुछ बातें ऐसी है जो इसे भैरव से अलग करतो हैं। उदाहरण के लिये–भैरव में रे और ध स्वर काफी आन्दोलित किये जाते है परन्तु रामकली में ये दोनों स्वर बहुत कम आन्दोलित होते है। रामकली में पंचम प्रबल है और भैरव में मध्यम। भैरव की चलन प्रायः मन्द्र या मध्य सप्तक की ओर अधिक है, जबकि रामकली की मध्य और तार सप्तक की ओर है। इनके अतिरिक्त तीव्र मध्यम का अल्प प्रयोग होने से भी रामकली भैरव से पृथक हो जाती है।

रामकली प्रातः कालीन संधिप्रकाश राग है। इसे भैरव के पहले गाया बजाया जाता है। शुद्ध मध्यम की प्रबलता और तीव्र मध्यम की अल्पता के कारण इसका समय प्रातः काल रखा गया है।

मतभेद—

'चंद्रिकासार' में ओड्वसम्पूर्ण जाति की रामकली का वर्णन है। कुछ लोग सम्पूर्ण जाति की ही मानकर भैरव से सिर्फ चलन में अन्तर दिखाते हैं। कुछ लोग इसमें दोनों गंधार दिखाते हैं जो कि नगन्य हैं। आजकल अधिकांश लोग उपरोक्त विवरण के अनुसार ही इसका स्वरूप मानते हैं।

इसके वादी-संवादी में भी मतभेद हैं। कोई ध मानता है कोई प। रामकली में पंचम का बहुत महत्व है अतः प वादी मानना उचित है। पंचम वादी मानने से स का संवादी मानना ठीक

होगा । इस तरह इसका प और स वादी-संवादी मानना चाहिए ।

स्वर संगतियाँ

(१) प, मंपधुनिधुप (२) गम,निधुप (३) मप, गम रेस
(४) गमप, मंप, धु – धु – प

स्वरों का अध्ययन

सा–सामान्य । रे–आरोह में अल्प, अवरोह में अलङ्घन बहुत्व । ग–अलङ्घन बहुत्व । म–अलङ्घन बहुत्व । तीव्र म– अल्प । प–दोनों प्रकार का बहुत्व । शुद्ध नी–अनाभ्यास अल्पत्व । कोमल नी–अल्प ।

आलाप

१—स, निस, धु, धुप, मंप, धुनिधुप, पधुप, रे रे स, गम रेप,
×
–धुधु रे । स

२—निस गमप, मंप, धुनिधुप, मप, गम निधुप, मप, मग, मरेस,
×
–धुधुरे । स

३—गमप, धुप, धुनिसं, संरें निसं, धुनिधुप, गमप, मंप, धु–धु–प,
×
गमरेस, –धुधुरे । स

४—गमप, धुनिसं, रेंरेंसं, गंमंरेंसं, गंमंपं, गंमंरेंसं, संनिधुप, मंपधुनिधुप
×
मप, मग, मरेस, - धुधुरे । स

मसीतखानी गत

स्थाई—

रेम
दिर

३ × २ ०
ग मम प -म प । ध ध प मप । ध निध प ग । म रे स, पप
दा दिर दा ऽदाऽर्दा । दा दा रा दिर । दा दिर दा रा । दा दा रा, दिर

अंतरा

म पप ध नि । सं रें सं गंम । रे सस नि धनि । धप ग म,
दा दिर दा रा । दा दा रा दिर । दा दिर दा राऽ । दारा दा रा,

रज़ाखानी गत (तीन ताल)

स्थाई

३ × २ ०
– ग – म । प – मं प । ध निनि धध पप । ग मरे -रे स
ऽ दा ऽ र्दा । दा ऽ दा रा । दा दिर दिर दिर । दा रदा ऽर दा

स रेरे नि स । ध नि ध प । स गग मम पप । ग मरे -रे स
दा दिर दा रा । दा रा दा रा । दा दिर दिर दिर । दा रदा ऽर दा

अंतरा

प – ग म । ध – नि सं । गं गंमं -मं रें । सं संनि -नि ध
दा ऽ दा रा । दा ऽ र्दा रा । दा रदा ऽर दा । दा रदा ऽर दा

स रेंरें सं नि । ध निनि ध प । ग मम पप गग । म मरे -रे स
दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा दिर दिर दिर । दा रदा ऽर दा

तोड़े (सम से)

१— नि़ सस ग म । प धुधु नि सं । सं निनि धु प । धु निनि धु प
दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा दिर दा रा

म पप ग म । प – म पप । ग म प – । म पप ग म
दा दिर दा रा । दा ऽ दा दिर । दा रा दा ऽ । दा दिर दा रा

२— – गग रे स । ग गम –म प । – मंमं प धु । नि निधु -धु प
ऽ दिर दा रा । दा रदा ऽर दा । ऽ दिर दा रा । दा रदा ऽर दा

ऽ धुधु नि सं । गं मंरें -रें सं । - निनि धु प । धु निधु -धु प
ऽ दिर दा रा । दा रदा ऽर दा । ऽ दिर दा रा । दा रदा ऽर दा

ऽ मंप ग म । ग गरे -रे स । गग मम प गग । मम प गग मम
ऽ दिर दा रा । दा रदा ऽर दा । दिर दिर दा दिर । दिर दा दिर दिर
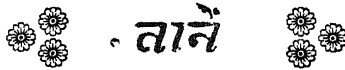
०   ३   ×
१— गम पग मरे स– । निस गम प प । प
दारा दारा दारा दा । दारा दारा दा दा । दा

०   ३   ×
२— गम रेस गम पधु । निसं निधु पम गम । प
दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दारा । दा

२   ०   ३   ×
३— धुनि धुप गम रेस । –ग -म प -ग । –म प –ग –म । प
दारा दारा दारा दारा । ऽदा ऽर्दा दा ऽदा । ऽर्दा दा ऽदा ऽर्दा । दा

×   २
४— पधु निसं निधु पधु । निधु पम गम रेग
दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दारा

०   ३   ×
निम गम प –स । गम प -स गम । प
दारा दारा दा ऽदा । दारा दा ऽदा दारा । दा

३   ×   २
५— निम गम प- गम । निधु पधु निसं रेंमं । गंमं रेंसं
दारा दारा दा दारा । दारा दारा दारा दारा । दारा दारा

०   ३
मंनि धुप । धुनि धुग गग रेप । निम गम –ग –म ।
दारा दारा । दारा दारा दारा दारा । दारा दारा ऽदा ऽर्दा ।

×   २   ०
प गम प –म । गम –ग –म प । गम प –स गम ।
दा दारा दा ऽदा । दारा ऽदा ऽर्दा दा । दारा दा ऽदा दारा ।

३   ×
–ग –म प गम । प
ऽदा ऽर्दा दा दारा । दा

झाला

०   ३
गग गग मम मम । रेरे रेरे सस सस
दिर दिर दिर दिर । दिर दिर दिर दिर

×   २   ०   ३
म – – – ग – – – म – – – प – – –
दा रा रा रा दा रा रा रा दा रा रा रा दा रा रा रा

×	२	०	३
ग – – –	म – – –	रे – – –	म – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
स – – –	नि – – –	ध – – –	प – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
ध – – –	नि – – –	ध – – –	प – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
प – – ध	– – स –	रे – – रे	– – स –
दा रा रा दा	रा रा दा रा	दा रा रा दा	रा रा दा रा
ग – – –	म – – –	रे – – –	स – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
ग – – –	म – – –	प – – –	मं – प –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा दा रा
ध – नि –	ध – प –	ग – म –	रे – स –
दा रा द रा	दा रा दा रा	दा रा दा रा	दा रा दा रा
ग – – –	– – प –	ध – – नि	– – सं –
दा रा रा दा	द रा दा रा	दा रा रा दा	रा रा दा रा
गं – – –	मं – – –	रें – – –	सं – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
सं रें सं रें	नि सं ध नि	ध प मं प	ग म रे स
दा रा दा रा	दा रा दा रा	दा रा दा रा	दा रा दा रा
नि स ग म	प – नि स	ग म प –	नि स ग म
दा रा दा रा	दा ऽ दा रा	दा रा दा ऽ	दा रा दा रा

राग कामोद

द्वै मध्यम तीखे सबहिं, उतरे वक्र ग होइ ।
प रि वादी संवादी जहां, कामोद कहो सोइ ।।

संक्षिप्त विवरण—

थाट—कल्याण । जाति—वक्र सम्पूर्ण ।

स्वर—दोनों मध्यम व शेष शुद्ध ।

वादी—प । सम्वादी–रे । समय—रात्रि का प्रथम प्रहर ।

आरोह—स रे प, म॑ प, धप, नि ध सं ।

अवरोह—संनिधप, म॑पधप, गमप, गमरेस ।

पकड़—रे, प, म॑पधप, गमप, गमरेस ।

विशेष—

यह राग कल्याण थाट के दोनों मध्यम लगने वाले रागों में से एक है । अतः इसमें उस वर्ग के रागों की सभी विशेषताएँ विद्यमान हैं । यथा–इसके आरोह में निषाद वक्र एवं अल्प है । अवरोह में गंधार का वक्र रूप से प्रयोग होता है । तीव्र मध्यम, जो कि थाट वाचक स्वर है, का प्रयोग सिर्फ आरोहात्मक रूप में अल्प मात्रा में होता है । शुद्ध मध्यम आरोह अवरोह दोनों में लिया जाता है तथा इसका प्रयोग अधिक है । तीव्र मध्यम सदैव

पञ्चम के साथ प्रयुक्त होता है। इस राग का स्वरूप आरोह में एवं पूर्वाङ्ग में स्पष्ट व्यक्त होता है। कोमल निषाद का प्रयोग विवादी स्वर के नाते होता है। कुछ लोग इसे शुद्ध मध्यम की प्रबलता के कारण बिलावल थाट का राग मानते हैं।

इस राग में रिषभ और पञ्चम की स्वर सङ्गति बहुत ही अच्छे ढङ्ग से की जाती है। रिषभ में मध्यम का कण लेकर मींड के साथ पञ्चम में जाते है। वास्तव में इस क्रिया मात्र से ही कामोद का स्वरूप खिल उठता है। इस राग की चीजें भी रे, प या म रे प से ही प्रारम्भ होती है, किन्तु रे प की क्रिया मल्हार में भी है। अतः मल्हार से बचने के लिए तुरन्त ही तीव्र मध्यम का प्रयोग करना चाहिए। इस प्रकार कामोद का मुख्य रूप निम्नाङ्कित है:—

म   म   म
रे, प, मंपधप, गमप, गम रे स, रे प।

यह स्वर समुदाय राग कामोद का बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस राग में अंतरे की उठान प्रायः 'पपसं, संरेंसं' इस टुकड़े से होती है।

इसके निकटवर्ती राग छायानट, केदार और हमीर आदि हैं; परन्तु प्रत्येक के आरोह के विशिष्ट विन्यास हैं, जिनके आधार पर सरलता से हम एक दूसरे को पृथक कर सकते हैं। इसके न्यास के स्वर स, रे और प हैं।

स्वर संगतियां—

१— स, रे^म^ प
२— गमप, गमरेस ।
३— म रे प, मंपधप
४— गपस, रेस, ध–प ।

स्वरों का अध्ययन

स— सामान्य ।
रे— दोनो प्रकार का बहुत्व ।
ग— दोनो प्रकार का अल्पत्व ।
म— अनाभ्यास अल्पत्व ।
प— दोनो पकार का बहुत्व ।
ध— अलङ्घन बहुत्व ।
नि— दोनो प्रकार का अल्पत्व ।

आलाप

१- स, रे स, रे^म^ प, गमप, गमरेस, धनिप, मंपधप, निध, स, रे^म^ प, गमप, गमरेस, -ससरे । स

२- स, रे^म^ प, मंपधप, गमप, गमरेस, मरेप, मंपधप, धमंप, निधप, गमप, गमरेस, -ससरे । स

३- पप, सं, सरेंस, धनिप, निध सं, सनिधप, मंपधप, गमप, गमरेस, -ससरे । स

४- प, मंपधप, निध सं, संरेंसं, मंरेंपं, गंमंपं, गंमंरेंस, स, धनिप, धमंप, गमप, गमरेस, -ससरे । स

मसीतखानी गत

सस

स्थाई— दिर

म३ × २ ०

रे पप मं,पप धध । प प प मंप । ग मम प ग । प रे स

दा दिर दा,दारा दारा । दा दा रा दिर । दा दिर दा रा । दा दा रा,

अंतरा

पप

३ × २ ० दिर

सं रेंरें सं गंमं । रें रें सं धनि । प मंप ध प । गम रे स,

दा दिर दा राऽ । दा दा रा दिर । दा दिर दा रा । दाऽ दा रा,

रज़ाखानी गत (तीन ताल)

स्थाई—

× २ ० ३

रे -रे प । मं पप धध पप । ग गम -म प । ग मम रे स

द्रा ऽ र्दा रा । दा दिर दिर दिर । दा रदा ऽर दा । दा दिर दा रा

स रेंरे स ध़ । प़ सस रे स । ग मम पप गग । म मरे -रे स

दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा दिर दिर दिर । दा रदा ऽर दा

अंतरा

× २ ० ३

प - सं सं । रें रेंरें सं सं । गं गंमं -मं पं । गं मंमं रें सं

दा ऽ र्दा रा । दा दिर दा रा । दा रदा ऽर दा । दा दिर दा रा

सं रेंरें सं नि । ध पध मं प । ग मम पप गग । म मरे -रे स

दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा दिर दिर दिर । दा रदा ऽर दा

तोड़े [सम से]

१—स मम रे प । ग मम रे स । म रेरे प प । ध पप र्म प
दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा दिर दा रा
सं निनि ध प । र्म पप ध प । ग मम प प । ग मम रे स
दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा दिर दा रा

२—स मम रे प । – र्म प सं । सं निनि ध प । – ध र्म प
दा दिर दा रा । ऽ दा दा रा । दा दिर दा रा । ऽ दा दा रा
ग मम प ग । म मरे -रे स । म मरे –रे स । म मरे रे स
दा दिर दा रा । दा रदा ऽर दा । दा रदा ऽर दा । दा रदा ऽर दा

तानें

	०				३				×
१—	सम	रेप	र्मप	धप	गम	पग	मरे	स	रे
	दारा	दारा	दारा	दारा	दारा	दारा	दारा	दा	दा

	०			३				×
२—	संनि	धप	र्मप	गम	पप	गम	रेस	रे
	दारा	दारा	दारा	दारा	दारा	दारा	दारा	दा

	×				२				०	
३—	सम	रेप	र्मप	धप	संनि	धप	गम	पप	गम	रेस
	दारा	दारा	दारा	दारा	दारा	दारा	दारा	दारा	दारा	दारा

		३				×
रे	–म	रेस	रे	–म	रेस	रे
दा	ऽर्दा	दारा	दा	ऽर्दा	दारा	दा

×
४—सरे सस रेरे पप । मंप धप गम रेस । रेरे पप
दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दारा । दारा दारा
मंप धप । संनि धप मंप धप । गम पप गम रेस ।
दारा दारा । दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दारा ।
रे प गम पप । गम रेस रे प । गम पप गम रेस
दा रा दारा दारा । दारा दारा दा रा । दारा दारा दारा दारा

चक्करदार—

संनि धप मंप धप गम रेस रे -स रे -स रे
दारा दारा दारा दारा दारा दारा .दा ऽर्दा दा ऽर्दा दा

उपरोक्त तान को सम से हूबहू तीन बार बजाएं।

झाला

०   ३
गग मम पप पप । गग मम रेरे सस
दिर दिर दिर दिर । दिर दिर दिर दिर

× २ ० ३
स — — — स — — — रे — — — स — — —
दा रा रा रा दा रा रा रा दा रा रा रा दा रा रा रा
म — — — रे — — — प — — — प — — —
दा रा रा रा दा रा रा रा दा रा रा रा दा रा रा रा
मं — — — प — — — ध — — — प — — —
दा रा रा रा दा रा रा रा दा रा रा रा दा रा रा रा
ग — — म — — प — ग — म — रे — स —
दा रा रा दा रा रा दा रा दा रा दा रा दा रा दा रा
स — — — ध़ — — — नि़ — — — प़ — — —
दा रा रा रा दा रा रा रा दा रा रा रा दा रा रा रा

×	२	०	३
प्र – – प्र	– – स –	रे – – रे	– – स –
दा रा रा दा	रा रा दा रा	दा रा रा दा	रा रा दा रा
रे – – –	रे – – –	प – – –	प – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
र्म – – –	प – – –	ध – – –	प – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
नि – नि –	– – ध –	ध – – –	सं – – –
दा रा दा रा	रा रा दा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
गं – – –	मं – – –	पं – – –	पं – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
गं – – –	म – – –	रे – – –	सं – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
सं नि ध प	र्म प ध प	ग म प प	ग म रे स
दा रा दा रा	दा रा दा रा	दा रा दा रा	दा रा दा रा
ग म रे स	रे – ग म	रे स रे –	ग म रे स
दा रा दा रा	दा ऽ दा रा	दा रा दा ऽ	दा रा दा रा

राग-बहार

कोमल ग और निषाद द्वै, आरोह रे, अवरोह ध टार ।
मध्यरात्रि संवाद म स, काफी थाट, है राग बहार ॥

संक्षिप्त विवरण—

थाट—काफी । जाति—षाडव-षाडव ।

स्वर—ग कोमल, दोनों निषाद और शेष शुद्ध स्वर ।

वर्जित स्वर—आरोह में रे और अवरोह में ध ।

वादी—म । सम्वादी—स ।

समय—मध्य रात्रि, बसन्त ऋतु में हर समय ।

आरोह—नि स, गम, प गम, धनि सं ।

अवरोह—सं, निप, मप, गम, रेस ।

पकड़—मप, गम, धनिसं ।

विशेष—

विद्वानों के मतानुसार राग बहार की रचना बागेश्वरी, अड़ाना और मियाँ मल्हार के मेल से हुई है । अतः इस राग में तीनों के अङ्ग विद्यमान हैं । यथा—'गमध' इस स्वर समुदाय से बागेश्री का भान होता है । उसी तरह अड़ाना की झलक 'निसरेंसं, मंमंरेंसं' तथा 'मप,गमरेस' इन स्वर समुदायों में मिलती है । 'नि धनि –

सं, सं नि प' ये टुकडे मियाँ मल्हार की छाया दिखाते हैं । इस तरह इसमें तीनों का मिश्रण माना जा सकता है ।

यह आग उत्तराङ्ग प्रधान है । अतः इसकी चलन तार सप्तक की ओर अधिक है । आरोह में पञ्चम वक्र है । जैसे—'मपगम' उसी तरह अवरोह में गंधार भी वक्र है । इसलिए इसमें 'गरेस' न लेकर 'गमरेस' ही लेते हैं ।

बहार में स म और' म ध की खूब सङ्गति होती है । मध्यम से धैवत में जाते समय प्रायः कोमल निषाद का कण लेते हैं । अवरोह में पञ्चम से गंधार पर आते समय गंधार में मध्यम का कण लेते हैं ।

यह चचल प्रकृति का राग है । बसन्त ऋतु में इसे हर समय गा—बजा सकते हैं । यह राग बहुत ही मधुर और लोकप्रिय है । इसीलिए इसके मिश्रण से अन्य कई राग बनाए गए हैं । यथा—बसन्त बहार व भैरव बहार आदि ।

स्वर संगतियाँ

१– स म, मप गम २– गम, निधनिसं ।

३– संनिप, मप, गम । ४– मप, गमरेस ।

स्वरों का अध्ययन

स– सामान्य । रे– आरोह में लङ्घन अल्पत्व और अवरोह में अनाभ्यास अल्पत्व । ग– दोनों प्रकार का अल्पत्व ।

म– अभ्यास बहुत्व । प– दोनों प्रकार का बहुत्व ।

ध– आरोह में अलङ्घन बहुत्व और अवरोह में लङ्घन अल्पत्व ।

नि– अलङ्घन बहुत्व ।

आलाप

१- स, रेस, नि़धनि़स, गुम, रेस, सम, मप, गुम, रेस,

रे निस, –नि़धनि़ । स

२- स, म, मप, गुम, प गुम, गुमध, निप, मप, गुम, पगम,

रेस, –नि़धनि़ । स

३- नि़सगुमप, गुम, निधनिप, मप, गुम, निधनिसं, निप,

मप, गुमरेस, –नि़धनि़ । स

४- गुमधनिसं, रेंसं, मंमंरेंसं, गुमंपं, गुंमंरेंसं, संनिप, मप,

गुऽ गुम रेस, –नि़धनि़ । स

मसीतखानी गत (तीन ताल)

स्थाई—

निसं
दिर

३				×				२				०	
नि	पप	म,पप	गुम ।	ध	नि	सं	रेंरें ।	सं	निप	म	प ।	गुम	रेस,
दा	दिर	दा,दारा	दारा ।	दा	दा	दा	दिर ।	दा	दिर	दा	रा ।	दाऽ	दारा,

अंतरा

मम
दिर

३ × २ ०

ग॒ मम ध नि । सं रे सं मंमं । रे ससं नि॒ प । ग॒म रेस
दा दिर दा रा । दा दा रा दिर । दा दिर दा रा । दाऽ दारा

रजाखानी गत (तीन ताल)

स्थाई—

निनि संसं
दिर दिर

० ३ × २

नि॒ नि॒प –प म । प ग॒ – म । म नि॒ध – ध । नि स, निनि सस
दा रदा ऽर दा । दा दा ऽ र्दा । दा दाऽ ऽ र्दा । दा रा, दिर दिर

नि॒ नि॒प –प म । प ग॒ – म । म नि॒ध – ध । नि – सं –
दा रदा ऽर दा । दा दा ऽ र्दा । दा दाऽ ऽ र्दा । दा ऽ रा ऽ

नि संसं रेरे संसं । नि॒ पप म प । नि॒ ग॒ - म । रे रे स स
दा दिर दिर दिर । दा दिर दा रा । दा दा ऽ र्दा । दा रा दा रा

स म - मम । प पग॒ -ग॒ म । ध निनि सं रें । नि स, निनि संसं
दा रा ऽ दिर । दा रदा ऽर दा । दा दिर दा रा । दा रा, दिर दिर

अंतरा

× २ ० ३

म - प प । ग॒ म ध नि । सं - नि सं । रे रेंनि -नि सं
दा ऽ दा रा । दा रा दा रा । दा ऽ र्दा रा । दा रदा ऽर दा
सं संग॒ं -ग॒ं मं । रे रें सं सं । नि संसं रेंरें संसं । नि॒ पप म प
दा रदा ऽर दा । दा रा दा रा । दा दिर दिर दिर । दा दिर दा रा

ग – ग म । रे रे स स । स म – मम । प पग –ग म
दा ऽ दा रा । दा रा दा रा । दा रा ऽ दिर । दा रदा ऽर दा

ध निनि सं रें । नि सं,
दा दिर दा रा । दा रा,

तोड़े (सम से)

१ नि़ सस म म । रे सस नि़ स । ग मम नि प ।
दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा दिर दा रा ।

म पप ग म । रे सस नि़ स । म - रे सस । नि़ स म –
दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा ऽ दा दिर । दा रा दा ऽ

रे सस नि़ स ।
दा दिर दा रा ।

२- - धध नि सं । - रेंरें नि सं । - मंमं रें सं । - निध नि प
ऽ दिर दा रा । ऽ दिर दा रा । ऽ दिर दा रा । ऽ दिर दा रा

– मम प ग । म – – मम । प ग म – । – मम प ग
ऽ दिर दा रा । दा ऽ ऽ दिर । दा रा दा ऽ । ऽ दिर दा रा

० ३
१– संसं निनि । पप मप गम रेस । निस गम प गम ।
दारा दारा । दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दा दारा ।

×　　　　　　　　２

२– धनि संरें निसं निध । निप मप गम रेस ।

दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दारा ।

०　　　　　　　　३　　　　　　　×

–नि सग म –नि । सग म –नि सग । म

ऽदा दारा दा ऽदा । दारा दा ऽदा दारा । दा

×　　　　　　　　२

३– मप गम निध निसं । निप मप गम रेस

दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दारा

०　　　　　　　　३　　　　　　　×

–नि –स म –नि । –स म –नि –स । म

ऽदा ऽर्दा दा ऽदा । ऽर्दा दा ऽदा ऽर्दा । दा

×　　　　　　　　२　　　　　　　०

४– निस गम पम गम । निध निप मप गम । धनि संरें

दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दारा । दारा दारा

　　　　३　　　　　　　×

निसं निध । निप मप गम रेस । निस गम प गम ।

दारा दारा । दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दा दारा ।

नि२　　　　　०　नि　　　　३

ध – निस गम । प गम ध – । निस गम प गम

दा ऽ दारा दारा । दा दारा दा ऽ । दारा दारा दा दारा

चक्करदार—

५– निप मप गम रेस मप –ग म –ग म –ग म

दारा दारा दारा दारा दारा ऽदा दा ऽदा दा ऽदा दा

उपरोक्त तान को सम से हूबहू तीन बार बजाएँ ।

झाला

०					३			
निनि	निनि	धध	धध	।	निनि	निनि	संसं	संसं
दिर	दिर	दिर	दिर	।	दिर	दिर	दिर	दिर

×	२	०	३
सं – – –	सं – – –	सं – – –	सं – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
नि – – –	प – – –	म – – –	प – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
ग – – –	म – – –	रे – – –	स – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
स – – म	– – म –	प – – ग	– – म –
दा रा रा दा	रा रा दा रा	दा रा रा दा	रा रा दा रा
नि – – –	ध – – –	नि – – –	प – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
म – म –	– – प –	प – – –	ग – म –
दा रा दा रा	रा रा दा रा	दा रा रा रा	दा रा दा रा
रे – स –	नि – स –	स – – –	म – – –
दा रा दा रा	दा रा दा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
म – – –	प – – –	ग – – –	म – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
नि – – –	ध – – –	नि – – –	सं – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा

×	२	०	३
ध – – नि	– – सं –	रें – – नि	– – सं –
दा रा रा दा	रा रा दा रा	दा रा रा दा	रा रा दा रा
ग॒ं – – –	मं – – –	रें – – –	सं – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
मं मं रें सं	नि़ सं नि॒ ध	नि॒ प म प	ग॒ म रे स
दा रा दा रा	दा रा दा रा	दा रा दा रा	दा रा दा रा
नि़ स ग॒ म	प – ग॒ म	नि॒ – ध –	नि़ स ग म
दा रा दा रा	दा ऽ दा रा	दा ऽ रा ऽ	दा रा दा रा
प – ग॒ म	नि॒ – ध –	नि़ स ग॒ म	प – ग॒ म
दा ऽ दा रा	दा ऽ रा ऽ	दा रा दा रा	दा ऽ दा रा

राग छायानट

द्वै मध्यम तीवर सबहिं, प रे स्वर संवाद ।
छायानट कामोद सम, राखत कल्याण थाट ।।

संक्षिप्त विवरण—

थाट—कल्याण । स्वर—दोनों मध्यम, शेष शुद्ध ।
वादी—प । सम्वादी—रे । कोमल नि—विवादी स्वर ।
समय—रात्रि का प्रथम प्रहर । जाति—सम्पूर्ण–सम्पूर्ण ।
आरोह—स, रे; गमप, निध, सं ।
अवरोह—संनिधप, मंपधप, गमरेस ।
पकड़—प, रे, गमप, मग, मरेस ।

विशेष—

छायानट कल्याण थाट के उन रागों में से है, जिनमें दोनों मध्यम का प्रयोग होता है । अतः इसमें उस वर्ग के रागों की सभी विशेषताएं विद्यमान हैं। यथा–

शुद्ध मध्यम का प्रयोग तीव्र मध्यम से अधिक है। इसीलिए कुछ लोग इसे बिलावल थाट के अंतर्गत मानते थे। इसकी चलन यमन के समान है और तीव्र मध्यम का भी प्रयोग है। इस दृष्टि से इसे आजकल कल्याण थाट के अंतर्गत मानते हैं। तीव्र मध्यम

थाट वाचक स्वर है। इसका प्रयोग सदैव आरोहात्मक ढङ्ग से पञ्चम के साथ ही होता है। शुद्ध मध्यम का प्रयोग आरोह-अवरोह दोनो में होता है। कोमल निषाद का प्रयोग विवादी स्वर के नाते किया जाता है। आरोह में निषाद वक्र एव अल्प है। अवरोह में गंधार वक्र है। यह राग आरोह में एवं पूर्वाङ्ग मे स्पष्ट व्यक्त होता है।

छायानट अपने ही वर्ग के राग कामोद से बहुत साम्य रखता है। दोनों ही रागों में उपरोक्त विशेषताएँ हैं। दोनों का वादी स्वर प और संवादी रे है। अंतर कुछ स्वर सङ्गतियों में है। जैसे कि छायानट में कामोद की भांति रे-प की स्वर सङ्गति नही होती। इसमें प-रे की स्वर सङ्गति होती है। प-रे की स्वर-सङ्गति जयजयवन्ती में भी है, लेकिन यह प्रयोग एक ही सप्तक में नही है जैसा कि छायानट में होता है। जयजयवन्ती में दोनो स्वर भिन्न-भिन्न सप्तक के होते है। यथा-प़-रे या प-रे।

छायानट में कोमल निषाद का प्रयोग कुछ अधिक होने लगा है। ऐसा नहीं मालूम होता कि विवादी स्वर है। यह उसका अनिवार्य स्वर सा बना हुआ है। यह दो ढङ्ग से प्रयुक्त होता है। यथा-सं, ध<u>नि</u>प एवं रेग म, <u>नि</u>ध़प। इस तरह कोमल निषाद के प्रयोग से छायानट का वैचित्र्य बढ़ जाता है।

विशेष स्वर संगतियाँ

१- सरेऽरेगऽगमऽम (प) रे, स रे स।

२- रेगम, निधप, रे ।

३- पप, सांसां, रेंऽसां, धपरे ।

४- स, ध ध प, परे, रेगमप, गमरेस ।

स्वरों का अध्ययन

स– सामान्य । रे–दोनों प्रकार का बहुत्व ।

ग– अलङ्घन बहुत्व । म– अलङ्घन बहुत्व ।

मं– अनाभ्यास अल्पत्व । प– दोनों प्रकार का बहुत्व ।

ध– आरोह में लङ्घन अल्पत्व और अवरोह में अलङ्घन बहुत्व ।

नि– अनाभ्यास अल्पत्व ।

आलाप

१– स, स, रेस, ध़नि़प़, स, रेस, रेगऽगमऽरेऽस, -ससरे । स

२– स; रेगऽगमऽमप, परे, सरेस, धध, प, रे, रेग, गमरेस,

-ससरे । स

३– स, रेगमप, रेग, मनिधप, पधमंप, रेगमप, गमनिधप,

परे, रेग, गमरेस, -ससरे । स

४– पपसं, रेंसं, गंमंरेंसं, रेंगंमंपं, गंमंरेंसं, संधनिप, धमंप,

रेगमनिधप, रेगऽगमऽमपऽरे स, -ससरे । स

मसीतखानी गत

स्थाई—

पसा
दिर

३ × २ ०

ध पप रे गम । प रे स धनि । प़ सस रे स । गम रे स, रेग
दा दिर दा दारा । दा दा रा दिर । दा दिर दा रा । दाऽ दा रा, दिर

अंतरा

३ × २ ०

म निध प मंग । सा रे सं निध । प रेरे ग म । प गम रेग
दा दिर दा दारा । दा दा रा दिर । दा दिर दा रा । दा दाऽ दारा

रज़ाखानी गत (तीन ताल)

स्थाई

रेरे गग
दिर दिर

० ३ × २

म निनि ध प । रे गग म प । म ग – म । रे स, रेरे गग
दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा दा ऽ दीं । दा रा, दिर दिर

म मरे -रे स । - ध़ नि़ प़ । म ऽ ग म । रे स,
दा रदा ऽर दा । ऽ दा दा रा । दा ऽ दीं रा । दा रा,

अंतरा

म मरे -रे स । ध ध प प । सं - रे गं । गं मम रें सं
दा रदा ऽर दा । दा रा दा रा । दा ऽ दीं रा । दा दिर दा रा

नि निध -ध प । मं पप धध पप । रे ग ग म । रे स,
दा रदा ऽर दा । दा दिर दिर दिर । दा रा दीं रा । दा रा,

तोड़े

```
        ०             ३             ×            २
१-  स रेरे । स ध़ – नि़ । प़ प़ स रेरे । ग म – नि । ध प
    दा दिर । दा रा ऽ दा । दा रा दा दिर । दा रा ऽ दा । दा रा

        ०             ३             ×            २
    सं निनि । ध प – ध । मं प रे गग । म प – रे । रे स,
    दा दिर । दा रा ऽ दा । दा रा दा दिर । दा रा ऽ दा । दा रा,

    ×            २             ०             ३
२-  - रे ग म ।  प – रे ग । म निनि ध प ।  - सं नि ध
    ऽ दा दा रा ।  दा ऽ दा रा । दा दिर दा रा ।  ऽ दा दा रा

    प धध मं प ।  रे स रे ग ।  म - रे ग ।  म - रे ग
    दा दिर दा रा ।  दा रा दा रा ।  दा ऽ दा रा ।  दा ऽ दा रा
```

तानें

```
          ०                    ३                  ×
१–  रेग मप । गम धप मग मरे ।  सरे स-  रेग  मप । म
    दारा दारा । दारा दारा दारा दारा ।  दारा दाऽ दारा दारा । दा

    ×                    २                    ०
२-  संनि  धप  मंप  धप ।  रेग  मप  गम  रेस । -रे  गम
    दारा  दारा दारा दारा ।  दारा दारा दारा  दारा । ऽदा  दारा

              ३                 ×
    प  -रे  ।  गम  प  -रे  गम  ।  म
    दा  ऽदा ।  दारा  दा  ऽदा  दारा  ।  दा
```

× २ ०
३– मरे सस पध पप । संरे संनि धप रेग । मनि॒ धप
दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दारा । दारा दारा

३ ×
गम रेस । सरे -रे रेग -ग । म
दारा दारा । दारा ऽदा दारा ऽदा । दा

× ० ३
४– सरे गम प रेग । मनि॒ धप मंप सनि । धप रेग मप गम
दारा दारा दा दारा । दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दारा

३ × २
रेस सरे -रे ग । गम -म प रे । सरे -रे ग गम
दारा दारा ऽदा रा । दारा ऽदा दा रा । दारा ऽदा रा दारा

० ३ ×
-म प रे सरे । -रे ग गम -म । म
ऽदा दा रा दारा । ऽदा रा दारा ऽदा । दा

× २ ०
५- सरे सनि॒ स - । पध पमं प - । संरें संनि सं -
दारा दारा दा ऽ । दारा दारा दा ऽ । दारा दारा दा ऽ

३ × २
सनि धप मंप धप । रेग मप गम रेस । -रे गम प गम
दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दारा । ऽदा दारा दा दारा

० ३ ×
रेस -रे गम प । गम रेस -रे गम । म
दारा ऽदा दारा दा । दारा दारा ऽदा दारा । दा

झाला

०					३			
रेरे	रेरे	गग	गग	।	मम	मम	पप	पप
दिर	दिर	दिर	दिर	।	दिर	दिर	दिर	दिर

×	२	०	३
रे – – –	रे – – –	म – – –	म – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा ग रा रा
ध – – –	नि – – –	प – – –	प – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
स – – रे	– – ग –	म – – रे	– – स –
दा रा रा दा	रा रा दा रा	दा रा ग दा	रा रा दा रा
स – – –	रे – – –	ग – – –	म – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
प – – –	प – – –	रे – – –	स – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा ग	दा रा रा रा
रे – – ग	– – म –	नि – – ध	– – प –
दा रा रा दा	रा रा दा रा	दा रा रा दा	रा रा दा रा
रे – – –	ग – – –	म – – –	प – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
प – – –	सं – – –	रें – – –	सं – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा

×	२	०	३
रें – – –	गं – – –	मं – – –	पं – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
गं – – –	मं – – –	रें – – –	सं – – –
दा रा रा दा	रा रा दा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
सं नि ध प	मं प ध प	रे ग म प	ग म रे स
दा रा दा रा	दा रा दा रा	दा रा दा रा	दा रा दा रा
– रे ग म	प – – रे	ग म प –	– रे ग म
ऽ दा दा रा	दा ऽ ऽ दा	दा रा दा ऽ	ऽ दा दा रा

राग-देशकार

थाट बिलावल वर्ज्य मनि, प्रथम प्रहर दिन गात ।
देशकार औडव औडव, ध ग सवाद बनात ॥

संक्षिप्त विवरण

थाट–बिलावल । स्वर–सभी शुद्ध । वर्ज्य स्वर–म और नि ।
जाति औडव-औडव । वादी–ध । संवादी–ग । समय-दिन का प्रथम प्रहर ।
आरोह–सरेग, प, ध सं । अवरोह–संध, प, गपधप, गरेस ।
पकड़ ध, प, गप, गरेस ।

विशेष

इस राग में वे ही स्वर लगते हैं, जो भूपाली राग में लगते है । लेकिन दोनों के स्वर–विस्तार करने का ढंग अलग है । भूपाली की चलन यमन के सदृश है जबकि देशकार बिलावल की शैली का है । इस हेतु ही भूपाली कल्याण–थाट का और देशकार बिलावल-थाट का राग माना जाता है ।

इस राग में धैवत बहुत महत्वपूर्ण स्वर है, क्योंकि इसी स्वर पर अथवा इसके लगाने के ढंग पर देशकार निर्भर है । धैवत इसका वादी स्वर है । स्पष्ट है कि यह उत्तरांग पधान राग है।

"धप, गपध, ध, प, गरेस, धप' यह स्वर समुदाय विशेष रूप से इसमें प्रयुक्त होता है । भूपाली पूर्वाङ्ग प्रधान राग है, उसमें ग, रेस, ध़सरेग, पग, धपग," इत्यादि स्वर समुदाय विशेष रूप से लिये जाते हैं। इस तरह दोनों का स्वरूप भिन्न हो जाता है ।

देशकार में पंचम भी विश्रान्ति स्थान माना जाता है । फल-स्वरूप धैवत के और गंधार के सहारे पंचम का सावकाश प्रयोग होता है । इस राग के उत्तरांग में पंचम धैवत और तार षड्ज तीनों महत्वपूर्ण स्वर हैं । पूर्वांग में गंधार संवादी स्वर के नाते महत्व रखता है । रिषभ का प्रयोग मर्यादित रखते हैं, ताकि रात्रिगेयता न झलके ।

विशेष स्वर संगतियाँ

१—सं, ध, धप, (२) गपधप, गरेस (३) स, धप

स्वरों का अध्ययन

स–सामान्य । रे-अनाभ्यास अल्पत्व । ग दोनों का प्रकार बहुत्व । प–दोनों प्रकार का बहुत्व । ध–अभ्यास बहुत्व ।

आलाप

१—स, ध़, ध़स, सरेगरेस, ध़स, गरेस, – ध़ध़रे । स

२—ग, रेग, सरेग, पग, पधप, गपधप, गरेस, - ध़ध़ रे । स

×
३—सरेगप, ध, ध धप, गपधप, धसंध प, गपधप, गरेस,-ध़ध़रे । स
४—स, ध, धप, धसं, रें सं, गंरेंसं, रें ध सं, पध, गप, धपध,
×
गपधप, गरेस, – ध़ध़ रे । स

मसीतखानी गत

धसं
स्थाई-- दिर

३				×				२				०			
ध	पप	ध,पप	धसं ।	ध	प	न	गप ।	ध	पप	ग	प ।	ग	रे	स,	धध़
दा	दिर	दा,दिर	दारा ।	दा	दा	रा	दिर ।	दा	दिर	दा	रा ।	दा	दा	रा,	दिर

अंतरा

प	गग	प	ध ।	सं	सं	सं	रेंध ।	सं	गंगं	रें	सं ।	ध	ग	प,
दा	दिर	दा	रा ।	दा	दा	रा	दिर ।	दा	दिर	दा	रा ।	दा	दा	रा,

रजाखानी गत

स्थाई

×				२				०				३			
ध	–	ध	प ।	–	प	ग	– ।	ग	रे	–	स ।	स	रेरे	ग	प
दा	ऽ	र्दा	दा ।	ऽ	र्दा	दा	ऽ ।	र्दा	दा	ऽ	र्दा ।	दा	दिर	दा	रा

अंतरा

×
ग पप ध प । ध सं – सं । सं रेरे गंगं रेरे । सं संध –ध प
दा दिर दा रा । दा दा ऽ र्दा । दा दिर दिर दिर । दा रदा ऽर दा
ध संसं रेरे सस । रे ध – स । ध ग – प । ग गरे -रे स
दा दिर दिर दिर । दा दा ऽ र्दा । दा दा ऽ र्दा । दा रदा ऽर दा

तोड़े [सम से]

१--ग पप धध संसं ध धग –ग प ध संसं रेरे संसं रे रेध -ध रा
दा दिर दिर दिर दा रदा ऽर दा दा दिर दिर दिर दा रदा ऽर दा
२—– धध ग प । ग गरे –रे स । – रेरे ध सं । ध धप -प ग
ऽ दिर दा रा । दा रदा ऽर दा । ऽ दिर दा रा । दा रदा ऽर दा
– ग – प । ध – – ग । - प ध – । – ग – प
ऽ द्रा ऽ र्दा । दा ऽ ऽ द्रा । ऽ र्दा दा ऽ । ऽ द्रा ऽ र्दा

तानें

० ३ ×
१—गप धप गग रेस । सरे गप धप सं । ध
दारा दारा दार दारा । दारा दार दारा दा । दा

× २ ०
२—गप धसं रेसं धप । गप धप गरे स । सरे गप ध सरे ।
दारा दारा दारा दारा । दारा दारा दारा दा । दारा दारा दा दारा ।

३ ×
गप ध सरे गप । ध
दारा दा दारा दारा । दा

३ × २
३—सरे गरे स सरे । गप धप गरे स । पध संरें गंरें सं ।
दारा दारा दा दारा । दारा दारा दारा दा । दारा दारा दारा दा ।

० ३ ×
धप गप ध धप । गप ध धप गप । ध
दारा दारा दा दारा । दारा दा दारा दारा । दा

४– उपरोक्त तान के अंत में एक मात्रा का दम देकर सम से हूवहू तीन बार बजाने से अंतिम ध सम पर आएगा। इस तरह यह चक्करदार तान २२×३=६६–२=६४ मात्राओं का होता है।

झाला

०					३			
गग	गग	पप	पप	।	धध	धध	सांसां	सांसां
दिर	दिर	दिर	दिर	।	दिर	दिर	दिर	दिर

×	२	०	३
सं – – –	सं – – –	ध – – –	प – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
ग – – –	प – – –	ध – – –	प – – –
दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा	दा रा रा रा
ग – ग –	रे – स –	रे – ध़ –	– – स –
दा रा दा रा	दा रा दा रा	दा रा दा रा	रा रा दा रा
स – – रे	– –•ग –	म – – प	– – ध –
दा रा रा दा	रा रा दा रा	दा रा रा दा	रा रा दा रा
ध – – सं	– – रें –	गं – – –	रें – सं –
दा रा रा दा	रा रा दा रा	दा रा रा रा	दा रा दा रा
सं सं ध ध	प प ग प	ध ध प प	ग ग रे स
दा रा दा रा	दा रा दा रा	दा रा दा रा	दा रा दा रा
– ग – प	ध – – ग	– प ध –	– ग – प
ऽ दा ऽ र्दा	दा ऽ ऽ दा	ऽ र्दा दा ऽ	ऽ दा ऽ र्दा

❁ ★ ❁

तृतीय-अध्याय

राग तोड़ी

म नि तीवर कोमल रि ग ध, ध ग स्वर संवाद ।
द्वितीय प्रहर दिन संपूरन, तोड़ी आश्रय राग ॥

संक्षिप्त विवरण—

थाट—तोड़ी । स्वर—रे ग और ध कोमल तथा मध्यम तीव्र ।
जाति—सम्पूर्ण । वादी—ध । सम्वादी—ग ।
समय—दिन का दूसरा प्रहर । आरोह—सरेग, मंप, ध, निसं ।
अवरोह—संनिधप, मंग, रे, स ।
पकड़—धनिस, रेग, रे, स, मंग, रेग रेस ।

मसीतखानी गत

मंरे
दिर

स्थाई—

३	×	२	०
ग रेस ध,निनि सरे ।	ग ग ग रेरे ।	ग मंमं ध प ।	मं रेग रेस, मंमं
दा दिर दा,दिर दारा ।	दा दा रा दिर ।	दा दिर दा रा ।	दा दाऽ दारा; दिर

अंतरा

ग मंमं ध नि ।	सं रें गं रेंसं ।	नि धध प मं ।	ग रेग रेस
दा दिर दा रा ।	दा दा रा दिर ।	दा दिर दा रा ।	दा दिर दारा

रज़ाखानी गत

मंमं रेरे
दिर दिर

स्थाई—

०				३				×				२	
ग	गरे	–रे	स ।	ध	निनि	स	रे ।	ग	–	ग	मं ।	ध	प,
दा	रदा	ऽर	दा ।	दा	दिर	दा	रा ।	दा	ऽ	दा	रा ।	दा	रा,

अंतरा

३				×				२				०			
ग	मंमं	ध	नि ।	सं	–	रें	सं ।	ध	निनि	सं	रें ।	सं	संनि	–नि	ध
दा	दिर	दा	रा ।	दा	ऽ	दा	रा ।	दा	दिर	दा	रा ।	दा	रदा	ऽर	दा
रें	गंगं	रें	सं ।	नि	निध	–ध	प ।	मं	धध	प	मं ।	ग	गरे	–रे	स
दा	दिर	दा	रा ।	दा	रदा	ऽर	दा ।	दा	दिर	दा	रा ।	दा	रदा	ऽर	दा

राग–पूरिया

मारवा के मेल में, पञ्चम स्वर को त्याग ।
सायंकाल संवाद ग नि, गावत पूरिया राग ॥

संक्षिप्त विवरण—

थाट—मारवा । स्वर—रे कोमल, म तीव्र एवं शेष शुद्ध ।

वर्ज्य स्वर—पञ्चम । जाति—षाडव-षाडव । समय—सायंकाल

आरोह—नि़रेस, ग, मंध, निरेंसं । अवरोह—संनि, ध, मंग, रे, स ।

पकड़—ग, नि़रेस, नि़धनि़, मं़ध़, रे, स ।

मसीतखानी गत

मंग
दिर

स्थाई—

३ × २ ०

रे सस नि,रेस -नि–ध । नि ध नि मंध । स रेस नि रे । ग मंग रेम,
दा दिर दा,दारा ऽदाऽर्दा । दा दा रा दिर । दा दिर दा रा । दा दाऽ दारा,

अंतरा

३ × २ ०

मंमं । ग मंमं ध मं । सं रें सं निरें । गं रेंसं नि ध । नि मं ग,
दिर । दा दिर दा रा । दा दा रा दिर । दा दिर दा रा । दा दा रा,

रजाखानी गत

गग मंमं
दिर दिर

स्थाई—

० ३ × ३

ग गरे -रे स । - नि – ध । नि – नि रे । ग – ,
दा रदा ऽर दा । ऽ दा ऽ र्दा । दा ऽ दा रा । दा ऽ ,

अंतरा

३ × २ ०

ग मंमं ध मं । सं – रें सं । नि रेंरें गं रें । सं संनि -नि ध
दा दिर दा रा । दा ऽ दा रा । दा दिर दा रा । दा रदा ऽर दा

नि - मं ध । नि धध मं ग । मं ध गग मंमं । ग गरे -रे स
दा ऽ दा रा । दा दिर दा रा । दा रा दिर दिर । दा रदा ऽर दा

—०—०—

राग केदार

तीवर सब मध्यम दोउ, चढ़ते रि ग को त्याग ।
थाट कल्याण संवाद म स, कहत केदार राग ।

संक्षिप्त विवरण—

थाट—कल्याण । स्वर—दोनों मध्यम, शेष शुद्ध ।
वर्ज्य स्वर—आरोह में रेग और अवरोह में ग दुर्बल ।
जाति—ओडव-षाडव । समय—रात्रि का प्रथम प्रहर ।
वादी—म । सम्वादी—स ।
आरोह—स, म, मप, धप, निध, सं ।
अवरोह—संनिधप, मंपधप, म, गमरेम ।
पकड़—सम, मप, धमप, पम, रेस ।

मसीतखानी गत

सनि
दिर

स्थाई—

३ × २ ०
स मग प -मं-प । ध ध प मम । प मंप धनि धप । म रे स, पप
दा दिर दा ऽदाऽदा । दा दा रा दिर । दा दिर दाऽ दारा । दा दा रा, दिर

अंतरा

३ × २ ०
म पप ध मंप । सं रें सं मंमं । रें संसं निध प । म रे स
दा दिर दा दारा । दा दा रा दिर । दा दिर दाऽ रा । दा दा रा

रज़ाखानी गत

स्थाई--

३ × २ ०

− म − प । ध − ध प । र्म पप धध पप । म मरे −रे स

ऽ दा ऽ र्दा । दा ऽ दा रा । दा दिर दिर दिर । दा रदा ऽर दा

अंतरा

− म − प । ध − ध प । र्म पप धध पप । सं संरें -रें सं

ऽ दा ऽ र्दा । दा ऽ दा रा । दा दिर दिर दिर । दा रदा ऽर दा

मं मंमं रे सं । ध निनि ध प । र्म पप धध पप । म मरे -रे स

दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा दिर दिर दिर । दा रदा ऽर दा

राग जौनपुरी

थाट- आसावरी सवाद ध ग, आरोही ग त्याग ।
दिवस दूसरे प्रहर में, गावत जौनपुरी राग ॥

संक्षिप्त विवरण—

थाट—आसावरी । स्वर—ग, ध और नि कोमल, शेष शुद्ध ।

वर्ज्य स्वर—आरोह में गंधार । जाति--षाडव सम्पूर्ण । वादी—ध ।

सम्वादी--ग । समय--दिन का द्वितीय प्रहर ।

आरोह--स, रेम, प, ध, निसं ।

अवरोह--सं, निध, प, मग, रेस । पकड़--मप, निधप, ध, मपग, रेमप ।

मसीतखानी गत

धुसं
दिर

स्थाई—

३ × २ ०

नि धुधु प -म-प । धु धु प मम । प धुधु म प । गु रे स, निस
दा दिर दा ऽदाऽर्दा । दा दा रा दिर । दा दिर दा रा । दा दा रा, दिर

रे निनि धु प्र । प्र नि स रेरे । म पप मपधु मप । गु रे स, पप
दा दिर दा रा । दा दा रा दिर । दा दिर दाऽऽ राऽ । दा दा रा, दिर

अंतरा

म पप धु नि । सं रें सं निसं । रें निनि धु प । धु नि सं, रेंरें
दा दिर दा रा । दा दा रा दिर । दा दिर दा रा । दा दा रा, दिर
मं गुंगु रें सं । रें नि धु पप । धु मप गु रेस । रे म प,
दा दिर दा रा । दा दा रा दिर । दा दिर दा दारा । दा दा रा,

रजाखानी गत

स्थाई—

३ × २ ०

प संसं नि सं । धु - धु प । म पप धुधु पप । गु गुरे -रे स
दा दिर दा रा । दा ऽ दा रा । दा दिर दिर दिर । दा रदा ऽर दा

नि सस रे नि । धु प्रप्र म प्र । स रेरे म प । गु गुरे -रे स
दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा रदा ऽर दा

अंतरा

म पप धु नि । सं - नि सं । गुं गुरें -रें सं । रें नि सं -
दा दिर दा रा । दा ऽ दा रा । दा रदा ऽर दा । दा रा दा ऽ

रें मंमं गुं रें । सं निनि धु प । धु मम प गु । रे स रे म
दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा रा दा रा

राग-पूर्वी

रि ध कोमल मध्यम दोऊ, ग नि स्वर संवाद ।
चतुर्थ प्रहर दिन गाइए, आश्रय पूर्वी राग ॥

संक्षिप्त विवरण

थाट-पूर्वी । स्वर-रे और ध कोमल, दोनों मध्यम एवं शेष शुद्ध ।
जाति-सम्पूर्ण । वादी-ग । सम्वादी-नि ।
समय-दिन का चतुर्थ प्रहर । आरोह-स, रे॒ग, मंप ध॒, निसं ।
अवरोह-सं नि ध॒प मं, गरे॒स । पकड़-नि़, स रे॒ ग म ग, मं, रे॒गरे॒स ।

मसीतखानी गत

स्थाई--

				मंपध॒
				दिऽर
३	×	२	०	
मं गग रे॒,सस निरे॒ ।	ग म ग मंरे॒ ।	ग मंध॒ प मं ।	ग रे॒ स, मंमं	
दा दिर दा,दिर दारा ।	दा दा रा दिर ।	दा दिर दा रा ।	दा दा रा, दिर	

अंतरा

ग॒ मंमं ध॒ मंध॒ ।	सं रे॒ सं निरे॒ ।	नि ध॒प मं गम ।	ग रे॒ स,
दा दिर दा दारा ।	दा दा रा दिर ।	दा दिर दा राऽ ।	दा दा रा,

स्थाई—

रजाखानी गत

३ × २ ०

नि रेरे ग रे । ग – म ग । मं पप धुधु मंमं । ग गरे -रे म

दा दिर दा रा । दा ऽ दा रा । दा दिर दिर दिर । दा रदा ऽर दा

नि रेरे नि धु । मं धुधु नि म । नि रेरे ग मं । रे गग रे म

दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा दिर दा रा

अंतरा

३ × २ ०

मं गग मं धु । म - रें सं । नि रेंरें नि धु । नि निधु -धु प

दा दिर दा रा । दा ऽ दा रा । दा दिर दा रा । दा रदा ऽर दा

नि रेरे गं रे । सं निनि धु प । मं धुधु मं ग । रे गग रे स

दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा दिर दा रा

राग-मालकौंस

थाट भैरवी संवाद म स, प रे स्वर नहीं लाग ।
रात्रि तीसरे प्रहर में, गावत मालकौंस राग ।।

संक्षिप्त विवरण—

थाट—भैरवी । स्वर—सब कोमल । वर्ज्य स्वर—रे और प ।
जाति-ओड्व-ओडव । वादी—म । सम्वादी—स ।
समय—रात्रि का तृतीय प्रहर । आरोह—निस, गम, धु, निसं ।
अवरोह—संनिधु, म, गमग, स । पकड़-मग, मधुनिधु, म, ग, स ।

मसीतखानी गत

स्थाई—

३				×				२				०			
ग	सस	नि,सस	धनि	स	म	म	गग	म	धध	नि	ध	म	ग	स,	मम
दा	दिर	दा,दारा	दारा	दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा,	दिर

अंतरा

३				×				२				०		
ग	मम	ध	नि	मं	सं	सं	मंमं	गं	संसं	नि	ध	म	ग	स,
दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा	दिर	दा	दिर	दा	रा	दा	दा	रा,

रजाखानी गत

स्थाई—

०				३				×				२			
ग	मम	ग	स	–	ध	–	नि	स	–	म	–	ध	निनि	ध	म
दा	दिर	दा	रा	ऽ	दा	ऽ	दा	दा	ऽ	रा	ऽ	दा	दिर	दा	रा

अंतरा

०				३				×				२			
ग	मम	ध	म	–	ध	नि	ध	सं	–	नि	सं	ध	धनि	-नि	सं
दा	दिर	दा	रा	ऽ	दा	दा	रा	दा	ऽ	दा	रा	दा	रदा	ऽर	दा
गं	मंमं	गं	सं	नि	संसं	ध	नि	सं	निनि	ध	म	ध	निनि	ध	म
दा	दिर	दा	रा	दा	दिर	दा	रा	दा	दिर	दा	रा	दा	दिर	दा	रा

राग दरबारी कान्हड़ा

जब आसावरी मेल में, अवरोहन ध नहीं लाग ।
रि प संवाद मध्य रात्रि समय, दरबारी कान्हड़ा राग ॥

संक्षिप्त विवरण—

थाट–आसावरी । स्वर–ग ध नि कोमल और शेष शुद्ध ।
वर्ज्य स्वर–आरोह में ध । जाति–सम्पूर्ण षाडव । समय–मध्य रात्रि ।
वादी–रे । सम्वादी–प ।
आरोह–नि़स, रेग, रेस, मप, ध, निसं ।
अवरोह–सं, ध, निप, मप, ग, मरेस ।
पकड़–ग, रेरे, स, ध़, नि़स, रेस ।

मसीतखानी गत

स्थाई—

निसरेम
दादादादा

३ म × स २ ०
रे सस ध़ -नि़सरे । ग रे स नि़नि़ । स रेरे म पनि । गम रे स, नि़सरेस
दा दिर दा ऽदादारा । दा दा रा दिर । दा दिर दा राऽ । दाऽ दा रा, दिऽरऽ

ध़ नि़प म़ प़ । ध़ नि़ स नि़नि़ । स रेरे म पनि । गम रे स, मम
दा दिर दा रा । दा दा रा दिर । दा दिर दा राऽ । दाऽ दा रा, दिर

अंतरा

प धध नि सं । रें रें सं धध । नि पप म प । सं गम रेस
दा दिर दा रा । दा दा रा दिर । दा दिर दा रा । दा दाऽ दारा

रज़ाखानी गत

स्थाई--

०	३	म×	२
नि़ सस रे ध़ ।	– नि़ स रे ।	ग – ग म ।	रे रे स म
दा दिर दा रा ।	ऽ दा दा रा ।	दा ऽ दा रा ।	दा रा दा रा
नि़ सस रे ध़ ।	नि़ प़ म़ प़ ।	ध़ नि़नि़ स रे ।	ग मम रे स
दा दिर दा रा ।	दा रा दा रा ।	दा दिर दा रा ।	दा दिर दा रा

अंतरा

०	३	×	
म पप ध नि ।	सं – रें सां ।	गं मंरें –रें सां ।	नि सां रें सां
दा दिर दा रा ।	दा ऽ दा रा ।	दा रदा ऽर दा ।	दा रा दा रा
ध - नि प ।	म प सं - ।	ग – ग म ।	रे रे स स
दा ऽ दा रा ।	दा रा दा ऽ ।	दा ऽ दा रा ।	दा रा दा रा

ग कोमल अरु तीव्र सबै, आरोहन रि ध त्याग ।
थाट काफी सम्वाद प स, मधुर पटदीप राग ॥

संक्षिप्त विवरण—

थाट–काफी । स्वर-ग कोमल, शेष शुद्ध ।
वर्ज्य स्वर–आरोह में रे और ध । जाति–ओडव सम्पूर्ण ।

वादी–प । सम्वादी–स । समय–दिन का तीसरा प्रहर ।

आरोह स, गमप, नि, सं । अवरोह–संनिधप, मपग, मगरेस ।

पकड़–निधन, मप, गम, पनिसं ।

रज़ाखानी गत

पप मम
दिर दिर

स्थाई–

०				३				×				२	
ग	गरे	-रे	स ।	नि	सस	ग	म ।	प	नि	-	सं ।	नि	ध,
दा	रदा	ऽर	दा ।	दा	दिर	दा	रा ।	दा	दा	ऽ	र्दा ।	दा	रा,

अंतरा

०				३				×				२			
प	नि	–	सं ।	गं	–	रें	सं ।	नि	निध	-ध	प ।	ध	म	–	प
दा	दा	ऽ	र्दा ।	दा	ऽ	र्दा	रा ।	दा	रदा	ऽर	दा ।	दा	दा	ऽ	र्दा
नि	–	सं	नि ।	ध	प	म	प ।	ग	–	म	ग ।	रे	स,		
दा	ऽ	र्दा	रा ।	दा	रा	दा	रा ।	दा	ऽ	र्दा	रा ।	दा	रा,		

राग-मारवा

तीखे ग म ध नि मृदु रिषभ, रे ध स्वर संवाद ।
पञ्चम तज सायं समय, मारवा आश्रय राग ॥

संक्षिप्त विवरण—

थाट—मारवा । स्वर—रे कोमल, म तीव्र एवं शेष शुद्ध ।
वर्ज्य स्वर—पञ्चम । जाति—षाडव-षाडव । वादी—रे ।
सम्वादी—ध । समय—सायंकाल संधिप्रकाश ।
आरोह—सरे, ग, मंध, निध, सं । अवरोह—सनिध, मंगरे, स ।
पकड—धमंगरे, गमंग, रे, स ।

रज़ाखानी गत

स्थाई—

० ३ × २
नि रेरे ग मं । ध धमं -मं ग । रे - ग मं । ग गरे -रे स
दा दिर दा रा । दा रदा ऽर दा । दा ऽ दा रा । दा रदा ऽर दा
नि रेरे नि ध । मं ध स - । नि रेरे गग रेरे । नि रे - स
दा दिर दा रा । दा रा दा ऽ । दा दिर दिर दिर । दा दा ऽ र्दा

अंतरा

नि रेरे ग मं । ध धनि -नि ध । सं - सं सं । नि रें - स
दा दिर दा रा । दा रदा ऽर दा । दा ऽ दा रा । दा दा ऽ र्दा
नि रेंरें गंगं रेंरें । मं संनि -नि ध । मं ध - मं । ग गरे -रे स
दा दिर दिर दिर । दा रदा ऽर दा । दा दा ऽ र्दा । दा रदा ऽर दा

राग अड़ाना

आसावरी के मेल में, ध ग दुर्बल दरसाहिं ।
प स संवादी वादी तें, कहत अड़ाना ताहि ॥

संक्षिप्त विवरण—

थाट—आसावरी । वर्ज्य स्वर—आरोहं में ग, अवरोह में ध ।
स्वर—ग ध नि कोमल, आरोह में नि एवं शेष शुद्ध स्वर ।
जाति—षाडव-षाडव । समय—रात्रि का तृतीय प्रहर ।
वादी—तार षडज । सम्वादी—पञ्चम । आरोह—सरेमप, धनिसं ।
अवरोह-संधनिप,मप,गम,रेस । पकड़-सं, धनिसं, ध, निपमप, गमरेस ।

रजाखानी गत

स्थाई—

०   ३   ×   २
नि संसं रेंरें संसं । नि निम -म प । सं – ध नि । - प म प
दा दिर दिर दिर । दा रदा ऽर दा । दा ऽ दा रा । ऽ दा दा रा
नि पप म प । ग मम रे स । नि सस रे म । प नि म प
दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा रा दा रा

अंतरा

म पप ध नि । सं - रें सं । नि संसं रेंरें संसं । ध धनि -नि प
दा दिर दा रा । दा ऽ दा रा । दा दिर दिर दिर । दा रदा ऽर दा
म पप नि सं । गं मंमं रें सं । नि पप म प । ग मम रे स
दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा दिर दा रा

॥ राग कालिंगड़ा ॥

जब भैरव के मेल में, ध ग संवाद बनाय ।
रात्रि समय अंतिम प्रहर, कालिंगड़ा कहलाय ॥

संक्षिप्त विवरण--

थाट–भैरव । स्वर–रे और ध कोमल, शेष शुद्ध ।
जाति–सम्पूर्ण । वादी–धु । सम्वादी–ग ।
समय–रात्रि का अंतिम प्रहर । आरोह–सरेगम, पधुनिसं ।
अवरोह–संनिधुप, मगरेस । पकड़–धुप, गमग, नि, सरेग, म ।

रजाखानी गत

स्थाई—

०	३	×	२
प धुधु प म	ग गम -म प	धु – धु प	ग म ग -
दा दिर दा रा	दा रदा ऽर दा	दा ऽ दा रा	दा रा दा ऽ
म गग रे स	नि सस ग म	प धुधु नि सं	नि निधु -धु प
दा दिर दा रा	दा दिर दा रा	दा दिर दा रा	दा रदा ऽर दा

अंतरा

ग मम प धु	म पप धु नि	सं - रें सं	रें रेंनि -नि सं
दा दिर दा रा	दा दिर दा रा	दा ऽ दा रा	दा रदा ऽर दा
सं रेंरें सं नि	प धुधु नि सं	नि निधु -धु प	ग म ग –
दा दिर दा रा	दा दिर दा रा	दा रदा ऽर दा	दा रा दा ऽ

❁ ★ ❁

॥ राग दुर्गा ॥

थाट बिलावल वर्ज्य ग नि, म स स्वर संवाद ।
रात्रि दूसरे प्रहर में, गावत दुर्गा राग ॥

संक्षिप्त विवरण

थाट–बिलावल । स्वर–सभी शुद्ध । वर्ज्य स्वर–ग और नि ।
जाति–ओडव-ओडव । वादी–म । सम्वादी–स ।
समय–रात्रि का द्वितीय प्रहर । आरोह–सरेम, पधसं ।
अवरोह-सं ध प म, रे, स । पकड़-सरे, धस, रेम ।

रजाखानी गत

स्थाई—

×	२	०	३
ध – ध म ।	प धध म रे ।	प मम रे ध ।	स रेरे म प
दा ऽ दा रा ।	दा दिर दा रा ।	दा दिर दा रा ।	दा दिर दा रा

अंतरा

×	२	०	३
ध म – रे ।	प – रे म ।	प धध म प ।	ध धसं -सं रें
दा दा ऽ र्दा ।	दा ऽ र्दा रा ।	दा दिर दा रा ।	दा रदा ऽर दा
मं मंरें -रें सं ।	रें रेंध -ध सं ।	ध धम -म रे ।	स रेरे म प
दा रदा ऽर दा ।	दा रदा ऽर दा ।	दा रदा ऽर दा ।	दा दिर दा रा

॥ राग तिलककामोद ॥

प रि सम्वादी वादि है, चढत न धैवत गात ।
वक्र रिषभ सोरठहि से, तिलककामोद सुहात ॥

संक्षिप्त विवरण —

घाट—खमाज । स्वर—सभी शुद्ध । वर्ज्य स्वर—आरोह मे ध ।
जाति—षाडव सम्पूर्ण । वादी—रे । सम्वादी—प ।
समय—रात्रि का द्वितीय प्रहर ।
आरोह—सरेगस, रेमपधमप, स । अवरोह—सपधमग, सरेग, सनि़ ।
पकड—प़नि़सरेग, स, रेपमग, सनि़ ।

रजाखानी गत

स्थाई—

०				३				×				२			
प़	नि़नि़	स	रे ।	ग	सस	नि	स ।	रे	—	रे	प ।	म	गग	नि	स
दा	दिर	दा	रा ।	दा	दिर	दा	रा ।	दा	ऽ	दा	रा ।	दा	दिर	दा	रा
रे	मम	प	ध ।	म	मप	—प	स ।	प	धध	म	ग ।	स	रेरे	ग	स
दा	दिर	दा	रा ।	दा	रदा	ऽर	दा ।	दा	दिर	दा	रा ।	दा	दिर	दा	रा

अंतरा

०				३				×				२			
म	प	-	नि ।	सं	सरे	-रें	सं ।	रें	गंगं	रे	पं ।	मं	गंगं	नि	सं
दा	दा	ऽ	दा ।	दा	रदा	ऽर	दा ।	दा	दिर	दा	रा ।	दा	दिर	दा	रा
प	निनि	सं	रें ।	स	—	प	ध ।	—	म	ग	स ।	रे	गग	नि़	स
दा	दिर	दा	रा ।	दा	ऽ	दा	दा ।	ऽ	दा	दा	रा ।	दा	दिर	दा	रा

॥ राग तिलंग ॥

थाट खमाज संवाद ग नि, रे ध स्वर नहीं संग ।
रात्रि दूसरे प्रहर में, गावत राग तिलंग ॥

संक्षिप्त विवरण

थाट–खमाज । स्वर–दोनों निषाद एवं शेष शुद्ध ।
वर्ज्य स्वर–रे और ध, सिर्फ तार सप्तक में रे का प्रयोग होता है ।
जाति–ओडव । वादी–ग । सम्वादी–नि ।
समय–रात्रि का द्वितीय प्रहर । आरोह–स ग, म प नि सं ।
अवरोह–सं, निप, मग, स । पकड़–निप, गमग, स ।

रजाखानी गत

स्थाई—

०　　　　　　२　　　　　×　　　　　२
प निनि संसं निनि । प पग -ग म । ग - ग स । ग म प -
दा दिर दिर दिर । दा रदा ऽर दा । दा ऽ दा रा । दा रा दा ऽ
ग मम प नि । प पम -म प । ग मम ग स । नि सस ग म
दा दिर दा रा । दा रदा ऽर दा । दा दिर दा रा । दा दिर दा रा

अंतरा

ग मम प नि । सं संनि -नि सं । प निनि सं रें । सं संनि -नि प
दा दिर दा रा । दा रदा ऽर दा । दा दिर दा रा । दा रदा ऽर दा
नि संसं गं मं । गं - गं सं । नि पप म प । ग म ग -
दा दिर दा रा । दा ऽ दा रा । दा दिर दा रा । दा रा दा ऽ

❁ ★ ❁

॥ राग पीलू ॥

कोमल तीवर सबहि सुर, जहँ गावत लग जाइ ।
ग नि वादी सम्वादी ते, पीलू राग बताइ ॥

संक्षिप्त विवरण--

थाट—काफी । स्वर—बारहों स्वरों का प्रयोग ।
जाति—वक्र सम्पूर्ण । वादी—ग । सम्वादी—नि ।
समय—दिन का तीसरा प्रहर ।
आरोह—निस, गरग, मप, धप, निधप, स ।
अवरोह--संनिधपमग, निस । पकड़--निमगनिस, पधनिस ।

रजाखानी गत

स्थाई—

३ × २ ०
— नि — स । ग - रे स । ग मम पप मम । ग गरे -रे स
ऽ दा ऽ र्दा । दा ऽ दा रा । दा दिर दिर दिर । दा रदा ऽर दा

प धध प ध । नि मस रे स । ग — ग म । ग गरे -रे स
दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा ऽ र्दा रा । दा रदा ऽर दा

अंतरा

नि सम ग म । प - ध प । ग मम धध पप । ग गनि -निस
दा दिर दा रा । दा ऽ दा रा । दा दिर दिर दिर । दा रदा ऽर दा

प ध — नि । स - ग म । प निनि सं गं । रें रेनि —नि सं
दा दा ऽ र्दा । दा ऽ र्दा रा । दा दिर दा रा । दा रदा ऽर दा

नि धध प ध । म पप ग म । प - ग म । ग गरे -रे स
दा दिर दा रा । दा दिर दा रा । दा ऽ दा रा । दा रदा ऽर दा

❁ ★ ❁

द्वितीय खण्ड

(तबला-क्रियात्मक)

प्रथम अध्याय

तीन ताल

परिचय—

तबले पर बजाए जाने वाले तालो मे यह ताल प्रथम स्थान रखता है; क्योकि यह अपनी सरलता एवं सरसता के कारण सर्वाधिक प्रचिलित है। तबला के विद्यार्थी को प्रथम पाठ के रूप मे तीन ताल ही सिखाया जाता है। इस ताल मे "सोलो" वादन भी खूब किया जाता है इसका प्रयोग छोटे ख्याल एवं सितार की गतो मे अधिकतर होता है। कत्थक नृत्यकार अधिकतर इसी ताल में नृत्य करते है। इसका प्रयोग हर लय मे किया जाता है। अत्यन्त द्रुत लय मे बजाने से एक समा सा बँध जाता है, जिसे सुनकर श्रोतागण मन्त्र–मुग्ध होजाते है। इससे मिलते जुलते भी कई ताल है, जो इसी के आधार पर ही विभिन्न शैली के गायन की सँगति के लिए बनाए गए है। यथा–बडे ख्यालो के लिए तिलवाडा, ठुमरी के लिए जत, पंजाबी आदि।

स्वरूप—

इस ताल में १६ मात्राएँ होती हैं, इसके ४ विभाग होते है। प्रत्येक

विभाग ४-४ मात्राओं का है। पहली, पांचवीं और तेरहवीं मात्राओं पर ताली और नवमीं मात्रा पर खाली होती है। शास्त्रीय पद्धति के अनुसार इसका स्वरूप ।ऽ। इस चिन्ह द्वारा दर्शाया जाता है।

ठाहलय—

मात्रा—१ २ ३ ४ । ५ ६ ७ ८ । ९ १० ११ १२ । १३ १४ १५ १६
ठेका—धा धिं धिं धा । धा धिं धिं धा । धा तिं तिं ता । ता धिं धिं धा
चिन्ह × । २ । ० । ३

ठेका आड़लय में—

धा ऽ धिं ×	ऽ धिं ऽ	धा ऽ धा	ऽ धिं ऽ	।
धिं ऽ धा २	ऽ धा ऽ	तिं ऽ तिं	ऽ ता ऽ	।
ता ऽ धिं ०	ऽ धिं ऽ	धा ऽ धा	ऽ धिं ऽ	।
धिं ऽ धा ३	ऽ धा ऽ	धिं ऽ धिं	ऽ धा ऽ	।
धा ऽ तिं ×	ऽ तिं ऽ	ता ऽ ता	ऽ धिं ऽ	।
धिं ऽ धा २	ऽ धा ऽ	धिं ऽ धिं	ऽ धा ऽ	।

धा ऽ धि   ऽ धि ऽ   धा ऽ धा   ऽ ति ऽ ।

०

ति ऽ ता   ऽ ता ऽ   धि ऽ धि   ऽ धा ऽ ।

३

आड़लय एक आवृति में–

तीन ताल का एक आवर्तन आड लय में १६ × $\frac{२}{३}$ = १० $\frac{२}{३}$ मात्रा होगा । अतः इसे ५ $\frac{१}{३}$ मात्रा बाद प्रारम्भ करने से एक आवर्तन मे आयेगा ।

ठेका–

धा धिं धिं धा । धा धिं धा ऽ धिं ऽ धिं ऽ धा ऽ ।

×   २

धा ऽ धि   ऽ धि ऽ   धा ऽ धा   ऽ ति ऽ । ति ऽ ता   ऽ ता ऽ

०   ३

धि ऽ धि   ऽ धा ऽ

कुआड़लय एक आवर्तन में–

तीन ताल का एक आवर्तन का कुआड १६ × $\frac{४}{५}$ = १२ $\frac{४}{५}$ मात्रा होगा । अतः इसे ३ $\frac{१}{५}$ मात्रा बाद आरंभ करने से एक आवर्तन में आएगा ।

ठेका-

धा धि धि धाधाऽऽऽ । धिऽऽऽधिं ऽऽऽधाऽ ऽऽधाऽऽ
×
२

ऽधिऽऽऽ । धिऽऽऽधा ऽऽऽधाऽ ऽऽतिऽऽ ऽतिऽऽऽ
०

ताऽऽऽता ऽऽऽधिऽ ऽऽधिऽऽ ऽधाऽऽऽ
३

नोट :—

कुआडलय सम से आरम्भ करने पर उपरोक्त ढग मे अर्थात १ मात्रा मे ३ अवग्रह लगाकर ५ बार ठेका को लिखना होगा तब चार आवर्तन मै आयेगा ।

विआड़लय एक आर्वतन में :—

तीन ताल के एक आवर्तन का विआड $१६ × \frac{४}{७} = ९ \frac{१}{७}$ होगा अतः इसे $९ \frac{१}{७}$ मात्रा बाद आरम्भ करने पर एक आवर्तन मे आयेगा ।

ठेका :—

धा धि धि धा । धा धिँ धिंऽऽऽऽऽधा ऽऽऽधिंऽऽऽ
× २

धिऽऽऽधाऽऽ ऽधाऽऽऽधिंऽ ऽऽधिंऽऽऽधा ऽऽऽधाऽऽऽ ।
०

तिंऽऽऽतिंऽऽ ऽताऽऽऽताऽ ऽऽधिंऽऽऽधि ऽऽऽधा ऽऽऽ
३

नोट :—

विआड़लय सम से प्रारम्भ करने पर उपरोक्त ढँग से अर्थात हर एक मात्रा मे ३,३ अवग्रह लगाकर ७ बार लिखा जायेगा। तब यह ४ आर्वतन मे आयेगा ।

दुगुन एक आर्वतन में लिखने के लिये खाली से प्रारम्भ करेगे । इसी प्रकार चौगुन को तीसरी ताली से लिखने पर समपर आयेगा ।

तिगुन एक आवर्तन में-

तीन ताल के एक आर्वतन का तिगुन $१६ \times \frac{}{३} = ५\frac{}{३}$ मात्रा होगा अत: $१०\frac{२}{३}$ मात्रा बाद आरम्भ करने पर एक आर्वतन में आयेगा।

धा धिं धिं धा । धा धिंधिं धा । धा तिं तिं ऽ धा धिं धिं धा ।
× । २ । ०
धा धिं धिं धा धा तिं तिं ता ता धिं धिं धा
३

ठेके की किस्में विलम्बित लय में-

१- धा तिर किट धिं, गेगे धा, तिटे । धा, गे गे धिंऽऽक्
× । ०२

धि धि धा, तिटे । धा, गेगे नीऽऽक्ड़ ती ती ता, तिट
०

ता, गेगे धि ऽऽ क्ड़ धिं धिं धा, धाती
३

२- धाऽऽधि नगतिट धि धिं धा, तिट । धा, गेगे
× २

धिंऽऽक् धिं धि धा, तिट । धाऽऽति नकतिट

तिं तिं ता, तिट । ता, गेगे धिंऽऽक् धिं धिं
३

धाऽऽधिनकतिट

•

मध्य लय

३- धा तिटे धिं धा । धा गे धिं धिं धा । धागे तिं तिँ ता ।
× २ ०

तिटे धागे नाधा गेना
३

४— धा धिं धिंधिं धा । धागे धिं धिंधिं धा । धागे तिं
×　　　　　२　　　　　०

तिंतिं ता । तागे धिं धिंधिं धा,तिटे
　　　३

द्रुतलय

५—धा धिं धा धा । धा धिं धा धा । धा तिं तिं ता ।
×　　　２　　　　०

ता धिं धा धा ।
३

भूलभुलइयां चक्र

६—ऽ धा धि धि धा धा धि धि धा धा ति ति ता ता धि धि
धा ऽ धा धि धि धा धा धि धि धा धा ति ति ता ता धि
धि धा ऽ धा धि धि धा धा धि धि धा धा ति ति ता ता
धि धि धा ऽ धा धिं धिं धा धा धिं धिं धा धा तिं तिं ता
ता धिं धिं धा ऽ धा धिं धिं धा धा धि धिं धा धा तिं तिं
ता ता धिं धिं धा ऽ धा धिं धिं धा धा धिं धिं धा धा ति
तिं ता ता धिं धिं धा ऽ धा धिं धिं धा धा धिं धिं धा धा
तिं तिं ता ता धिं धिं धा ऽ धा धिं धिं धा धा धिं धिं धा
धा तिं तिं ता ता धिं धिं धा ऽ धा धिं धि धा धा धिं धिं
धा धा तिं तिं ता ता धिं धिं धा ऽ धा धिं धि धा धा धिं
धि धा धा ति ति ता ता धि धि धा ऽ धा धि धि धा धा
धि धि धा धा ति ति ता ता धि धि धा ऽ धा धि धि धा
धा धि धि धा धा ति ति ता ता धि धि धा ऽ धा धि धि
धा धा धि धि धा धा ति ति ता ता धि धि धा ऽ धा धि
धि धा धा धि धि धा धा ति ति ता ता धि धि धा ऽ धा
धि धि धा धा धि धि धा धा ति ति ता ता धि धि धा ऽ
×　　　२　　　०　　　३

७—धा धा धि धि । धा धा धि धि । धा ता ति ति । ता धा धि धि ।
× २ ० ३

८— धि धि धा धा । धि धि धा धा । ति ति ता ता । धि धिधा धा ।
× २ ० ३

पेशकार

×
धीक्ड़धिधा ऽधाधिधा धातित्धातित् धाधा धिता
२
तित्धाऽगधा धिधातिरकिट धाक्ड़धाति धाधाधिता
०
तीक्ड़तिता ऽतातिता तातित् तातित् ताताितता
३
तित्धागधा धिधातिरकिट धाक्ड़धाति धाधाधिधा

×
२—धीक्ड़धिधा ऽधाधिधा ऽधाधिधा धाधाधिधा
२
तित्धाऽगधा धिधाधाती धाक्ड़धाती धाधाधिधा
०
किटतकतिता किटतकतिगतिना ग्निनातागेतिरकिट तागेतिरकिटतीनागीना
३
तिटधिड़ानधा धिताधाक्रि धाधिताधा क्रिधाधिता
×
३—धाऽऽधिनकतिटे धाधाधिता ऽधाधिता धाधाधिता
२
धीक्ड़धिनकतिटे धागेत्रकधिनागिना ऽधाधिता धाधाधित
०
ऽत्रकतिता ऽत्रकतिता किटतकतिरकिटतकतातिरकिट धाधाधिता

३
ऽऽऽधिनकतिट धाधाधिता घेतकघेतकधिन धाधाधिता

×
४—ऽऽघेतकधिन धाधाधिता ऽऽधाधाधिता धातित्धाधाधिता

२
घेनकतिन्नतागेतिरकिट धाधाधिता ऽऽधाधाधिता धातित्धाधाधिता

०
ऽऽऽकेतकतिन तातातिता ऽतातातिता तातित्तातातिता

३
घेनकतिन्नतागेतिरकिट धाधाधिता ऽऽधाधाधिता धातित्धाधातिता

×
५—ऽऽधाधाधिता धातिधाधाधिता किटतकतिरकिटतकतातिरकिट धाधाधिता

२
धातीधातीधाधा धिधाधातीधाती धाधाधिधाधाती धातीधाधाधिधा

०
ऽऽतातर्तिता तातितातातिंता किटतकतिरकिटतकतातिरकिट धाधाधिंता

३
धातीधातीधाधा धिंधाधातीधाती धाधाधिंधाधाती धातीधाधाधिंधा

×
६—धाधाधिंताधा तीधाधाधिता ऽधाधिताधा तीधाधाधिंता

२
धाधाधिंताधा तीधाधाधिंता ऽधाधिंताधा तीधाधाधिंता

०
तातातिंताता तीतातातिंता ऽतातिंताता तीतातानिता

३
धाधाधिंताधा तीधाधाधिंता ऽधाधिंताधा तीधाधाधिंता

×

७—तित्धाऽगधा ऽधाऽगधा किटतकतिरकिटतकतातिरकिट धाधाधिंधा

२

धिरधिरकत्धिरधिरकत् धाधाधिंता तकतकतकतकतकतकतकतक धाधाधिंधा

०

तित्ताकता ऽताऽकता किटतकतिरकिटतकतातिरकिट धाधाधिंधा

३

धिरधिरकत्धिरधिरकत् धाधाधिंता तकतकतकतकतकतकतकतक

धाधाधिंता

×

८—धीक्ड़धिंधा ऽधाधिंधा धातीधाती धाधाधिंधा

२

धिन्नधगेनधाऽधगेन धात्रकधागेनधागेधिनागिन धागेतिटेधागेत्रकधिनगिना

०

धागेतिटेधागेत्रकधिनगिना । ऽत्रकतिंता ऽत्रकतिंता

३

धिनकतिन्नतागेतिरकिट धाधाधिंता ऽ,तकिट,धाऽन,धाऽन

धा,ऽ,ऽ,तकिट धाऽन,धाऽन,धा,ऽ ऽतकिट,धाऽन,धाऽन
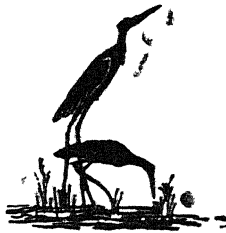
क़ायदा नं० १

×			
धातिरकिटतक	तिरकिटधागे	नधातिरकिट	धिनगिन
२			
धागेनधा	तिरकिटधिन	गिनधागे	तूनागिन
०			
तातिरकिटतक	तिरकिटतागे	नतातिरकिट	तिनगिन
३			
धागेनधा	तिरकिटधिन	गिनधागे	तूनागिन

पल्टे

×			
१—धातिरकिटतक	तिरकिटधातिर	क्टितकतिरकिट	धिनगिन
२			
धागेनधा	तिरकिटधिन	गिनधागे	तूनागिन
०			
तातिरकिटतक	तिरकिटतातिर	किटतकतिरकिट	तिनगिन
३			
धागेनधा	तिरकिटधिन	गिनधागे	तूनागिन

×			
२—धागेनधा	तिरकिटधागे	नधातिरकिट	धातिरकिटतक

२
धागेनधा तिरकिटधिन गिनधागे तूनागिन
०
नागेनता तिरकिटतागे नतातिरकिट तातिरकिटतक
३
धागेनधा तिरकिटधिन गिनधागे तूनागिन

×
३—धातिरकिटतक तिरकिटधातिर किटतकतिरकिट धातिरकिटतक
२
धातिरकिटतक तिरकिटधिन गिनधागे तूनागिन
०
तातिरकिटतक तिरकिटतातिर किटतकतिरकिट तातिरकिटतक
३
धातिरकिटतक तिरकिटधिन गिनवागे तूनागिन

×
४—धागेनधा तिरकिटधिन ऽऽधागे नधातिरकिट
२
धागेनधा तिरकिटधिन गिनधागे तूनागिन
०
तागेनता तिरकिटतिन ऽऽतागे नतातिरकिट
३
धागेनधा तिरकिटधिन गिनधागे तूनागिन

×
५—धागेनधा तिरकिटधिन ऽऽधागे नधातिरकिट

२			
ऽऽधागे	नधातिरकिट	धिनधागे	तूनागिन
०			
तागेनता	तिरकिटतक	ऽऽतागे	नतातिरकिट
३			
ऽऽधागे	नधातिरकिट	धिनधागे	तूनागिन

×			
६—धातिरकिटतक	तिरकिटधातिर	किटतकतिरकिट	धातिरकिटतक
२			
धातिरकिटतक	तिरकिटधातिर	किटतकतिरकिट	तूनागिन
०			
तातिरकिट तक	तिरकिटतातिर	किटतकतिरकिट	तातिरकिट तक
३			
धातिरकिटतक	तिरकिटधातिर	किटतकतिरकिट	तूनागिन

×			
७-- धातिरकिटतक	तिरकिटधिन	धातिरकिटतक	तिरकिटधिन
२			
धातिरकिटतक	तिरकिटधिन	गिनधागे	तूनागिन
०			
तातिरकिटतक	तिरकिटतिन	तातिरकिटतक	तिरकिटतिन
३			
धातिरकिटतक	तिरकिटधिन	गिनधागे	तूनागिन

×

-- धिनधातिर   किटतकधातिर   किटतकधातिर   किटतकधातिर

२

किटतकधातिर   किटतकधिन   गिनधागे   तूनागिन

०

तनतातिर   किटतकतातिर   किटतकतातिर   किटतकतातिर

३

किटतकधातिर   किटतकधिन   गिनधागे   तूनागिन

तिहाई

×

धातिरकिटतक   तिरकिटधिन   ऽ,धातिर   किटतकतिरकिट

२

धाऽ   ऽ,धातिर   किटतकतिरकिट   धाऽ

०

ऽ,धातिर   किटतकतिरकिट   धाऽ   धातिरकिटतक

३

तिरकिटधिन   ऽ, धातिर   किटतकतिरकिट   धाऽ

×

ऽ,धातिर   किटतकतिरकिट   धाऽ   ऽ,धातिर

२

किटतकतिरकिट   धाऽ   धातिरकिटतक   तिरकिटधिन

०

ऽधातिर   किटतकतिरकिट   धाऽ   ऽ,धातिर

३

किटतकतिरकिट   धाऽ   ऽ,धातिर   किटतकतिरकिट

×

धा

कायदा नं० २

×
धातिरकिटधि　किटकत　घिनधागे　नधातिट
२
धाऽक्धि　किटघिन　धागेन्नक　तूनाकता
०
तातिरकिटति　किटकत　किनतागे　नतातिट
३
धाऽक्धि　किटघिन　धागेन्नक　तूनाकता

पल्टे

×
१– धातिरकिटधि　किटकत　धातिरकिटधि　किटकत
२
धाऽक्धि　किटघिन　धागेन्नक　तूनाकत्ता
०
तातिरकिटति　किटकत　तातिरकिटति　किटकत
३
धाऽक्धि　किटघिन　धागेन्नक　तूनाकता
×
२–धाऽक्धि　किटघिन　ऽऽक्धि　किटघिन
२
धाऽक्धि　किटघिन　धागेन्नक　तूनाकता
०
ताऽक्ति　किटकिन　ऽऽक्धि　किटकिन
३
धाऽक्धि　किटघिन　धागेन्नक　तूनाकता

×

३—धातिरकिटधि	किटकत	घिनधागे	नधातिट

२

धागेनधा	तिटधागे	नधातिट	तूनाकता

०

तातिरकिटति	किटकत	किनतागे	नतातिट

३

धागेनधा	तिटधागे	नधातिट	तूनाकता

×

४—धातिरकिटधि	किट,धातिर	किटधि,किट	कतकत

२

धाऽकृधि	किटघिन	धागेत्रक	तूनाकता

०

तातिरकिटति	किट,तातिर	किटति,किट	कतकत

३

धाऽकृधि	किटघिन	धागेत्रक	तूनाकता

×

५—धातिरकिटधि	किट,धातिर	किटधि,किट	धातिरकिटधि

२

किट,धातिर	किटधि,किट	धागेत्रक	तूनाकता

०

तातिरकिटति	किट,तातिर	किटति,किट	तातिरकिटति

३

किटधातिर	किटधि,किट	धागेत्रक	तूनाकता

×

६—घिनधागे	नधातिट	ऽऽधागे	नधातिट

२

ऽऽधागे	नधातिट	धागेत्रक	तूनाकता

०
किनतागे   नतातिट   ऽऽतागे   नतातिट
३
ऽऽधागे   नधातिट   धागेत्रक   तूनाकता
×
७—धागेनधा   तिटतिट   धागेनधा   तिटतिट
२
धागेनधा   तिटतिट   धागेत्रक   तूनाकता
०
तागेनता   तिटतिट   तागेनता   तिटतिट
३
धागेनधा   तिटतिट   धागेत्रक   तूनाकता
×
८—धाऽक्धि   किटघिन   क्धिकिट   क्धिकिट
२
धाऽक्धि   किटघिन   धागेत्रक   तूनाकता
०
ताऽक्ति   किटकिन   क्तिकिट   क्तिकिट
३
धाऽक्धि   किटघिन   धागेत्रक   तूनाकता

तिहाई

×
धातिरकिटधि   किटकत   धागेत्रक   तूनाकता
२
धाऽ   धागेत्रक   तूनाकता   धाऽ
०
धागेत्रक   तूनाकता   धाऽ   धातिरकिटधि

३
किटकत   धागेत्रक   तूनाकता   धाऽ

×
धागेत्रक   तूनाकता   धाऽ   धागेत्रक

२
तूनाकता   धाऽ   धातिरकिटधि   किटकत

०
धागेत्रक   तूनाकता   धाऽ   धागेत्रक

३
तूनाकता   धाऽ   धांगेत्रक   तूनाकता

कायदा नं० ३

×
धातिरकिटधा   गेनतक्   धिरधिरकिटतक   तातिरकिटतक

२
तक्कध   गेन,तिरकिट   तकता,तिरकिट   धिनगिन

०
तातिरकिटता   गनतक्   तिरतिरकिटतक   तातिरकिटतक

३
तक्कध   गेन,तिरकिट   तकतातिरकिट   धिनगिन

पल्टे

×
१– धातिरकिटधा   गेनतक्   धातिरकिटधा   गेनतक्

२
धातिरकिटधा   गेन,तिरकिट.   तकतातिरकिट   धिनगिन

०
तातिरकिटता   गेनतक्   तातिरकिटता   गेनतक्
३
धातिरकिटधा   गेन,तिरकिट   तकतातिरकिट   धिनगिन
×
२–धिरधिरकिटतक   तातिरकिटतक   धिरधिरकिटतक   तातिरकिटतक
२
तक्कध   गेनतिरकिट   तकतातिरकिट   धिनगिन
०
तिरतिरकिटतक   तातिरकिटतक   तिरतिरकिटतक   तातिरकिटतक
३
तक्कध   गेन,तिरकिट   तकतातिरकिट   धिनगिन
×
३–धातिरकिटधा   गेन,धातिर   किटधा,गेन   त क्तक्
२
तक्कध   गेन,तिरकिट   तकतातिरकिट   धिनगिन
०
तातिरकिटता   गेन,तातिर   किटता,गेन   तक् तक्
३
तक्कध   गेन,तिरकिट   तकतातिरकिट   धिनगिन
×
४- धातिरकिटधा   गेनतक्   ऽऽऽधा   गेनतक्
२
ऽऽऽधा   गेनतक्   धिरधिरकिटतक   तातिरकिटतक
०
तातिरकिटता   गेनतक्   ऽऽऽता   गेनतक्
३
ऽऽऽधा   गेनतक्   धिरधिरकिटतक   तातिरकिटतक

×			
५–तिरकिटधातिर	किटधा,गेन	तिरकिटधातिर	किटधा,गेन
२			
तिरकिटधातिर	किटधा,गेन	धिरधिरकिटतक	तातिरकिटतक
०			
तिरकिटतातिर	किटता,गेन	तिरकिटतातिर	किटता,गेन
३			
तिरकिटधातिर	किटधा,गेन	धिरधिरकिटतक	तातिरकिटतक
×			
६–तक्,धिरधिर	किटतक,तक्	धिरधिरकिटतक	तातिरकिटतक
२			
तक्कध	गेन,तिरकिट	तकतातिरकिट	धिनगिन
०			
तक्,तिरतिर	किटतक,तक्	तिरतिरकिटतक	तातिरकिटतक
३			
तक्कध	गेन,तिरकिट	तकतातिरकिट	धिनगिन
×			
७- तक्तक्	धिरधिरकिटतक	तक्तक्	धिरधिरकिटतक
२			
तातिरकिटतक	ऽ,तिरकिट	तकतातिरकिट	धिनगिन
०			
तक्तक्	तिरतिरकिटतक	तक्तक्	तिरतिरकिटतक
३			
तातिरकिटतक	ऽ,तिरकिट	तकतातिरकिट	धिनगिन
×			
८- तकतकतकतक	धातिरकिटतक	तकतकतकतक	धातिरकिटतक

२

तक्कध गेन,तिरकिट तकतातिरकिट धिनगिन

०

तकतकतकतक तातिरकिटतक तकतकतकतक तातिरकिटतक

३

तक्कध गेन,तिरकिट तकतातिरकिट धिनगिन

तिहाई

× २

तक्कध गेन,तिरकिट तकतातिरकिट धिनगिन । धा,तिरकिट

०

तकतातिरकिट धिनगिन धा,तिरकिट । तकतातिरकिट धिनगिन

३

धाऽ तक्कध । गेन,तिरकिट तकतातिरकिट धिनगिन

×

धा,तिरकिट । तकतातिरकिट धिनगिन धा,तिरकिट तकतातिरकिट ।

२ ०

धिनगिन धाऽ तक्कध गेन,तिरकिट । तकतातिरकिट

३

धिनगिन धा,तिरकिट तकतातिरकिट । धिनगिन धा,तिरकिट

×

तकतातिरकिट धिनगिन । धा

कायदा नं० ४

× २

धीनाऽ धातिरकिट तकतिरकिट धागेन । धातिरकिट धागेन

०　　　　　　　　　　　　　　३

धागेधि　नगिन　।　घिडन　गतिर　किटधा　गेनिट　।　धात्रक

×

धिक्टि　घिनतू　नागिन　।　तीनाऽ　तातिरक्टि　तकतिरकिट

२　　　　　　　　　　　　　　०

तागेन　।　तातिरकिट　तागेन　तागेति　नगिन　।　धिडन　गतिर

३

किटधा　गेतिट　।　धात्रक　धिकिट　घिनत्　नागिन

पल्टे

×

१—धीनाऽधातिरकिट तकतिरकिट,धागेन धीनाऽधातिरकिट तकतिरकिट,धगेन

२

घिडनगतिर　किटधागेतिट　धात्रकधिकिट　घिनतूनागिन

०

तीनाऽतातिरकिट तकतिरकिट,तागेन तीनाऽतातिरकिट तकतिरकिटतागेन

३

धिड़नगतिर　किटधागेतिट　धात्रकधिकिट　घिनतूनागिन

×

२—धीनाऽधातिरकिट तकतिरकिट,धागेन धीनाऽधातिरकिट तकतिरकिट,धागेन

२

धीनाऽधातिरकिट　तकतिरकिट,धागेन　धातिरकिटधागेन　धागेधिनगिन

०

तीनाऽतातिरकिट तकतिरकिट,तागेन तीनाऽतातिरकिट तकतिरकिट,तागेन

३

धीनाऽधातिरकिट तकतिरकिट,धागेन धातिरकिटधागेन धागेधिनगिन

×			
३–धातिरकिटधागेन	धागेधिनगिन	धगेनधागेधि	नगिनधगेन
२			
धागेधिनगिन	धागेतिनगिन	धात्रकधिकिट	धिनतूनागिन
०			
तातिरकिटतागेन	तागेतिनगिन	तगेनतागेति	नगिनतगेन
३			
धागेधिनगिन	धागेतिनगिन	धात्रकधिकिट	धिनतूनागिन
×			
४–धातिरकिटधागेन	धागेधिनगिन	ऽ,धगेन	धागेधिनगिन
२			
घिड़नगतिर	किटधागेतिट	धात्रकधिकिट	घिनतूनागिन
०			
तातिरकिटतागेन	तागेतिनगिन	ऽ,तगेन	तागेतिनगिन
३			
घिड़नगतिर	किटधागेतिट	धात्रकधिकिट	धिनतूनागिन
×			
५–धात्रकधिकिट	धिनतूनागिन	धात्रकधिकिट	धिनतूनागिन
२			
घिड़नगतिर	किटधागेतिट	धात्रकधिकिट	घिनतूनागिन
०			
तात्रकतिकिट	किनतूनागिन	तात्रकतिकिट	किनतूनागिन
३			
घिड़नगतिर	किटधागेतिट	धात्रकधिकिट	धिनतूनागिन
×			
६–धिनगिनधिन	गिनधिनगिन	धात्रकधिकिट	घिनतूनागिन
२			
ऽ,धगेन	धागेधिनगिन	धातिरकिटधागेन ।	धागेधिनगिन ।

०
न्निगिगतिन गिनतिनगिन तात्रकतिकिट क्रिनतून।गिन

३
ऽ,ध्गेन धागेधिनगिन धातिरकिटधागेन धागेधिनगिन

×
७-धिनगिनधाऽ धिनगिनताऽ धिनग्रिनधाऽ धिनग्रिनताऽ

२
घिडनगतिर किटधागेतिट धात्रकधिकिट घिनतूनागिन

०
तिनगिनताऽ तिनग्रिनताऽ तिनग्रिनताऽ तिनगिनताऽ

३
घिड़नगतिर किटधागेतिट धात्रकधिकिट घिनतूनागिन

×
८-घिड़नगतिट तिटधागेतिट घिडनगतिट तिटधागेतिट

२
घिडनगतिट तिटधागेतिट धात्रकधिकिट घिनतूनाग्रिन

०
किडनगतिट तिटतागेतिट किडनगतिट तिटतागेतिट

३
घिडनगतिट तिटधागेतिट धात्रकधिकिट घिनतूनागिन

×
९-तिरकिटतकतिरकिटतक तिरकिटतक,ता धातिरकिटधागेन धागेधिनगिन

२
तिरकिटतकतिरकिटतक तिरकिटतक,ता धात्रकधिकिट घिनतूनागिन

०
तिरकिटतकतिरकिटतक तिरकिट,ता तातिरकिटतागेन तागेतिनगिन

३
तिरकिटतकतिरकिटतक तिरकिट,ता धात्रकधिकिट घिनतूनागिन

तिहाई

×
धिनाऽधातिरकिट तकतिरकिटतातिरकिट धाऽऽ तातिरकिट,धा
२
ऽ,तातिरकिट धा,धीनाऽ धातिरकिटतकतिरकिट तातिरकिट,धा
०
ऽ,तातिरकिट धाऽऽ तातिरकिट,धा धीनाऽधातिरकिट
३
तकतिरकिटतातिरकिट धाऽऽ तातिरकिट,धा ऽ,तातिरकिट

मोहरे और मुखड़े

१ एक मात्रा— क्डाधाति । धा (सम)

२ दो मात्रा— तिरकिटतक तातिरकिट । धा (सम)

३ " " — ऽ,तिरकिट तकतातिरकिट । धा (सम)

४ " " — तिटधागे नधागेन धा (सम)

५ तीसरी ताली से—

३ ×
धीनाऽ धातिरकिट तकतिरकिट तातिरकिट । धा

३ ×
६ क्रकधेत् ताऽत धाऽत धाऽत । धा

३ ×
७ तिरकिटतकतिर किटतकतिरकिट धा,तिरकिट धा,तिरकिट । धा

३ ×
८ तिरकिटधाती धाऽ धाती.धाऽ ऽऽधाती । धा

९ ख़.ली से—

० ३
धीनाऽत किटधिन धागेत्रक तूनाकता । धाऽत्रक

×
तूनाकता धाऽत्रक तूनाकता । धा

० ३
१० धीनाऽ धातिरकिट तकतिरकिट तातिरकिट । धा

×
तातिरकिट धा तातिरकिट । धा

०
११ धातीऽधा तिरकिटधाती नगनगतिरकिट तकतातिरकिट

३
धा,तिरकिट तकतातिरकिट धा,तिरकिट तकतातिरकिट

०
१२ धाऽऽधि नकधिन तकिटधि नकधिन ।

३
वड़ां,धाती धावड़ां धातीधाऽ वड़ांधाती ।

१३ दूसरी ताली से—

२ ०
वड़ां तिरकिट तकता तिरकिट । धा तिरकिट तकता

३ ×
तिरकिट । धा तिरकिट तकता तिरकिट । धा

२ ०
१४ धागे तूना किडनग नगतिर । किटतक तिरकिट तकता

३ ×
तिरकिट । धा तिरकिट धा तिरकिट । धा

२ ०
१५ धातीऽधा तीऽधाती धातिरकिटतक तातिरकिटतक । तिरकिटतकता

३
तिरकिटधाती धा तिरकिटतकता । तिरकिटधाती धा

×
तिरकिटतकता तिरकिटधाती । धा

२ ०
१६ धागेतू नाकिडनग तिरकिटतक तातिरकिट । धीनाऽ धातिरकिट

३ ×
धा धीनाऽ । धातिरकिट धा धीनाऽ धातिरकिट । धा

टुकड़े
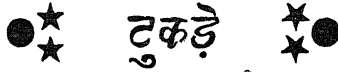
× २
१– धातिरकिटधा गेनताऽ धाऽदिड दिनताऽ । तकिटत

०
किटतक धिरधिरकिटतक दी । कत,धिरधिर किटतक,तकिट

३
धा कत,धिरधिर । किटतकतकिट धा कत,धिरधिर
किटतक,तकिट ।

× २
२– धाऽनधा तिरकिट,धे त्तातिरकिट धेत्ता । किडनगतिरकिट

०
तकतातिरकिट धगेनध गेनकत् । धातिरकिटधा तिरकिट,कत्
३
धाकत् धातिरकिटधा । तिरकिट,कत् धाकत् धातिरकिटधा
तिरकिट,कत्
×
३- तिरकिट,धेत् तिरकिट,धेत् धातिरकिटतक तातिरकिटतक ।
२
धाधीनाधा तूनाकता धाऽ .ऽ,त्रक । धेत्तिरकिट
३
तकतातिरकिट धात्रक धेत्तिरकिट । तकतातिरकिट
धात्रक धेत्तिरकिट तकतातिरकिट
×
४- ध तिटधा धातिटता धिरधिरकत् धिरधिरकत्
२
घिनडान धाऽ कत्धिरधिर किटतक,तकिट
०
धा,तकिट धा,कत धिरधिरकिटतक तकिट,धा
३
तकिटधा कत,धिरधिर किटतक,तकिट धा,तकिट
×
५- घेतिरकिटतक तागेतिट धागेत्रक तूनाकता
२
तकिटधा तिरकिटधाती धाऽ घिनड़ा
०
ऽनधाऽ तूना कऽत्त धाऽ

३
तिरकिटतकतिर किटतकतिरकिट धातिरकिटधा तीधातिरकिट
×
तातिरकिटधा तीधातिरकिट धातिरकिटतक तातिरकिटतक
२
तिरकिटतकतिर किटतकतिरकिट धा,तिरकिट धा;तिरकिट
०
धाऽ ऽ,तिरकिट धा,तिरकिट धा,तिरकिट
३
धाऽ ऽ,तिरकिट धा,तिरकिट धा,तिरकिट

× २
६- धिऽन्न धगेन धातिरकिट धगेन । धागेतू नकिड्नग

०
तिरकिटतक ता । धातिरकिट धागेन तातिरकिट धागेन ।

३ ×
धागेन तिरकिटतक धा तिरकिटतक । धा तिरकिटतक

२ ०
धा धागेन । तिरकिटतक धा तिरकिटतक धा । तिरकिटतक

३
धा धागेन तिरकिटतक : धा तिरकिटतक धा तिरकिटतक ।

७ चक्करदार—

× २
तक्ड़ां धा,घिड़नग तक्,घिड़नग तित्धागे । नधातिरकिट

०
धातित् धागेनधा तिरकिटधाँ । तित्धागे नधातिरकिट

३
धा तक्ड़ां । धा,घिड़नग तक्,घिड़नग तित्धागे

×
नधातिरकिट । धातित् धागेनधा तिरकिट,धा तित्धागे ।
२ ०
नधा,तिरकिट धा तक्ड़ां धा,घिड़नग । तक्,घिड़नग

३
तित्धागे नधातिरकिट धातित् । • धागेनधा तिरकिट,धा

तित्धागे नधातिरकिट

×
८- धाऽनधिकिट धात्रकधिकिट कत्तिटतिट तकिटताऽन
२
ताऽक्र धाऽनधाऽन धाऽक्र धाऽनधाऽन
०
धाऽक्र धाऽनधाऽन धा धाऽनधिकिट
३
धात्रकधिकिट कत्तिटतिट तकिटताऽन ताऽक्र

×
धाऽनधाऽन धाऽक्र धाऽनधाऽन धाऽक्र
२
धाऽनधाऽन धा धाऽनधिकिट धात्रकधिकिट
०
कत्तिटतिट तकिटताऽन ताऽक्र धाऽनधाऽन

३
धाऽक्र धाऽनधाऽन धाऽक्र धाऽनधाऽन

गतें
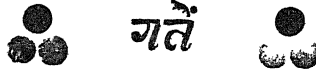
×　　　　　　　　　　　　२
१– धाऽऽ　धातिट　घेनाऽ　घेतिट　।　धागेतू　नाक्डिनग
　　　　　　　　　　　　　○
तिरकिटतक　तातिरकिट　।　ताऽऽ　तातिट　केनाऽ
　　　　３
केतिट　।　धागेतू　नाकिड़नग　तिरकिटतक　तातिरकिट

×　　　　　　　　　２
२–धा　ऽधि　नक　धिन　। तकि　टधि　नक　धिन ।
○　　　　　　　　३
धाधि　ऽना　धाति　ऽना　।　धिरधिर किटतक तातिर किटतक ।
×　　　　　　२
ता　ऽति　नक　तिन । तकि　टति　नक　तिन　।
○　　　　　　३
धाधि ऽना धाति ऽना । धिरधिर　किटतकं　तातिर　किटतक ।

३ तिपल्ली गत—

×
धिऽन्न　धगेन　धाऽऽ　धगेन
२
धात्रक　धगेन　धागेधि　नगिन
○
धिन्नध　गेनधाऽ　धागेत्रक　धिनगिन
३
धिन्नधगेन　धा,धगेन　धात्रकधगेन　धागेधिनगिन

उपरोक्त गत का चक्करदार

× २
धिऽन्न धगेन धाऽऽ धगेन । धात्रक धगेन धागेधि नगिन ।
० ३
धिन्नध गेनधाऽ धागेत्रक धिनगिन । धिन्नधगेन धा,धगेन
×
धात्रकधगेन धागेधिनगिन । धा धिन्नधगेन धा,धगेन
२
धात्रकधगेन । धागेधिनगिन धा धिन्नधगेन धा,धगेन ।
० ३
धात्रकधगेन धागेधिनगिन धा धिऽन्न । धगेन धाऽऽ
×
धगेन धात्रक । धगेन धागेधि नगिन धिन्नध । गेनधाऽ
०
धागेत्रक धिनगिन धिन्नधगेन । धा,धगेन धात्रकधगेन
३
धागेधिनगिन धा । धिन्नधगेन धा,धगेन धात्रकधगेन
×
धागेधिनगिन । धा धिन्नधगेन धा,धगेन धत्राकधगेन ।
०
धागेधिनगिन धा धिऽन्न धगेन : धाऽऽ धगेन
३
धात्रक धगेन । धागेधि नगिन धिन्नध गेनधाऽ ।
× २
धागेत्रक धिनगिन धिन्नधगेन धा,धगेन । धात्रकधगेन

०
धागेधिनगिन धा धिन्नधगेन । धा,धगेन धात्रकधगेन
३
धागेधिनगिन धा । धिन्नधगेन धा,धगेन धात्रकधगेन
धागेधिनगिन

४ चौपल्ली गत—

×   २
धिना ऽत किट धिन । धागे त्रक तूना कना
०   ३
धिनाऽ तकिट धिनधा गेतिट । धागेति टधागे त्रक्तू
×   २
नाकता । धागेतिट धागेत्रक तूनाकता धागेतिट । धागेनधा
०
तिरकिट,धि धागेत्रक तूनाकता । धागेतिटधागे त्रकतूनाकता
३
धाऽतूनाकता धागेतिटधागे । त्रकतूनाकता धाऽतूनाकता
धागेतिटधागे त्रकतूनाकता

×
१- धिंतिरकिटतक तागेतिट कताऽक ताऽकत ।
२
कताधिन कताधिन धातिरकिटधि नर्काधिन ।

०				
कत्तिट	घेघेतिट	घ्ड़ाँन्न	घेघेतिट	।
३				
किड़नग	तिरकिट	तकिट्धा	ऽनधाऽ	।
×				
दीं,घेघे	दींता	घेघेदीं	ता	।
२				
धाऽकृधा	ऽनधाऽ	कृधाऽन	धेत्ता	।
०				
तिरकिट,धे	त्ता,किड़	नग,तिरकिट	धेत्ता	।
३				
धिनकधि	नकतिरकिट	धाऽऽत	धाऽऽत	।
×				
धा	ऽ,किड़	नगतिरकिट	धेत्ता	।
२				
धिनकधि	नकतिरकिट	धाऽऽत	धाऽऽत	।
०				
धा	ऽ,किड़	नगतिरकिट	धेत्ता	।
३				
धिनकधि	नकतिरकिट	धाऽऽत	धाऽऽत	।

बढ़ैया पटन्न

×
२—त्रकधे ऽत्ता तिरकिट तकता । तिरकिट धाती

०
धाऽऽधि नकधिन । तकिटधि नकधिन धिटधिट कृधाऽन ।

३ ×
तिटतिट कृधाऽन तिरकिटधेत् तिरकिटधेत् । धातिरकिटतक ता
२
धिरधिरकत् धिरधिरकत् । ऽघि ऽन्त धा धिरधिरकत् ।
० ३
धिरधिरकत् ऽघि ऽन्त धा । धिरधिरकत् धिरधिरकत्
× २
ऽघि ऽन्त । धा ऽऽ धिरधिरकत् धिरधिरकत् । ऽघि
०
ऽन्त धा धिरधिरकत् । धिरधिरकत् ऽघि ऽन्त धा
३ ×
धिरधिरकत् धिरधिरकत् ऽघि ऽन्त । धा ऽऽ धिरधिरकत्
२ ०
धिरधिरकत । ऽघि ऽन्त धा धिरधिरकत् । धिरधिरकत् ऽघि ऽन्त
३
धा । धिरधिरकत् धिरधिरकट् ऽघि ऽन्त

नोट—उपरोक्त परन की विशेषता यह है कि उसके तिहाई को अंत मे एक मात्रा रुककर जितने बार बजाइए, हर बार अंतिम धा सम पर आएगा |

३ तिस्त्र जाति—

× २
कत्ति टतिट कटित तगेन । धातिरकिट धागेन
०
तातिरकिट धागेन । धिटधि टधिट धिकिट तगेन ।

३ ×
कत्तिट तगेन धिकिट तगेन । किड़न गतिर
२
क्रिटधे ऽत्ताऽ । तिरकिटतक तातिरकिट धा तिरकिटतक
० ३
तातिरकिट धा तिरकिटतक तातिरकिट । धा ऽ
×
तिरकिटतक तातिरकिट । धा तिरकिटतक तातिरकिट
२ ०
धा । तिरकिटतक तातिरकिट धा ऽ । तिरकिटतक
३
तातिरकिट धा तिरकिटतक । तातिरकिट धा
तिरकिटतक तातिरकिट

४ मिश्र जाति (झूलना परन)

× २
धगेन धगतिट तगेन धगेतिट । कतिट नतधिन
०
कत्तिरकिट धातिरकिटतक । घिनन कत्तिट तिनन घेघेतिट ।
३ ×
घेतिट धागेतूना किड़नगधाऽ तीधातूना । तिरकिटतक
२
धिरधिरकिटतक धाऽक्त धाऽतिट । घिऽन्न धाऽकत
०
धाऽक्त धाऽतिट । थुंऽत ननन नाऽक्त धानधान
३ ×
धाऽक्त धानधान धाऽक्त धानधान । धाऽत किटना

२
धाऽक्र धानधान । धाऽक्र धानधान धाऽक्र धानधान
०　　　　　　　　　　　　३
धाऽत किटताऽ धाऽक्र धानधान । धाऽक्र धानधान
धाक्र धानधान

५ साधारण चक्करदार

× •
धात्रकधि नकधिन तक्धिन तक्धिन
२
धिरधिरकिटतक तातिरकिटतक तक्डाँ धा,धाति ।
०
धा कत्,धिरधिर किटतकतकिट धा,तकिट ।
३
धा,कत् कत्,धिरधिर किटतकतकिट धा,तकिट ।
×
धा,कत् कत्धिरधिर किटतकतकिट धा,तकिट ।
२
धा ऽ धात्रकधि नकधिन ।
०
तक्धिन तक्धिन धिरधिरकिटतक तातिरकिटतक ।
३
तक्ड़ा धा,धाती धा कत्,घिरधिर ।
×
किटतकतकिट धा,तकिट धाकत् कत्धिरधिर ।
२
किटतकतकिट धा,तकिट धाकत् कत्धिरधिर ।

०
किटतकतकिट धा,तकिट धा ऽ ।
३
धात्रकधि नकधिन तक्धिन तक्धिन ।
×
धिरधिरकिटतक तातिरकिटतक तक्ड़ां धा,धाति ।
२
धा कत्,धिरधिर किटतकतकिट धा,तकिट ।
०
धाकत् कत्,धिरधिर किटतकतकिट धा,तकिट ।
३
धाकत् कत्,धिरधिर किटतकतकिट धा,तकिट ।

६ फरमाइशी चक्करदार—

×
धातीऽधा तिरकिटधाती धातिरकिटतक धा,घिन ।
२
कत्,तिरकिट तकधिरकिटतक धा,किटतक तेत् ।
०
धिनकधि नकधिन धागेतिरकिट तकतिरकिटतक ।
३
धातिरकिटतक तक्ड़ां धाऽत धाऽत ।
×
धा धातिरकिटतक तक्ड़ाँ धाऽत ।
२
धाऽत धा धातिरकिटतक तक्ड़ां ।

०
धाऽत धाऽत धा धातीऽधा ।
३
तिरकिट,धाती धातिरकिटतक धाघिन कत्,तिरकिट ।
×
तकधिरकिटतक धा;किटतक तेत् धिनकधि ।
२
नकधिन धागेतिरकिट तकतिरकिटतक धातिरकिटतक ।
०
तक्ड़ां धाऽत धाऽत धा ।
३
धातिरकिटतक तक्ड़ां धाऽत धाऽत ।
×
धा धातिरकिटतक तक्ड़ां धाऽत ।
२
धाऽत धा धातीऽधा तिरकिट,धाती ।
०
धातिरकिटतक धाघिन कत् ,तिरकिट तकधिरकिटतक ।
३ ×
धा,किटतक तेत् धिनकधि नकधिन । धागेतिरकिट
२
तकतिरकिटतक धातिरकिटतक तक्ड़ां । धाऽत धाऽत धा
० ३
धातिरकिटतक तक्ड़ां धाऽन धाऽत धा । धातिरकिटतक
तक्ड़ां धाऽ धाऽत

७ फरमाइशी चक्करदार—

×　　　　　　　　　　　　　　　　　　२
धीक्डधि　नगतिट　धातिरकिटधा　तीधागेन　।　तकिटधि

　　　　　　　　　　　　०
नगतिट　धातिरकिटतक　ता　।　कत्धातिर　किटतकतिरकिट

　　　　　　　३
धा　ऽ,धातिर　।　किटतकतिरकिट　धा　ऽ,धातिर

　　　　　×
किटतकतिरकिट　।　धा　ऽ　कत्धातिर　किटतकतिरकिट
२　　　　　　　　　　　　　　　०
धा　ऽ,धातिर　किटतकतिरकिट　धा　।　ऽ,धातिर

　　　　　　　　　　३
किटतकतिरकिट　धा　ऽ　।　कत्धातिर　किटतकतिरकिट

　　　　　　　×
धा　ऽ,धातिर　।　किटतकतिरकिट　धा　ऽ,धातिर

　　　　　　　२
किटतकतिरकिट　।　धा　ऽ　धीक्ड़धि　नगतिट　।
०　　　　　　　　　　　　　　　३
धातिरकिटधा　तीधागेन　तकिटधि　नगतिट　।　धातिरकिटतक

　　　　　　　　　　　　　　×
ता　कत्धातिर　किटतकतिरकिट　।　धा　ऽ,धातिर

　　　　　　　२
किटतकतिरकिट　धा　।　ऽ,धातिर　किटतकतिरकिट　धा　ऽ　।
०　　　　　　　　　　　　　　　३
कत्धातिर　किटतकतिरकिट　धा　ऽ,धातिर　।　किटतकतिरकिट

×
धा ऽ,धातिर किटतकतिरकिट । धा ऽ
२
कत्धातिर किटतकतिरकिट । धा ऽ,धातिर कितकतिरकिट
०
धा । ऽ,धातिर किटतकतिरकिट धा ऽ ।
३ ×
धीक्ड़धी नगतिट .धातिरकिटधा तींधागेत । तकिटधि
२
नगतिट धातिरकिट ता । कत्धातिर किटतकतिरकिट
०
धा ऽ,धातिर । किटतकतिरकिट धा ऽ,धातिर
३
किटतकतिरकिट । धा ऽ कत्धातिर कितकतिरकिट
× २
धा ऽ,धातिर किटतकतिरकिट धा । ऽ,धातिर
०
किटतकतिरकिट धा ऽ । कत्धातिर किटतकतिरकिट
३
धा ऽ,धातिर । किटतकतिरकिट धा ऽ,धातिर
किटतकतिरकिट

८ कमाली चक्करदार

× २
धिनक तकिट धिनघे घेनक । धातीघागे नधातिरकिट

धा,तिरकिट धा । तग़तिर किटतक धातिरकिटतक तक्ड़ां ।
३ ×
धा तक्ड़ां धा तक्ड़ां । धा धा धा
२ ०
धातिरकिट । तक्डांधा धा तक्ड़ां । तक्ड़ां धा
३
धा धा । धातिरकिट तक्ड़ां धा तक्ड़ां
× २
धा तक्ड़ां धा धा • । धा ऽ धिनक
० ३
तकिट । घिनघे घेनक धातीधागे नधातिरकिट । धातिरकिट
×
धा तगतिर किटतक । धातिरकिटतक तक्ड़ां धा
२ ०
तक्ड़ां । धा तक्ड़ां धा धा धा
३
धातिरकितक तक़्ड़ा धा । तक्ड़ां धा तक्ड़ां
× २
धा । धा धा धातिरकिटतक तक्ड़ां । धा
०
तक़्ड़ां धा तक्ड़ां । धा धा धा ऽ ।
३ ×
धिनक तकिट धिनघे घेनक । धातीधागे नधातिरकिट
२
धा,तिरकिट धा । तगतिर किटतक धातिरकिटतक तक्ड़ां ।
० ३
धा तक्ड़ां धा तक्ड़ां । धा धा धा

×　　　　　　　　　　　　　　　　　　२
धातिरकिटतक । तक्डां धा तक्डाँ धा । तक्डां

　　　　　　　　　　३
धा धा धा । धातिरकिटतक तक्डा धा

　　　　　　　　　　३
तक्डा । धा तक्डां धा धा

रेला

×　　　　　　　　　　२
धाऽ तिर्रकिट तकता तिरकिट । धाऽ तिरकिट तकता तिरक्टि

०　　　　　　　　　　३
ताऽ तिरकिट तकता तिरकिट । धाऽ तिरकिट तकता तिरकिट

१　धाऽ तिरकिट तकता तिरकिट । तकता तिरकिट तकता तिरकिट
　　ताऽ तिर्रकिट तकता तिरकिट । तकता तिरकिट तकता तिरकिट

२　धाऽ तिरकिट तकता तिरकिट । तकता तिरकिट धा ऽ ।
　　ताऽ तिरकिट तकता तिरकिट । तकता तिरकिट धा ऽ ।

३　तिरतिट तकता तिरकिट धा । तिरकिट तकता तिरकिट धा ।
　　तिरकिट तकता तिरकिट ता । तिरकिट तकता तिरकिट धा ।

४　ऽ तिरकिट तकता तिरकिट । धातिर किटतक तातिर किटतक ।
　　ऽ तिरकिट तकता तिरकिट । धातिर किटतक तातिर किटतक ।

५ ऽ तिरकिट तकता तिरकिट । तकता तिरकिट धा ऽ ।
ऽ तिरकिट तकता तिरकिट । तकता तिरकिट धा ऽ ।

६ तिरकिट तकतिर किटतक तिरकिट । तकता तिरकिट धा ऽ ।
तिरकिट तकतिर किटतक तिरकिट । तकता तिरकिट धा ऽ ।

७—ऽ धातिर किटतक तिरकिट । धातिर किटतक तिरकिट धा ।
ऽ तातिर किटतक तिरकिट । धातिर किटतक तिरकिट धा ।

८—धातिर किटतक तिरकिट धा । धातिर किटतक तिरकिट धा ।
तातिर किटतक तिरकिट ता । धातिर किटतक तिरकिट धा ।

तिहाई

धातिर किटतक तिरकिट धा । ऽ तिरकिट तकता तिरकिट ।

धा ऽ ऽ तिरकिट । तकता तिरकिट धा ऽ

ऽ तिरकिट तकता तिरकिट । धा ऽ धातिर किटतक

तिरकिट धा ऽ तिरकिट । तकता तिरकिट धा ऽ ।

ऽ तिरकिट तकता तिरकिट । धा ऽ ऽ तिरकिट ।

तकता तिरकिट धा ऽ । धातिर किटतक तिरकिट धा ।

ऽ तिरकिट तकता तिरकिट । धा ऽ ऽ तिरकिट ।

तकता तिरकिट धा ऽ । ऽ तिरकिट तकता तिरकिट ।

×
धा

झपताल

परिचय—

यह काफ़ी प्रचलित तालों में से है। तबले पर बजाए जाने वाले तालों में इसका महत्वपूर्ण स्थान है। अपने ढंग का यह अनूठा ताल है अर्थात् इसके अनुरूप कोई और ताल नहीं। इसके समान मात्रा का ताल सूलफाक अवश्य है। लेकिन इसके स्वरूप से वह सर्वथा भिन्न है। बोलों की रचना को देखा जाए तो मालूम होगा कि तीन ताल की भांति इसका प्रयोग अत्यधिक विलम्बित लय में नहीं होता। कभी कभी तो इस ताल में बड़ा ख्याल सुनने को मिल जाता है। इसके अतिरिक्त इस ताल में छोटा ख्याल ग़जल और गीत गाए जाते हैं। इस ताल में सोलो वादन भी होता है। दो और तीन मात्राओं के क्रमश: विभाग होने के कारण यह ताल कुछ झूलता हुआ चलता है, जो कि श्रृंगार रस की सृष्टि में योग देता है। यही कारण है कि यह ताल श्रोताओं को झूम उठने के लिए बाध्य कर देता है। फल—स्वरूप संगीत के हर क्षेत्र में इसका प्रयोग होने लगा है।

स्वरूप—

झपताल १० मात्राओं का होता है। इसके ४ विभाग हैं। पहला विभाग दो मात्राओं का, दूसरा ३ मात्रा और तीसरा २

मात्रा व अंतिम विभाग ३ मात्राओं का है। पहली, तीसरी और आठवीं मात्रा पर ताली दी जाती है तथा छठवी मात्रा पर खाली है। इसका शास्त्रीय स्वरूप इस प्रकार "२ ३ ० ३" होगा।

ठाह लय

मात्रा–	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
ठेका–	धी	ना	धी	धी	ना	ती	ना	धी	धी	ना
तालचिन्ह–	×		२			०		३		

ठेका कुआड़ लय में–

धीऽऽऽना ऽऽऽधीऽ । ऽऽधीऽऽ ऽनाऽऽऽ तीऽऽऽना ।

ऽऽऽधीऽ ऽऽधीऽऽ । ऽनाऽऽऽ धीऽऽऽना ऽऽऽधीऽ ।

ऽऽधीऽऽ ऽनाऽऽऽ । तीऽऽऽना ऽऽऽधीऽ ऽऽधीऽऽ ।

ऽनाऽऽऽ धीऽऽऽना । ऽऽऽधीऽ ऽऽधीऽऽ ऽनाऽऽऽ ।

तीऽऽऽना ऽऽऽधीऽ । ऽऽधीऽऽ ऽनाऽऽऽ धीऽऽऽना ।

ऽऽऽधीऽ ऽऽधीऽऽ । ऽनाऽऽऽ तीऽऽऽना ऽऽऽधीऽ ।

ऽऽधीऽऽ ऽनाऽऽऽ । धीऽऽऽना ऽऽऽधीऽ ऽऽधीऽऽ ।

ऽनाऽऽऽ तीऽऽऽना । ऽऽऽधीऽ ऽऽधीऽऽ ऽनाऽऽऽ ।

कुआड़लय एक आवृत्ति में-

झपताल की एक आवृत्ति का कुआड़ $\frac{१० \times ४}{५}$ = ८ मात्राओ का होगा अत: तीसरी मात्रा से कुआड़ लय आरम्भ करने मे एक आवर्तन में आएगा । यथा—

धी ना । धीऽऽऽना ऽऽऽधीऽ ऽऽधीऽऽ । ऽनाऽऽऽ तीऽऽऽना ।
×

ऽऽऽधीऽ ऽऽधीऽऽ ऽनाऽऽऽ ।

बिआड़ लय एक आवृत्ति में

झपताल के एक आवर्तन का बिआड $१० \times ४/७ = ५\frac{५}{७}$ मात्रा होगा । अत: इसे $४\frac{२}{७}$ मात्रा बाद आरभ करने मे सम पर आएगा । यथा—

धी ना । धी धी नाऽधीऽऽऽना । ऽऽऽधीऽऽऽ धीऽऽऽनाऽऽ ।
×

ऽतीऽऽऽनाऽ ऽऽधीऽऽऽधी ऽऽऽनाऽऽऽ ।

झपताल के एक आवर्तन का आड़ $१० \times २/३ = ६\frac{२}{३}$ मात्रा

होगा। अतः इसे ३$\frac{1}{3}$ मात्रा बाद आरम्भ करने से सम पर आएगा।
यथा—

धी ना । धी धीधीऽ नाऽधी । ऽधीऽ नाऽती ।
×

ऽनाऽ धीऽधी ऽनाऽ ।

तिगुन एक आवर्तन में

झपताल के एक आवर्तन का तिगुन $\frac{१० \times १}{३} = ३\frac{1}{२}$
मात्रा का होगा। अतः इसे ६$\frac{२}{३}$ मात्रा बाद आरम्भ करने से सम पर आयेगा। यथा—

धी ना । धी धी ना । ती नाऽधी ।
×
नाधीधी नातीना • धीधीना ।

दुगुन और चौगुन

दुगुन एक आवर्तन में लिखने के लिये खाली से आरम्भ करना होगा। उसी प्रकार चौगुन एक आवर्तन में लिखने के लियै ७$\frac{1}{2}$ मात्रा बाद शुरु करेंगे।

ठेके की किस्में

× . २ ० ३
१ धी नाना । धी धीं नाना । ती नाना । धी धीं नाना

×　　२　　०　　३

२ धी नाना । धी नाना तिरकिट । ती नाना । धी नाना तिरकिट

३ धी नाना । धीना ऽधी तिरकिट । ती नाना । धीना ऽधि तिरकिट

४ धे ना । धागे नधा गेन । ती न । धागे नधा गेन

५ धी ना । धि नाना धा । ती नाना । धा धी नाना

पेशकार

×　　२

१ धीकडधिधा ऽधाधिधा । तिरकिटधाती धाकृधाती धाधाधिता

०　　३

तीकडतिता ऽतातिता । तिरकिटधाती धाकृधाती धाधाधिता

२ तितधागधा धिधाधाती । धाकृधाती धाधाधिता ऽधाधिधा ।
तितताागता तितातााती । धाकृधाती धाधाधिता ऽधाधिधा

३ ऽऽऽतिरकिटतकतिरकिट धाधाधिता । धातीधाधा धिताधाती धाधाधिता ।
ऽऽऽतिरकिटतकतिरकिट तातातिता । धातीधाधा धिताधाती धाधाधिता

४ घेतकघेतकधि धाधाधिता । धातीधाधाधिता तातीधाधाधिता ऽधाधाधिता
केतककेतकति तातातिता । धातीधाधाधिता तानीधाधाधिता ऽधाधाधिता

५ धीकडधिधा ऽधाधिधा । तिरकिटतकतातिरकिट धाधिताधाधिता धाधिता
तिरकिटतकतातिरकिट धाधिताधाधिता । धाधिता तिरकिटतकतातिरकिट
धाधिताधाधिता ।

कायदा नं० १

×		२			
धातिर	किटतक ।	धागे	धिन	गिन	।
०		३			
तातिर	किटतक ।	धागे	धिन	गिन	।

पल्टे

१– धातिरकिटतक तातिरकिटतक । धागेधिन गिनधागे धिनगिन ।
तातिरकिटतक तातिरकिटतक । धागेधिन गिनधागे धिनगिन ।

२–धातिरकिटतक तिरकिटधातिर । किटतकतिरकिट धागेतिरकिट धिनगिन ।
तातिरकिटतक तिरकिटतातिर । किटतकतिरकिट धागेतिरकिट धिनगिन ।

३–धागेतिरकिट धिनगिन । धातिरकिटतक धागेतिरकिट धिनगिन ।
तागेतिरकिट तिनगिन । धातिरकिटतक धागेतिरकिट धिनगिन ।

४–धातिरकिटतक ऽतिरकिटतक । ऽतिरकिटतक धागेतिरकिट धिनगिन ।
तातिरकिटतक ऽतिरकिटतक । ऽतिरकिटतक धागेतिरकिट धिनगिन ।

५–धातिरकिटतक धिनगिन । धा, धातिर किटतकधागे धिनगिन ।
तातिरकिटतक तिनगिन । धा, धातिर किटतकधागे धिनगिन ।

तिहाई

धातिरकिटतक धागेतिरकिट । धिनगिन धाऽधातिर किटतकधागे ।
तिरकिटधिन गिनधाऽ । धातिरकिटतक धागेतिरकिट धिनगिन

कायदा नं० १

× २ ० ३
धागे त्रक । तूना कता धात्र । कधि किट । घिन तूना कता ।
× २ ० ३
तागे त्रक । तूना कता धात्र । कधि किट । घिन तूना कता

पल्टे

१—धागेत्रक धात्रकधि । किटघिन धागेत्रक तूनाकता ।
तागेत्रक तात्रकति । किटघिन धागेत्रक तूनाकता

२—धात्रकधि किटघिन । धागेतिट धागेत्रक तूनाकता ।
तात्रकति किटकिन । धागेतिट धागेत्रक तूनाकता

३—धात्रकधि किटघिन । धाऽऽधि किटघिन तूनाकता ।
तात्रकति किटकिन । धाऽऽधि किटघिन तूनाकता

४—धागेत्रक तूनाकता । ऽऽकता धागेत्रक तूनाकता ।
तागेत्रक तूनाकता । ऽऽकता धागेत्रक तूनाकता

५—धात्रकधि किटक्धा । तिटक्धा तिटघिन तूनाकता ।
तात्रकति किटक्धा । तिटक्धा तिटघिन तूनाकता

धात्रकधि किटघिन । धागेत्रक तूनाकता धाऽकता
धाऽकता धाऽ । धात्रकधि किटघिन धागेत्रक ।
तूनाकता धाऽकता । धाऽकता धाऽ धात्रकधि
किटघिन धागेत्रक । तूनाकता धाऽकता धाऽकता

कायदा नं० ३

× २ ० ३
धीना ऽधा । तिरकिट घिन गिन । धागे नधा । तिरकिट धिन गिन
× २ ० ३
तीना ऽता । तिरकिट तिन गिन । धागे नधा । तिरकिट धिन गिन

पल्टे

१—धीनाऽधा तिरकिट,धा । धिनाऽधा तिरकिटधागे धिनगिन ।
तीनाऽता तिरकिट,ता । धिनाऽधा तिरकिटधागे धिनगिन

२—धागेनधा तिरकिटधिन । धागेनधा तिरकिटधागे धिनगिन ।
तागेनता तिरकिटतिन । धागेनधा तिरकिटधागे धिनगिन

३—धागेनधा तिरकिटधागे । नधातिरकिट धागेनधा तिरकिटधिन ।
तागेनता तिरकिटतागे । नधातिरकिट धागेनधा तिरकिटधिन

४—धीनाऽधा तिरकिट,धि । ऽधा तिरकिटधागे धिनगिन ।
तीनाऽता तिरकिट,ति । ऽधा तिरकिटधागे धिनगिन

तिहाई

धीनाऽधा तिरकिटधि । ऽ,धागे नधातिरकिट धा,तिरकिट
धा,तिरकिट धा । धीनाऽधा तिरकिटधि ऽ,धागे ।
नधातिरकिट धा:तिरकिट । धातिरकिट धा धीनाऽधा ।
तिरकिटधि ऽ,धागे । नधातिरकिट धातिरकिट धातिरकिट ।

कायदा नं० ४

×　　　　　　　　　२
धातिरकिट तकतिरकिट । धाऽऽ घिनातू नागिन ।
०　　　　　　　　　३
तातिरकिट तकतिरकिट । धाऽऽ घिनातू नागिन ।

पल्टे

१— धातिरकिट तकतिरकिट । धाऽतू • नागिन धातिरकिट ।
तकतिरकिट धाऽतू । नागिन घिनतू नागिन ।
तातिरकिट तकतिरकिट । ताऽतू नागिन धातिरकिट ।
तकतिरकिट धाऽतू । नागिन घिनतू नागिन ।

२— धातिरकिट तकतिरकिट । धाऽतिरकिट तकतिरकिट घिनतू । नागिन
धाऽतिरकिट । तकतिरकिट घिनतू नागिन । ताऽतिरकिट
तकतिरकिट । ताऽतिरकिट तकतिरकिट घिनतू नागिन ।
धाऽतिरकिट । तकतिरकिट घिनतू नागिन

३— धिनगि नधिना । गिनधि नागिन धातिरकिट ।
तकतिरकिट धातिरकिट । तकतिरकिट घिनतू नागिन ।
तिनागि नतिना । गिनति नागिन धातिरकिट ।
तकतिरकिट धातिरकिट । तकतिरकिट घिनतू नागिन

४— धातिरकिट तकतिरकिट । धाऽऽ तकतिरकिट धाऽऽ ।
तकतिरकिट धातिरकिट । तकतिरकिट घिनतू नागिन ।
तातिरकिट तकतिरकिट । ताऽऽ तकतिरकिट धाऽऽ ।
तकतिरकिट धातिरकिट । तकतिरकिट घिनातू नागिन

तिहाई

धातिरकिट तकतिरकिट । धा तकतिरकिट धा
तकतिरकिट धा । धातिरकिट तकतिरकिट धा ।
तकतिरकिट धा । तकतिरकिट धा धातिरकिट ।
तकतिरकिट धा । तकतिरकिट धा तकतिरकिट ।

मोहरे और मुखड़े

१ दोमात्रा— तिरकिट धाती । धी (सम)

२ दो मात्रा— गिनधागि नधागिन । धी सम)

३ तीन मात्रा— तिरकिटधाती धा,धाती धा,धाती ।

४ तीन मात्रा— धागेत्रकतूनाकता धा,तूनाकता धा,तूनाकता ।

० ३

५ पांच मात्रा— धागेतूना किटतकतिरकिट । धागेतिरकिट धा,तिरकिट धा,तिरकिट ।

० ३

६ पांच मात्रा— कत्तिट कत्तिट । क्रधातिट धा,तिट धतिट ।

२ ०

७ आठ मात्रा— धातूनाधा तून.धाति धातिर्रकिटतक । तक्ड़ां धा । तक्ड़ां धा तक्ड़ां ।

२ ०

८ आठ मात्रा— धागेतू नाकिड़नग तिरकिटतक । तिरकिटतक धा ।

३ ×

तिरकिटतक धा तिर्रकिटतक । धी

टुकड़े

× २

१— धाधि धागेनधा । गेन,तिर्रकिट तकतातिरकिट धाऽ ।

० ३

ऽ,तिर्रकिट तकतातिरकिट । धाऽ ऽ,तिर्रकिट तकतातिरकिट

× २ ०

२— कत्ता कत्तिट । तिटघिड़ा ऽनधाऽ ऽऽ,तिर्रकिट । धातीत्

३

धा,तिरकिट । धातीत् धा,तिर्रकिट धातीत्

× २

— तकिटधा ऽनधाऽ । दी,घेघे दीता तिरकिटतकधिर ।

० ३ ×
किटतक,धाती धाक । तिट कतधाती धा,धाती । धा ऽक ।

२ ० ३
तिट कत्धाती धा,धाती । धा ऽक । तिट कतधाती धा,धाती

× २ ०
४– धिऽन्न धगेन । धात्रक धगेन धागेतू । नाकिड़नग तिरकिटतक

३ × २
ताऽऽ तिरकिटतक ताऽन । धाऽऽ ऽक्ड़ । धाऽन धाऽन धाऽक्ड़ ।

० ३
धाऽन धाऽन । धाऽक्ड़ धाऽन धाऽन

चक्करदार—

× २ ०
तक्ड़ां ऽनधग । नगदिग दिंतातिरकिट धा,तिरकिट । धा,तिरकिट धा ।

३ × २
तक्ड़ां ऽनधग नगदिग । दिंतातिरकिट धा,तिरकिट । धा,तिरकिट

० ३
धा तघ्ड़ां । ऽनधग नगदिग । दिंतातिरकिट धा,तिरकिट धातिरकिट

गतें

× २ ० ३
१– धातिर किटधि । नक धिन गिन । ता धिनकधि । नकधिन गिनधागे

× २ ०
नधातिरकिट । तातिर किटति । नक तिन गिन । ता धिनकधि ।

३
नकधिन गिनधागे नधातिरकिट

×　　　　　　２　　　　　　०
२—धगत तकिट । धागेति रकिट घिनतू । नगिन तिरकिटतक ।
३　　　　　　　×　　　　　　२
तातिरकिट धातिरकिट धातिरकिट । तगत तकिट । तागेति रकिट
०　　　　　　३
घिनतू । नगिन तिरकिटतर्क । तातिरकिट धातिरकिट धातिरकिट

तिपल्ली—

×　　　　　　२　　　　　　०
धाऽऽ धिनक । तकिट धिनक धात्रक । धिकिट कतगे ।
३　　　　　　　×　　　　　　०
दिगन तिरकिट धात्रकधि । किटतक गदिगन । धाऽऽधिनक
०
ताकिटधिनक धात्रकधिकिट । कतगदिगन धात्रकधिकिट ।
३
कतगदिगन धात्रकधीकिट कतगदिगन

परनें

×　　　　　　२　　　　　　०
१— त्रकधेत धेतधेत । धागेतिट क्रधातिट तागेतिट । क्रधातिट
३　　　　　　　×
धागेतिट । क्रधातिट क्रधेत्दि गनक्रधे । तदिगन घेघेतिट ।
२　　　　　　०　　　　　　३
कतघेघे तिटकत घेघेतिट । कतकत क्रधेत्दि । गनधागे तिटकत

×　　　　　　　　２
गदिगन । धा　कृधेत्दिं　।　गनधागे　तिटकत　गदिगन ।

०　　　　　　　　३
धा　कृधेत्दिं　।　गनधागे　तिटकत　गदिगन　।

बढैया परनः—

×　　　　　　　　　　　　２
२— धिरधिरकिटतक　तातिरकिटतक　।　धाऽकृधा　ऽनधा　कतधा

०　　　　　　　३　　　　　　×
तिटधा ताकृधा　।　ऽनधा कतधा तिटधा । धिरधिरकिटतक

２　　　　　　　　　　०
ता । धिरधिरकिटतक　तक्ड़ां　धा　।　धिरधिरकिटकत　तक्ड़ां ।

३　　　　　　　×　　　　２
धा धिरधिरकिटतक तक्ड़ां । धा　ऽ　।　धिरधिरकिटतक

०　　　　　　　　　३
तक्ड़ां धा ।　धिरधिरकिटतक　तक्ड़ां　।　धा　धिरधिरकिटतक

×　　　２　　　　　　　　　०
तक्ड़ा ।　धा　ऽ ।　धिरधिरकिटतक तक्ड़ां धा । धिरधिरकिटतक

３
तक्ड़ां । धा　धिरधिरकिटतक　तक्ड़ां

तिस्त्र जाति (आड़लय)

×　　　　　　２　　　　　　　०
३— धाऽन　धीकिट　।　धात्रक धिकिट धाऽकृ । धातिट धात्रक ।

३　　　　　　　　×　　　　　２
धिकिट　तिटति　टतिट ।　धात्रक　धीकिट　।　ऽऽधि टधिट

०　　　３　　　×
धात्रक । धिकिट कतग । दिगन धाऽधि टधिट । धात्रक
२　　　०　　　३
धिकिट । कतग दिगन धाऽधि । टधिट धात्रक । धिकिट कतग दिगन

खण्ड जाति

×　　　२　　　०　　　३
धाऽ धातिट । ताऽ धातिट धेघे । तिरकिटतक क्ड़ां । कतूना
×　　　२　　　०
किड़नग तिरकिटतक । धाऽ तिरकिटतक । धाऽ तिरकिटतक धाऽ । ऽऽऽ
३　　　×　　　२
किड़नग । तिरकिटतक धाऽ तिरकिटतक । धाऽ तिरकिटतक । धाऽ ऽऽऽ
०　　　३
किड़नग । तिरकिटतक धाऽ । तिरकिटतक धा तिरकिटतक

साधारण चक्करदारः—

×　　　२　　　०
५— तगेन्न धित्ता । धितधित ताऽ तिरकिटतकता । तिरकिटधाती धाऽ ।
३　　　×　　　२
तिरकिटतकता तिरकिटधाती धाऽ । तिरकिटतकता तिरकिटधाती । धा ऽ
०　　　३　　　×
तगेन्न । धित्ता धितधित । ताऽ तिरकिटतकता तिरकिटधाती । धाऽ
२　　　०　　　३
तिरकिटतकता । तिरकिटधाती धाऽ तिरकिटतकता । तिरकिटधाती धा । ऽ
×　　　२
तगेन्न धित्ता । धितधित ता । तिरकिटतकता तिरकिटधाती धाऽ ।
०　　　३
तिरकिटतकता तिरकिटधाती । धा तिरकिटतकता तिरकिटधाती

फरमाइशी चक्करदार—

× २ ०
६—धिटकता ऽनधागे । तिटकता ऽनधाऽ तिटकता । ऽनधागे तिटकता ।
३ × २ ०
ऽनधा त्रकधेत तगेन्न । धा त्रकधेत । तगेन्न धा त्रकधेत । तगेन्न
३ × २
धा । धिटकता ऽनधागे तिटकता । ऽनधाऽ तिटकता । ऽनधागे तिटकता
० ३ ×
ऽनधा । त्रकधेत तगेन्न । धा। त्रकधेत तगेन्न । धा त्रकधेत ।
२ ० ३
तगेन्न धाऽ धिटकता । ऽनधागे तिटकता । ऽनधाऽ तिटकता ऽनधागे ।
× २ ०
तिटकता ऽनधाऽ । त्रकधेत तगेन्न धा । त्रकधेत तगेन्न ।
३
धा त्रकधेत तगेन्न

रेला

× २
धातिर किटतक । धाती धातिर किटतक ।
० ३
तातिर किटतक । धाती धातिर किटतक ।

पल्टे

१—धातीधातिर किटतकधातिर । किटतकधाती धातिरकिटतक तातिरकिटतक ।
तातितातिर किटतकतातिर । किटतकधाती धातिरकिटतक तातिरकिटतक

२–धातिरकिटतक तिरकिटधाती । धातिरकिटतक तिरकिटधाती धातिरकिटतक ।
तातिरकिटतक तिरकिटताती । धातिरकिटतक तिरकिटधाती धातिरकिटतक

३–धातिरकिटतक तिरकिटधाती । धातिरकिटतक धातीधातिर किटतकधाती ।
तातिरकिटतक तिरकिटताती । धातिरकिटतक धातीधातिर किटतकधाती

४–धातीधातिर किटतक,धा । धातीधातिर किटतक,धा धातिरकिटतक ।
तातीतातिर किटतक,ता । धातीधातिर किटतक,धा धातिरकिटतक

तिहाई

धातिरकिटतक तिरकिटधातिर । किटतकतिरकिट ताऽधाती धा,धाती ।
धा,धाती धा । धातिरकिटतक तिरकिटधातिर किटतकतिरकिट ।
ता,धाती धा,धाती । धा,धाती धा धातिरकिटतक । तिरकिटतातिर
किटतकतिरकिट । ता,धाती धा,धाती धा,धाती
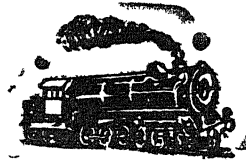
एक ताल

परिचय—

जिस तरह छोटे ख्यालो में तीनताल का प्रयोग सर्वाधिक होता है, उसी तरह वडे ख्यालों में बजने वाले तालों में एक ताल सर्वोपरि स्थान रखता है। यह कथन एक ताल की बहु उपयोगिता सिद्ध करता है। आज कल शास्त्रीय गायन पद्धति में ख्याल गायकी ही अधिक प्रचार में है। स्पष्ट है कि एक ताल तबले पर बजाये जाने वाले प्रचलित तालों में से एक है। इसका प्रादुर्भाव ख्याल गायकी के साथ ही हुआ। इसका स्वरुप चार ताल के ही समान है। सम्भव है, ख्याल गायकी के सगत के लिये चार ताल के बोलों को बदल कर ही इसका निर्माण किया गया हो। कौतुक की बात ये है कि किसी भी लय मे इसे बजाने में दिक्कत नही होती। हर लय में खूब बजाया जा सकता है। इसी कारण इसमे जहा विलम्बित ख्याल अधिकतर गाया जाता है, वहां इसमें मध्य और द्रुत लय के भी ख्याल सुनने को मिलते है। लेकिन सगीत के अन्य क्षेत्र मे इसका महत्वपूर्ण स्थान नही बन सका। तबला वादक इसमें सालो वादन भी करते है।

स्वरूप—

एक ताल में १२ मात्रायें होती है। इसके ६ विभाग हैं। प्रत्येक विभाग २-२ मात्राओ का है। पहलो, पाँचवी नवमी और ग्यारहवी मात्रा पर ताली है तथा तीसरी और सातवी मात्रा पर खाली है। इसका शास्त्रीय स्वरुप ||०० है। कर्नाटक पद्धति के अठताल (चतस्त्र जाति) का भी स्वरुप ठीक इसी प्रकार है।

ठेका ठाहलय

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
धि	धि	धागे	तिरकिट	तू	ना	क	त्ता	धागे	तिरकिट	धो	ना
×		०		२		०		३		४	

ठेका आड़ लय

×
धिऽधि ऽधागे । तिर,किट,तू ऽनाऽ । कऽत्ता ऽधागे । तिर,किट धी

ऽनाऽ । धिऽधि ऽधागे । तिर,किट,तू ऽनाऽ । कऽत्ता ऽधागे । तिर,किटधी

ऽनाऽ । धिऽधि ऽधागे । तिर,किटतू ऽनाऽ । कऽत्ता ऽधागे । तिर,किटधी

ऽनाऽ

आड़ लय एक आवर्तन में

एक ताल के एक आवर्तन का आड़ $\frac{१२ \times २}{३} = ८$
मात्रा होगा । अतः इसे ४ मात्रा बाद शुरू करने से सम पर आयेगा यथा—

धि धि । धागे तिरकिट । धिऽधि ऽधागे । तिरकितू ऽनाऽ
×
कऽत्ता ऽधागे । तिरकिटधी ऽना ।

कुआड़ एक आवर्तन में

एक ताल के एक आवर्तन का कुआड़ $\frac{१२ \times ४}{५} = ९\frac{३}{५}$ मात्रा होगा । अतः इसे २ $\frac{२}{५}$ मात्रा बाद आरम्भ करने से सम पर आयगा । यथा—

धिं धिं । धागेधिंऽऽ ऽधिंऽऽऽ । धाऽगेऽति रकिटतूऽ
×

ऽऽनाऽऽ ऽकऽऽऽ । त्ताऽऽऽधा ऽगेऽतिर । किटधीऽऽ ऽनाऽऽऽ

बिआड़ लय एक आवर्तन में

एक ताल के एक आवर्तन का बिआड़ $\frac{१२ \times ४}{७} = ६\frac{६}{७}$ मात्रा होगा । अतः इसे ५$\frac{१}{७}$ मात्रा बाद आरम्भ करने से सम पर आयेगा । यथा

धिं धिं । धागे तिरकिट । तू नाधिंऽऽऽधिंऽ । ऽऽधाऽगेऽति रकिटतूऽऽऽ
×

नाऽऽऽकऽऽ ऽत्ताऽऽऽधा । गेऽतिरकिटधी ऽऽऽनाऽऽऽ

इसी तरह दुगुन छः मात्रा बाद, तिगुन ८ मात्रा बाद और चौगुन ९ मात्रा बाद आरम्भ करने से सम पर आयेगा ।

★ ठेके की किस्में ★

अति विलम्बित लय-

×
१ धिऽऽतिट धिऽऽतिट । धा,ऽग,धागेगे तिरकिट । तूऽतिति नाऽनानन ।

कत्ऽऽकत् ताऽऽ तिट । धा,ऽग,धा,गेगे तिरकिट ।

धिऽऽ तिट नाऽ,धा,धागे

विलम्बित लय—

×
२ धिं,तिरकिट धिं,तिरकिट । धागधागे तिरकिट । तिति ना,नानः ।

कत,ऽकत ता,तिरकिट । धागधागे तिरकिट ।

धिं;तिरकिट नातिरकिट

मध्य लय-

×
धिं धिं । धा,गेगे तिरकिट । तू नाना । क ता । धा,गेगे तिरकिट ।

धी नाना

द्रुत लय-

४	धिं धिं	ना त्रक	तू ना	क ता	धी त्रक	धी ना
५	धिं धिं	ना त्रक	तू ना	क ता	धी ना	धी ना
६	धि धिं	ना त्रक	तू ना	क ता	न: धी	धी ना
	×	०	२	०	३	४

पेशकार

१— धीक्ड़धिधा ऽधाधिधा। धातीधाती धाधाधिता। धाकृधाति धाधाधिता।
तीक्ड़तिता ऽतातिता। धातीधाती धाधाधिता। धाकृधाति धाधाधिता

२— धीक्ड़धिधा तिरकिटधिता। धाकृधाती धाधाधिता। ऽध.धिधा धाधाधिता।
तीक्ड़तिता तिरकिटतिता। धाकृधाती धाधाधिता। ऽधाधिधा धाधाधिता

३— तितधागुधा धिताधाती। धाकृधाति धाधाधिधा।
ऽतिरकिटतकतातिरकिट धाधाधिता। नितताग्ता तितातातो।
धाकृधाति धाधाधिधा। ऽतिरकिटतकतिरकिट धाधाधिता।

४— धिनकधिन्नता धागेत्रक धिनगिन। धाकृधाति धाधाधिता।
ऽघे,तकधिं धाधाधिंता। तिनकतिन्नता तागेत्रकतिनगिन।
धाकृधाति धाधाधिंता। ऽ,घेनकधिं धाधाधिंता।

५— धीक्ड़धिंधा ऽधाधिंधा। धातीधाधाधिता ऽधाधाधिता।
धातीधाधाधिता ऽधाधाधिता। तीक्ड़तिता ऽतातिता।
धातीधाधाधिता ऽधाधाधिता। धातीधाधाधिता ऽधाधाधिता।

६— धातिरकिटतातिरकिट धातीधाधाधिता। ऽधाधाधिता धातीधाधाधिता।
धातिरकिटतातिरकिट धातीधाधाधिता। ऽधाधाधिता धातीधाधाधिता।
धातिरकिटतकड़ां धा,धातिरकिट । तक्ड़ाँधा धातिरकिटतकड़ां

कायदा नं० १

×		०		२	
धातिर	किटतक ।	तिरकिट	धिन ।	घिड	नग ।
०		३		४	
तातिर	किटतक ।	तिरकिट	धिन ।	घिड़	नग

पल्टे

१–धातिरकिटतक तिरकिटधिन । धातिरकिटतक तिरकिटधिन ।
तिरकिटधिन घिड़नग । तातिरकिटतक तिरकिटतिन ।
धातिरकिटतक तिरकिटधिन । तिरकिटधिन घिड़नग

२–धिनघिड़ नगधिन। घिड़नग तिरकिट । धातिरकिटतक तातिरकिटतक।
तिनकिड़ नगतिन। घिडनग तिरकिट । धातिरकिटतक तातिरकिटतक

३–धातिरकिटतक तिरकिटधातिर । किटधातिरकिट धातिरकिटतक ।
तिरकिटधिन घिड़नग । तातिरकिटतक तिरकिटतातिर ।
किटधातिरकिट धातिरकिटतक । तिरकिटधिन घिड़नग

४–तिरकिटतकतिर किटतकतिरकिट । धा,तिरकिट घिड़नग ।
ता,तिरकिट घिड़नग । तिरकिटतकतिर किटतकतिरकिट ।
धा,तिरकिट घिड़नग । ता,तिरकिट घिडनग

तिहाई

तिरकिटतकतिर किटतकतिर्रकिट । धा,तिरकिट धाऽ ।
ऽ,तिर्रकिट तकतिरकिटतक । तिर्रकिट,धा तिरकिट,धा ।
ऽऽ तिरकिटतकतिर । किटतकतिरकिट धा,तिरकिट

कायदा नं० २

×		०		२	
धाती	धागे ।	नधा	तिरकिट ।	धिन	गिन ।
०		३		४	
ताती	तागे ।	नधा	तिरकिट ।	धिन	गिन

पल्टे
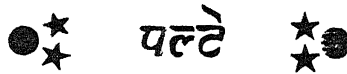
१—धातीधागे नधातिरकिट । धातीधागे नधातिरकिट । धातीधागे धिनगिन ।
तातीतागे नतातिरतिट । धातीधागे नधातिरकिट । धातीधागे धिनगिन

२—धातीधागे नधातीधा । गेनधागे नधातिरकिट । धातीधागे धिनगिन ।
तातीतागे नतातीता । गेनधागे नधातिरकिट । धातीधागे धिनगिन

३—धातीधागे नधातिरकिट । धाऽऽधा तिरकिटधा । धातीधागै धिनगिन ।
तातीतागे नतातिरकिट । ताऽऽधा तिरकिटधा । धातीधागे धिनगिन

४—धातीधागे नधातिरकिट । धागेनधा तिरकिटधागे । नधातिरकिट धिनगिन ।
तातीतागे नतातिरकिट । धागेनधा तिरकिटधागे । नधातिर्रकिट धिनगिन

तिहाई

धातीधागे नधातिरकिट । धिनगिन धाऽ । ऽ,धाती धागेनधा ।
तिरकिटधिन गिनधाऽ । ऽऽ धातीधागे । नधातिरकिट धिनगिन

कायदा नं० २
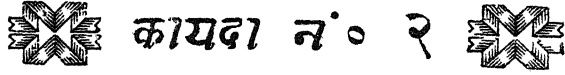
×　　　　　०　　　　　२　　　　　०
धागे तिट । धागे नधा । तिट घिन । धात्र कधि ।
३　　　　　४　　　　　×　　　　　०
किट दिंग । दिन गिन । तागे तिट । तागे नता ।
२　　　　　०　　　　　३　　　　　४
तिट घिन । धात्र कधि । किट दिंग । दिन गिन ।

१ धागेनधा तिटधागे । नधातिट धात्रकधि । किटदिग दिनगिन ।
तागेनता तिटतागे । नधातिट धात्रकधि । किटदिग दिनगिन ।

२ धागेनधा तिटधिन । धागेतिट धात्रकधि । किटदिग दिनगिन ।
तागेनता तिटकिन । धागेतिट धात्रकधि । किटदिग दिनगिन

३ धात्रकधि किटघिन । धात्रकधि किटघिन । दिंगदिंग दिनगिन ।
। तात्रकति किटकिन । धात्रकधि किटघिन । दिंगदिंग दिनगिन

४ धात्रकधि किटघिन । ऽऽऽघि किटघिन । धागेनधा तिटघिन ।
। तात्रकति किटकिन । ऽऽऽधि किटघिन । धागेनधा तिटघिन

५ धागेनधा त्रकधागे । नधात्रक धागेनधा । त्रकदिग दिनगिन ।
तागेनता त्रकतागे । नधात्रक धागेनधा । त्रकदिग दिनगिन ।

तिहाई

धात्रकधि किटदिंग । दिनगिन धाऽ । ऽ,धात्र कधिकिट ।
दिंगदिन गिनधा । ऽऽ धात्रकधि । किटदिंग दिनगिन

★★ कायदा नं० ४ ★★

×   ०   २
धागेन धातिरकिट । धात्र क धिनक । धिकधि नगिन ।

०   ३   ४
तागेन तातिरकिट । धात्रक धिनक । धिकधि नगिन ।

पल्टे

१ धागेनधातिरकिट धागेनधातिरकिट । धागेनधातिरकिट धिकधिनगिन । ।
धात्रकधिनक धिकधिनगिन । तागेनतातिरकिट तागेनतातिरकिट ।
धागेनधातिरकिट धिकधिनगिन । धात्रकधिनक धिकधिनगिन

२ धात्रकधिनक धात्रकधिनक । धीकधिनगिन धागेनधातिरकिट ।
धात्रकधिनक धीकधिनगिन । तात्रकतिनक तात्रकतिनक ।
धीकधिनगिन धागेनधातिरकिट । धात्रकधिनक धीकधिनगिन ।

३ धात्रकधिनक ऽऽक्रधिनक । ऽऽक्रधिनक धीकधिनगिन ।
धागेनधातिरकिट धीकधिनगिन । तात्रकतिनक ऽऽक्रतिनक ।
ऽऽक्रधिनक धीकधिनगिन । धागेनधातिरकिट धीकधिनगिन ।

४ धागेनधातिरकिट तकतिरकिटतातिरकिट । धात्रकधिनक धीकधिनगिन ।
धात्रकधिनक धीकधिनगिन । तागेनतातिरकिट तकतिरकिटतातिरकिट ।
धात्रकधिनक धीकधिनगिन । धात्रकधिनक धीकधिनगिन

५ धात्रकधिनक तिरकिटतकधिरकिटतक । धात्रकधिनक धीकधिनगिन । ऽ,धगेन धीकधिनगिन । तात्रकतिनक तिरकिटतकतिरकिटतक । धात्रकधिनक धीकधिनगिन । ऽ,धगेन धीकधिनगिन

६ धिनगिनधिन गिनधिनगिन । धात्रकधिनक धीकधिनगिन । धागेतूनाकिटतक तिरकिटतकतातिरकिट । तिनगिनतिन गिनतिनगिन । धात्रकधिनक धीकधिनगिन । धागेतूनाकिटतक तिरकिटतकतातिरकिट

तिहाई

धागेतूनाकिटतक तिरकिटतकतातिरकिट । धा,तिरकिटतक

धा । ऽ, धागेतू नाकिटतकतिरकिटतक । तातिरकिट,धा

तिरकिटतक,धा । ऽ धागेतूनाकिटतक । तिरकिटतकतातिरकिट
धा,तिरकिटतक

मोहरे और मुखड़े

विलम्बित लय के लिये—

१ दो मात्रा—धागेतूनाकिटतक तिरकिटतकतातिरकिट

२ दो मात्रा—कत्तिरकिटतकधिरकिटतक धा,तिरकिट,धा,तिरकिट

३ चार मात्रा—धीनाऽधातिरकिटधीना घिड़नगतिरकिटतकतातिरकिट । (३)
धाऽतिरकिटतकतातिरकिट धाऽतिरकिटतकतातिरकिट । (४)

३ ४

४ चार मात्रा—धिनकतकिट धिनघेघेनक धाऽघेघेनक धाऽघेघेनक ।

मध्यलय के लिए–

० ३ ४

५ छः मात्रा—धाऽऽधि नकधिन घेघेनक धाऽघेघे नकधाऽ घेघेनक

० ३

६ छः मात्रा—धात्रकधि किटधिन । धागेत्रक तूनाकता ।

४ ×

धा,कता धा,कता । धि

२ ०

७ आट मात्रा— धानधिकिट धात्रकधिकिट । कतूनाकिड़नग

३

तिरकिटतकतातिरकिट । धा तिरकिटतकतातिरकिट ।

४

धा तिरकिटतकतातिरकिट ।

२ ०

८ आठ मात्रा— धा,तिरकिट घेत्ता । तिरकिट,घे त्ता,कत ।

३ ४

ऽतिरकिटतक धाऽऽतिर । किटतक,धा ऽतिरकिटतक ।

टुकड़े

× ० २

१—धाकृधा • ऽनधागे । तिटकृधा ऽनधाऽ । किड़नगतिरकिट

० ३
तकतातिरकिट । ता;तिरकिट धातीत् । धा,तिरकिट धातीत् ।
४
धा,तिरकिट धातीत् ।

× ० २
२—धातिटधि ऽन्नगिन । धा,धागे नधा,तिरकिट । तकतिरकिटतक
० ३
धिरधिरकिटतक । धा,किट तकतिरकिटतक । धिरधिरकिटतक
४
धा,किट । तकतिरकिटतक धिरधिरकिटतक

× ०
३—धात्रकधि नाऽधागे । तूनाकिड़नग तिरकिटतकधिर ।
२ ० ३
किटतकधाती धा,धिन । नानागिन तकिटत । किटतक
४ ×
धाऽ । धिरधिरकत धिरधिरकत । ऽ,तिरकिट
० २
तकतातिरकिट । धा धिरधिरकत । धिरधिरकत ऽ,तिरकिट ।
० ३ ४
तकतातिरकिट धा। । धिरधिरकत धिरधिरकत । ऽतिरकिट तकतातिरकिट
× ० २
४—धिनग तकिट । घिनन घिनन । धागेन धातिरकिट ।
० ३ ४
तातिरकिट धा । तिरकिटतक धिरकिटतक । धाधिन्त धाधिन्त ।

×　　　०　　　　　२
धा ऽ । तिरकिटतक धिनकिटतक । धाधिन्त धाधिन्त ।
०　　　३　　　　　४
धा ऽ । तिरकिटतक धिरकिटतक । धाधिन्त धाधिन्त ।

गतें

×　　　　०　　　　२　　　　०
१—धागे तिट । कत धागे । नधा त्रक । धिन गिन ।
३　　　　　　　४
धगेनधा तिरकिटधीना । घिड़नगतिरकिट तकतातिरकिट ।
×　　　　०　　　　२　　　　०
तगे तिट । कत तगे । नधा त्रक । धिन गिन ।
३　　　　　　　४
धागेनधा तिरकिटधीना । घिड़नगतिरकिट तकतातिरकिट

तिपल्ली—

×　　　　　०　　　　　२
२—धाऽऽ धातिट । धिनधा गेतिट । धागेति टधागे ।
०　　　　　३　　　　　४
त्रकतू नाकत्ता । धाऽऽधा तिटघिन । धागेत्रक तूनाकता ।
×　　　　　०　　　　　२
तागेत्रक तूनाकता । धागेत्रक तूनाकता । धा,धातिट घिनधागेतिट
०　　　　　　　३　　　　　　　४
धागेतिटधागे त्रकतूनाकता । धा,ऽ,धगे त्रकतूनाकता । धा,ऽ,धागे
त्रकतूनाकता

चौपल्ली—

×　　　　　०　　　　　२　　　　　०
३—धिन　घिड़　।　नग　तिट　।　धगे　नधा　।　तिट धिन ।
३　　　　　४　　　　　×
धात्रक　धगेन　।　धागेधि　नगिन　धिन्नधा　गेनधाऽ　।
०　　　　　२　　　　　०
धागेत्राक　धिनगिन　।　धात्रकधगेन　धागेधिनगिन　।　धाऽधिनगिन
　　　　　३　　　　　४
धात्राकधगेन　।　धागेधिनगिन　धाऽधिनगिन　।　धात्राकधगेन
धागेधिनगिन

परनें

×　　　　　०　　　　　२
१—धा,तिरकिट　धा,गेन　।　नगेनन　गेननग　।　नगनग्न　तिरकिट
०　　　　　३　　　　　४
धिनघिड़　नगतिट　।　घिड़नग　तिरकिट　।　धाऽतिर　किटधाऽ ।
×　　　　　०　　　　　२
घिनधागे　नधागेन　।　तक्धिन　तक्धिन　।　धाड़ाघिन　धाड़ाघिन ।
०　　　　　३　　　　　४　　　　　×
घेननन　तिर्रकिट　।　धा　कड़ांन　।　धा　धाड़ाघिन　।　धाड़ाघिन
　　　　　०　　　　　२　　　　　२
घेननन　।　तिरकिट　धा　।　कड़ांन　धा　।　धाड़ाघिन　धाड़ाघिन ।
३　　　　　४
घेननन　तिरकिट　।　धा　कड़ांन

बढ़ैया परन—

×　　　　　　　　०　　　　　　　२
२—धातिटधा　तिटकधा　।　तिटधागे　नधातिट　।　तागेनधा

०　　　　　　　३
तिटधागे　।　नधातिट　धिनगिन　।　तक्धिन　गिनतक्　।

४　　　　　　　×　　　　　　　०
तक्धिन　गिनधात्र　।　कधगेन　धागेतूना　।　किड़नगतिरकिट

२　　　　　　　०
तकतातिरकिट　।　धा,तिरकिट　धा,किड़नग　।　तिरकिटतकता　तिरकिट,धा　।

३　　　　　　　४　　　　　　　×
तिरकिटधा　किड़नगतिरकिट　।　तकतातिरकिट　धा,तिरकिट　।　धा

तिस्त्र जाति—

×　　　　　　　०　　　　　　　२
३—धागेतू　नातिट　।　तागेतू　नातिट　।　तकिट　धातिरकिट　।

०　　　　　　　३　　　　　　　४
धागेतू　नातिट　।　धिड़न　गतिर　।　किटधा　गेतिट　।

×　　　　　　　०　　　　　　　२
कड़ाँ　कड़ां　।　धाऽन　धिकिट　।　धात्रक　धिकिट　।

०　　　　　　　३　　　　　　　४
कतग　दगिन　।　धा　ऽ　।　धाऽन　धिकिट　।

×　　　　　　　०　　　　　　　२
धात्रक　धिकिट　।　कतग　दीगन　।　धा　ऽ　।

०　　　　　　　३　　　　　　　४
धाऽन　धिकिट　।　धात्रक　धिकिट　।　कतग　दीगन

साधारण चक्करदार--

×　　　　०　　　　२
४—घेतिरकिटतक तागेतिट । धागेतिट धीनाघिडनग । तिरकिटतकता

०　　　　३
तिरकिट,धा । कत्,धिरधिर किटतकतकिट । धा कत,धिरधिर ।

४　　　　×　　　　०
किटतकतकिट धा । कत्धिरधिर किटतकतकिट । धा ऽ ।

२　　　　०　　　　३
ऽ घेतिरकिटतक । तागेतिट धागेतिट । धीनाघिड़नग

४　　　　×
तिरकिटतकता । तिरकिट,धा कत्,धिरधिर । किटतकतकिट

०　　　　२
धा । कत्,धिरधिर किटतकतकिट । धा कत्,धिरधिर ।

०　　　　३　　　　४
किटतकतकिट धा । ऽ ऽ । घेतिरकिटतक तागेतिट ।

×　　　　०
धागेतिट धीनाघिड़नग । तिरकिटतकता तिरकिट,धा ।

२　　　　०
कत्,धिरधिर किटतकतकिट । धा कत्,धिरधिर ।

३　　　　४
किटतकतकिट धा । कत्,धिरधिर किटतकतकिट

फरमाइशी चक्करदार परन-

धाऽक्धा ऽनधाऽ तडन्न ताधा धातिरकिटतक ता
किडनग तिरकिट तकिटधा ऽनधाऽ धातिरकिटतक तक्डा
धा धातिरकिटतक तक्ड़ाँ धा धातिरकिटतक तक्डाँ धा

उपरोक्त बोल के अंत में दो मात्रा दम देकर परन नं० ४ की भाँति तीन बार बजाएँ।

ठेका
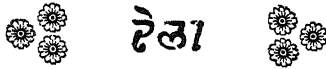
×		०		२	
धिरधिर	किटतक ।	धातिर	किटतक ।	तिरकिट	धा ।
०		३		४	
तिरतिर	किटतक ।	धातिर	किटतक ।	तिरकिट	धा

पल्टे

१— धिरधिरकिटतक धा । धातिरकिटतक तिरकिट,धा ।
धातिरकिटतक तिरकिट,धा । तिरतिरकिटतक ता ।
धातिरकिटतक तिरकिट,धा । धातिरकिटतक तिरकिट,धा

२— धातिरकिटतक तिरकिटधातिर । किटतकतिरकिट धा ।
धिरधिरकिटतक धा । तातिरकिटतक तिरकिटतातिर ।
किटतकतिरकिट धा । धिरधिरकिटतक धा

३— धिरधिरकिटतक धा,धिरधिर । किटतक,धा धिरधिरकिटतक ।
धा धातिरकिटतक । तिरतिरकिटतक ता,तिरतिर ।
किटतक,धा धिरधिरकिटतक । धा धातिरकिटतक

४— धिरधिरकिटतक धातिरकिटतक । धा धातिरकिटतक ।
धा धातिरकिटतक । तिरतिरकिटतक तातिरकिटतक ।
धा धातिरकिटतक । धा धातिरकिटतक

५— धातिरकिटतक तिरकिट,धा । ऽ,धिरधिर किटतक.तिरकिट ।
धातिरकिटतक तिरकिट,धा । तातिरकिटतक तिरकिट,ना ।
ऽ,धिरधिर किटतकतिरकिट । धातिरकिटतक तिरकिट,धा ।

६— धातिरकिटतक तिरकिट,धा । ऽ,धिरधिर किटतकतिरकिट ।
धा,धिरधिर किटतकतिरकिट । तातिरकिटतक तिरकिट,ता
ऽ;धिरधिर किटतकतिरकिट । धा,धिरधिर किटतकतिरकिट

तिहाई

धातिरकिटतक तिरकिट,धा । ऽ,धिरधिर किटतकतिरकिट ।
धा ऽ,धिरधिर । किटतकतिरकिट धा । ऽ,धिरधिर किटतकतिरकिट ।
धा ऽ । ऽ धातिरकिटतक । तिरकिट,धा ऽ,धिरधिर ।
किटतकतिरकिट धा । ऽधिरधिर किटतकतिरकिट ।
धा ऽ,धिरधिर । किटतकतिरकिट धा । ऽ ऽ ।
धातिरकिटतक तिरकिट,धा । ऽ,धिरधिर किटतकतिरकिट ।
धा ऽ,धिरधिर । किटतकतिरकिट धा । ऽ,धिरधिर किटतकतिरकिट

आड़ा चार ताल

परिचय

यह कम प्रचलित तालों में से है | यदा कदा बड़ा ख्याल इसमें सुना जा सकता है, अन्यथा गायन के क्षेत्र में इसका उपयोग नगण्य सा है । उसी तरह तन्त्रवादक एवं नृत्यकार भी इस ताल की ओर कम ध्यान देते हैं। सभवतः इसका कारण यह है कि यह ताल कुछ लम्बा सा प्रतीत होता है । यूं तो यह तीन ताल से कम मात्राओं का ही है। लेकिन तीनताल अपनी सरलता एवं सरसता के कारण प्रचार के शिखर पर है और आड़ा चार ताल अपने विशिष्ट बोलों के कारण विलम्बित लय में ही अच्छा मालूम होता है । इसका अर्थ यह नही है कि इसे द्रुत लय में नहीं बजा सकते । इसके बोलों का निर्माण सम्भवतः एक ताल के आधार पर ही हुआ है, क्योंकि इसका ठेका एकताल के ठके से काफी समानता रखता है । एकताल का सर्वाधिक उपयोग विलम्बित लय में ही होता है। अतः आड़ा-चारताल का भी उपयोग विलंबित लय में होने लगा । लेकिन इस क्षेत्र में यह अपना स्थान न बना सका। इससे मालूम यह होता है कि समान बोलों से निर्मित दो तालें हों, तो अधिक प्रचलित ताल के सामने दूसरा ताल प्रचार में नहीं आ पाता ।

स्वरूप एवं बोलों को देखते हुये आडा चारताल ऐसा ताल नही है कि इसे संगीत के विभिन्न क्षेत्रों में स्थान न दिया जा सके। यह बडे ख्याल, छोटे ख्याल, सितार के गत एवं कथक नृत्य में उपयोगी सिद्ध हो सकता है, अगर गुणी जन इस ओर ध्यान दें।

स्वरूप

आड़ा चार ताल में १४ मात्राएं होती हैं। इसके सात विभाग हैं। प्रत्येक विभाग दो-दो मात्राओं का है। पहली, तीसरी सातवी और ग्यारहवी मात्रा पर ताली दी जाती है तथा पांचवी, नवी और तेरहवी मात्रा पर खाली रखी गई है। इसका शास्त्रीय स्वरुप ०।।। है।

ठेका ठाहलय

धि तिरकिट । धी ना । तू ना । क त्ता ।
× ‿ । २ ० ३

तिरकिट धी । ना धी । धी ना
‿
० ४ ०

आड़लय एक आवर्तन में

आड़ा चारताल के एक आवर्तन का आड़ $१४ \div \frac{3}{2} = १४ \times \frac{2}{3} = ९\frac{1}{3}$ मात्रा होगा। अतः इसे $४\frac{2}{3}$ मात्रा बाद आरम्भ करने से सम पर आयेगा। यथा—

धि तिरकिट । धी ना । तूऽधि । ऽ,तिर,किट,
×

धीऽना ऽतूऽ । न।ऽक । ऽत्ताऽ । तिर,किट,धि

ऽनाऽ । धीऽधी ऽनाऽ ।

कुआड़ एक आवर्तन में

आड़ा चारताल के एक आवर्तन का कुआड़ $१४ \div \frac{५}{४} =$ $१४ \times \frac{४}{५} = ११\frac{१}{५}$ मात्रा होगा । अतः $२\frac{४}{५}$ मात्रा से आरम्भ करने पर यह सम पर आवेगा । यथा—

धि तिरकिट । धीऽऽऽधि ऽऽऽतिर ।
×

किटधीऽऽ ऽनाऽऽऽ । तूऽऽऽना ऽऽऽकऽ ।

ऽऽत्ताऽऽ ऽतिरकिट । धीऽऽऽना ऽऽऽधीऽ ।

ऽऽधीऽऽ ऽनाऽऽऽ ।

तिगुन एक आवर्तन में

आड़ा चार ताल की एक आवृत्ति की तिगुन $१४ \div ३$ $= ४\frac{२}{३}$ मात्रा । अतः यह $९\frac{१}{३}$ मात्रा बाद आरम्भ होगा । यथा—

धि तिरकिट । धी ना । तू ना । क ता । तिरकिट
×

ऽधितिरकिट । धीनातू । नाकत्ता । तिरकिटधीना धीधीना

इसी तरह दुगुन ७ मात्रा बाद और चौगुन ११½ मात्रा बाद आरम्भ करने से सम पर आवेगा ।

ठेके की किस्में

बिलम्बित लय

१—धिऽऽधि तिरकिट । धीऽधीधी नाऽनाना ।

तूऽऽति नाऽनाना । कत्ऽऽकत् ताऽऽता ।

तिरकिट धीऽधीधी । नाऽनाना धीऽऽतिट ।

धीऽऽतिट ना,तिरकिट ।

मध्यलय

२—धि तिरकिट । धी नाना । तू नाना । कत् ता ।
×

तिरकिट धी । नाना धी,तिट । धी,तिरकिट नाना,तिरकिट ।

द्रुत लय

३—धि ग्रक । धी ना । तूना । कत्ता । त्रक धी । ना धी । धी ना ।
४—धि धि । धागे तिरकिट । तूना । कत्ता । धी धी । ना धी । धीना ।

पेशकार

१—धीकधिता तिरकिटधीक धिताकता धीक्रधिता ऽधाधिता
तिरकिटधीक धिताकता तीकतिता तिरकिटतीक तिताकता
धीक्रधिता ऽधाधिता तिरकिटधीक धिताकता

२—धीकधिता ऽकतातिरकिट धीकधिता ऽकताऽ धाक्धानधा
तिरकिटधीक धिताकता तीकतिता ऽकतातिरकिट धीकधिता
ऽकताऽ धाक्धानधा तिरकिटधीक धिताकता

३—तिटघेघेनकधिन तिरकिटधीक धिताकता ऽऽघेघेनकधिन
धीकधिता कताधीक धिताकता तिटकेकेनकतिन तिरकिटतीक
तिताकता ऽऽघेघेनकधिन धीकधिता कताधीक धिताकता

४—धीकधिता कतातिरकिट किड़नगतिरकिटतकतातिरकिट
धीकधिता कताधीक धिताकता ऽधाधिता तीकतिता
कतातिरकिट किड़नगतिरकिटतकतातिरकिट धीकधिता
कताधीक धिताकता ऽधाधिता

५—धीकधिता कताधीक धींताकता धिनकतकिट धागेतूनागिन ऽ,तकिट
धागेतूनागिन तीकतिता कतातीक तिताकता धिनक,तकिट,धा,तकिट
धा,धिनकतकिट धा,तकिट,धा धिनक,तकिट,धा,तकिट ।

कायदा नं० १

×		२		०		३	
धातिर	किटधा	तीधा	गेन	धीना	ऽधा	तीधा	गेन

० ४ ० ×
धातिर किटतक तिरकिट धागे तूना कता तातिर किटता

२ ० ३ ० ४
तीता गेन तीना ऽधा तीधा गेन धातिर किटतक तिरकिट धागे

०
तूना कता

पल्टे

१–धातिरकिटधा तीधागेन धातिरकिटतक धीनाऽधा तीधागेन
धातीधागे तूनाकता तातिरकिटता तीतगेन तातिरकिटतक
धीनाऽधा तीधागेन धातीधागे तूनाकता

२–धातिरकिटधा तीधागेन धातिरकिटतक धातिरकिटधा तीधागेन
धातिरकिटतक तूनाकता तातिरकिटता तीतागेन तातिरकिटतक
धातिरकिटधा तीधागेन धातिरकिटतक तूनाकता

३–धातिरकिटतक तिरकिटधातिर किटतकतिरकिट धातिरकिटधा
तीधागेन धातीधागे तूनाकता तातिरकिटतक तिरकिटतातिर
किटतकतिरकिट धातिरकिटधा तीधागेन धातीधागे तूनाकता

४–धातिरकिटधा तीधागेन धीनाऽधा तीधागेन ऽऽऽधा तीधागेन
तूनाकता तातिरकिटता तीतागेन तीनाऽधा तीधागेन ऽऽऽधा
तीधागेन तूनाकता

५–ऽऽऽधा तीधागेन ऽऽऽधा तीधागेन धातिरकिटतक तिरकिटधागे

तूनाक्ता ऽऽऽता तीतगेन ऽऽऽता तीतगेन धातिरकिटतक
तिरकिटधागे तूनाकता

६—धातिरकिटतक तिरकिटधातिर किटतकतिरकिट धातिरकिटतक
धातिरकिटतक तिरकिटधागे तूनाकता तातिरकिटतक तिरकिटतातिर
किटतकतिरकिट धातिरकिटतक धातिरकिटतक तिरकिटधागे तूनाकता

तिहाई

धातिरकिटधा तीधागेन धातिरकिटतक तिरकिटधाती धा
धातिरकिटधा तीधागेन धातिरकिटतक तिरकिटधाती धा
धातिरकिटधा तीधागेन धातिरकिटतक तिरकिटधाती

× २ • ० ३
धाकृधि किटधागे त्रकधिन धात्रकधे केटधिन धागेत्रक तूनाकता
० ४ ०
ताकृति किटतागे त्रकतिन धात्रकधे केटधिन धागेत्रक तूनाकता

पल्टे

१—धाकृधि किटधागे त्रकधिन धाकृधि किटधागे त्रकधिन तूनाकता
ताकृति किटतागे त्रकतिन धाकृधि किटधागे त्रकधिन तूनाकता

२—धात्रकधि किटघिन तूनाकता धात्रकधि किटघिन धागेत्रक तूनाकता तात्रकति किटकिन तूनाकता धात्रकधि किटघिन धागेत्रक तूनाकता

३—धाक्रधि किटधागे त्रकधिन तूनाकता धात्रकधि किटघिन तूनाकता ताक्रति क्रिटतागे त्रकतिन तूनाकता धात्रकधि किटघिन तूनाकता

४—धात्रकधि किटघिन धाऽऽधि किटघिन धात्रकधि किटघिन तूनाकता तात्रकति किटकिन ताऽऽति किटघिन धात्रकधि किटघिन तूनाकता

५—धागेतिट धगेत्रक तूनाकता धात्रकधि किटघिन धागेत्रक तूनाकता तागेतिट तागेत्रक तूनाकता धात्रकधि किटघिन धागेत्रक तूनाकता

६—धाक्रधि किटधा क्रधिकिट धाक्रधि किटधागे त्रकधिन तूनाकता ताक्रति किटता क्रतिकिट धाक्रधि किटधागे त्रकधिन तूनाकता

तिहाई

धात्रकधि किटघिन धागेत्रक तूनाकता धा धात्रकधि किटघिन धागेत्रक तूनाकता धा धात्रकधि किटघिन धागेत्रक तूनाकता

मोहरे और मुखड़े

१—ग्यारहवीं मात्रा से—धातिरकिटधि किटघिन धा,घिन धा,घिन

२–ग्यारहवीं मात्रा से—धातिरकिटधा तीधागेन धा,ऽन धा,ऽन

३–नवी मात्रा से —कत्तिट कत्तिट कृधातिट कृधातिट
धा,तिट धा,तिट

४– " " धेत्धेत् त्रकधेत् तगेन्न धातगे न्नधा तगेन्न

५–आठवी मात्रा से—धातिरकिटधि नगधिन गिनधागे तूनाकत्ता
धा कता,धा ऽ,कता

६– " " धिनकधा तिटघिन कृधातिट धा ऽधातिट धा ऽधातिट

७–सातवीं मात्रा से—धीनाऽधा तीधागेन कतऽऽतिर किटतकधाती
धाऽऽतिर किटतकधाती धाऽऽतिर किटतकधाती

टुकड़े

×, २, ०
१–धातिरकिटतक ता,धातिर । किटतकता धित्ता । धित्तागे न्नधा
३, ०, ४
तिरकिटतकता ऽघिऽन्त । धा तिरकिटतकता । ऽघिऽत धा
०
तिरकिटतकता ऽघिऽन्त

×, २, ०
२–धागेतिट तागेतिट । धागेदिङ नगेतिट । कर्तघितिर किटतकता
३, ०, ४, ०
त्रकधेत् तगेन्न । धा त्रकधेत । तगेन्न धा । त्रकधेत् तगेन्न ।

चक्करदार—

×, २
३–कत्,तिरकिट तक,धिरकिट । तक,तिरकिट तकतातिरकिट ।

०　　　　　　　　３　　　　　　　０

धाकत् तिरकिटधाती । धा,तिरकिट धाती,धा । तिरकिटधाती

　　　　४　　　　　　　　०

धाकत् । तिरकिट,तक धिरकिट;तक । तिरकिटतकता तिरकिट,धा

×　　　　　　　२　　　　　　　०

कत्,तिरकिट धातो,धा । तिरकिटधाती धातिरकिट । धाती,धा

　　　　３　　　　　　　०

कत्तिरकिट । तक,धिरकिट तक,तिरकिट । तक्तातिरकिट धाकत् ।

४　　　　　　　०

तिरकिटधाती धा,तिरकिट । धाती,धा। तिरकिटधाती ।

गतें

×　　　２　　　०　　　३

१—धागे तिट । धागे त्रक । तूना कत्ता । धाऽन धिकिट ।

०　　　४　　　०

धात्रक धिकिट । धागेतू नाकिड़नग । तिरकिटतक तातिरकिट ।

×　　　२　　　०　　　३

तागे तिट । तागे त्रक । तूना कत्ता । धाऽन धिकिट ।

०　　　४　　　०

धात्रक धिकिट । धागेतू नाकिड़नग । तिरकिटतक तातिरकिट ।

तिहाईदार तिपल्ली गत—

×　　　२　　　०　　　३

२—नगन नगन । तकिट तकिट । धात्रक धिकिट । कतग दिगन ।

० ४ ०
तिरकिटधाती धात्रकधि । क्टिकत गदिगन । नगनगनग तकिटतकिट ।

× २ ०
धात्रकधिकिट कतगदिगन । धाऽगदिगन धा,नगन । गनगतकिट

३ ०
तकिटधात्रक । धिकिटकतग दिगनधाऽग । दिगन,धा नगनगनग ।

४ ०
तकिटतकिट धात्रकधिकिट । कतगदिगन धाऽगदिगन ।

परनें

× २ ०
१–धातिटधा तिटकत । तातिटधा तिटकत । धिटधिट धातिटधा ।

३ ० ४
तिटतिट 'तिटधाति । टधातिट धगेनधा । ऽनधाऽ धा,तिरकिट ।

० × २
धेत्ता तगेनधा । ऽनधाऽ धागेतिरकिट । धेत्ता ऽतिरकिट ।

० ३ ०
धेत्ता किड़नगतिरकिट । तकतातिरकिट धा । तिरकिटतकता ऽघिऽन्त ।

४ ० ×
धा ऽघिऽन्त । धाघिऽन्त धाघिऽन्त । धा तिरकिटतकता ।

२ ० ३
ऽघिऽन्त धा । ऽघिऽत धाघिऽन्त । धाघिऽन्त धा ।

० ४ ० ×
तिरकिटतकता ऽघिऽन्त । धा ऽघिऽन्त । धाघिऽन्त धाघिन्त । धा

साधारण चक्करदार —

२—धीक्ड धिता घिडनग दीतक ऽघ्ड़ा नधाऽ घिडनग दितक तिरकिटतकता तिरकिट,धा नधाऽन धा,तिरकिट तकतातिरकिट धाऽनधा ऽनधाऽ तिरकिटतकता तिरकिट,धा नधाऽन धा

उपरोक्त बोल को हूबहू तीन बार बजाने से अंतिम धा पर सम आएगा ।

फरमाइशी चक्करदार—

३—घेनगघे नगधिन घेघेनक तूनागिन तिरकिटतकधिर किटतकधाती धातिरकिटतक तक्डाँ ऽन,तिरकिट तकतातिरकिट धा,तिरकिट तकतातिरकिट धा,तिरकिट तकतातिरकिट धा धातिरकिटतक तक्ड़ां ऽन,तिरकिट तकतातिरकिट धा,तिरकिट तकतातिरकिट धा,तिरकिट तकतातिरकिट धा धातिरकिटतक तक्डा ऽन,तिरकिट तकतातिरकिट धा,तिरकिट तकतातिरकिट धा,तिरकिट तकतातिरकिट धा उपरोक्त बोल को हूबहू तीन बार बजाएं ।

रेला

×		२		०	
धातिर	किटतक ।	तिरकिट	धातिर ।	किटतक	तिरकिट ।
३		०		४	
धातिर	किटतक ।	धिरधिर	किटतक ।	धातिर	किटतक ।
०		×		२	
तूना	किटतक ।	तातिर	किटतक ।	तिरकिट	तातिर ।
०		३		०	
किटतक	तिरकिट ।	धातिर	किटतक ।	धिरधिर	किटतक ।
४		०			
धातिर	किटतक ।	तूना	किटतक ।		

पल्टे

१–धिरधिरकिटतक धातिरकिटतक धिरधिरकिटतक धातिरकिटतक
तिरकिटधातिर किटतकतिरकिट तूनाकिटतक तिरतिरकिटतक
तातिरकिटतक तिरतिरकिटतक धातिरकिटतक तिरकिटधातिर
किटतकतिरकिट तूनाकिटतक

२–धातिरकिटतक धिरधिरकिटतक धा धातिरकिटतक धिरधिरकिटतक
धातिरकिटतक तूनाकिटतक तातिरकिटतक तिरतिरकिटतक
ता धातिरकिटतक धिरधिरकिटतक धातिरकिटतक तूनाकिटतक

३–धातिरकिटतक तिरकिट,धा धातिरकिटतक तिरकिट,धा धातिरकिटतक
तिरकिट,धा तूनाकिटतक तातिरकिटतक तिरकिट,ता तातिरकिटतक
तिरकिट,धा धातिरकिटतक तिरकिट,धा तूनाकिटतक

४–धातिरकिटतक तिरकिट,धा तूनाकिटतक धातिरकिटतक
तिरकिट,धा धातिरकिटतक तूनाकिटतक तातिरकिटतक
तिरकिट,ता तूनाकिटतक धातिरकिटतक तिरकिट,धा
धातिरकिटतक तूनाकिटतक

५–धातिरकिटतक धा,धातिर किटतक,धा धातिरकिटतक
धिरधिरकिटतक धिरधिरकिटतक तूनाकिटतक तातिरकिटतक
ता,तातिर किटतक,ता धातिरकिटतक धिरधिरकिटतक
धिरधिरकिटतक तूनाकिटतक

६–धिरधिरकिटतक धा धिरधिरकिटतक धा धिरधिरकिटतक धातिरकिटतक तूनाकिटतक तिरतिरकिटतक ता तिरतिरकिटतक धा धिरधिरकिटतक धातिरकिटतक तूनाकिटतक ।

तिहाई

धातिरकिटतक तिरकिट,धा धिरधिरकिटतक धातिरकिटतक धा धातिरकिटतक तिरकिट,धा धिरधिरकिटतक धातिरकिटतक धा धातिरकिटतक तिरकिट,धा धिरधिरकिटतक धातिरकिटतक

रूपक-ताल

परिचय—

रूपक ताल का नाम लेते ही संगीत के हर क्षेत्र के महान कलाकारों का ध्यान आजाता है । ख्याल गायक कभी-कभी रूपक में भी ख्याल गाते पाये जाते हैं । उच्चकोटि के तबलावादकों का तो यह प्रिय ताल बना हुआ है । सितार वादक तीन ताल के बाद इसी को प्रमुखता दे रहे हैं । नृत्यकारों से भी यह ताल दूर नहीं है । गीतों और गजलो मे तो इसका महत्वपूर्ण स्थान है । तात्पर्य यह है कि रूपक संगीत के हर क्षेत्र में अपना स्थान बनाये हुये है । गायन, वादन और नृत्य तीनों में इसका उपयोग हो रहा है । लेकिन इसके ठेके की रचना ऐसे बोलों से हुई है कि विलंबित लय में यह सफल नहीं हुआ और न ही इसमें गंभीरता आ पाई । आरम्भ में खाली प्रदर्शित करने वाला वह बोल है जो तबला के गम्भीर वादन में कुछ रुकावट सी पैदा करता है । इतना होते हुये भी बोल श्रुति मधुर हैं और शृंगार रस के द्योतक हैं । इसकी प्रकृति भी चचल है । संभवतः इसीलिए सुगम संगीत में इसकी उपयोगिता अपेक्षा कृत अधिक है । सुगम संगीत में सम मात्राओं का ताल अधिक सुन्दर व मधुर लगता है । रूपक विषम मात्रा की ताल है । इसलिये इस क्षेत्र में भी जरा पीछे रह गया । तबला वादक इसमें हर प्रकार का काम प्रस्तुत करते हैं । पेशकार-उठान से लेकर लग्गी-लड़ी तक सभी चीजें इसमें बजती हैं ।

तिवरा और पश्तो इसके समान मात्रा के ताल है। जिनमे तिवरा तो मृदग का ताल है और पश्तो गजल कव्वाली मे बजने वाला तबले का चचल ताल है।

स्वरूप

रूपक सात मात्राओं का ताल है। इसके तीन विभाग है। पहला विभाग तीन मात्राओं का है तथा दूसरा और तीसरा दो-दो मात्राओ का है। पहली मात्रा पर सम और खाली दोनो है। इस दृष्टि से यह एक विलक्षण ताल है। चौथी मात्रा पर पहली ताली और छठी मात्रा पर दूसरी ताली है। कर्नाटक संगीत में रूपक नाम का एक ताल है जो छः मात्राओं का है।

ठाहलय

मात्रा—	१	२	३	।	४	५	।	६	७	।
ठेका—	ती	ती	ना	।	धी	ना	।	धी	ना	।
ताल चिन्ह—	× ०				१			२		

आड़लय एक आवृत्ति में

यह $७ \div \frac{3}{2} = ७ \times \frac{2}{3} = ४\frac{2}{3}$ मात्राओं का होगा। अतः इसे $२\frac{1}{3}$ मात्रा बाद आरम्भ करने से सम पर आवेगा। यथा—

ती ती नातीऽ । तीऽना ऽधीऽ । नाऽधी ऽनाऽ ।

कुआड़ एक आवृत्ति में

रूपक की कुआड़ $७ \div \frac{5}{4} = ७ \times \frac{4}{5} = ५\frac{3}{5}$ मात्राओं का होगा। अतः इसे $१\frac{2}{5}$ मात्रा बाद आरम्भ करने से सम पर आवेगा। यथा—

×
ती तीऽतीऽऽ ऽतीऽऽऽ। नाऽऽऽधी ऽऽऽना। ऽऽधीऽऽ ऽनाऽऽऽ।

बिआड़ एक आवृत्ति में

रूपक की बिआड़ $७ \div \frac{7}{4} = ७ \times \frac{4}{7} = ४$ मात्राओं का होगा। अतः इसे तीन मात्रा बाद शुरू करने से सम पर आएगा यथा—

×
ती ती ना। तीऽऽऽतीऽऽ ऽनाऽऽऽधीऽ। ऽऽनाऽऽऽधी ऽऽनाऽऽऽ।

तिगुन एक आवर्तन में

रूपक की तिगुन $७ \div ३ = २\frac{1}{3}$ मात्राओं का होगा। अतः इसे $४\frac{2}{3}$ मात्रा बाद आरम्भ करने पर सम पर आवेगा। यथा-

×
ती ती ना। धी नाऽती। तीनाधी नाधीना

इसी प्रकार **दुगुन** $३\frac{1}{2}$ मात्रा बाद और **चौगुन** $५\frac{1}{4}$ मात्रा बाद लिखा जायेगा।

ठेके की किस्में

१—ती ती नाना। धी नाना। धी नाना
२—तीं तीं नक। धीं नक। धी नक

कायदा नं० १

×०   १   २
धातिर किटतक तिरकिट । धाती धागे । तूना गिन

×०   १   २
तातिर किटतक तिरकिट । धाती धागे । तूना गिन ।

पल्टे

१—धातिरकिटतक तिरकिटधाती धातिरकिटतक । धातीधातिर किटतकतिरकिट । धातीधागे तूनागिन । तातिरकिटतक तिरकिटताती तातिरकिटतक । धातीधातिर किटतकतिरकिट । धातीधागे तूनागिन ।

२—धातीधातिर किटतकधाती धागेतूना । गिनताती तातिरकिटतक । धातीधागे तूनागिन ।

३—धागेतूना गिनधातिर किटतकतिरकिट । धातीतागे तूनागिन । धातिरकिटतक तिरकिटधाती

४—धातिरकिटतक तिरकिट,धा धातिरकिटतक । धातिरकिटतक तिरकिट,धा । धातीधागे तूनागिन । तातिरकिटतक तिरकिट,ता तातिरकिटतक । धातिरकिटतक तिरकिट,धा । धातीधागे तूनागिन ।

५—धागेतूना गिनधाती धागेतूना । गिनतागे तूनागिन । धातीधागे तूनागिन ।

तिहाई

धातिरकिटतक तिरकिटधाती धा,धातिर । किटतकतिरकिट
धाती,धा धातिरकिटतक तिरकिटधाती ।

कायदा नं० २

×०			१		२	
धीक	धीना	तिरकिट ।	धीना	धीक ।	धीना	गिन ।
×०			१		२	
तीक	तीना	तिरकिट ।	धीना	धीक ।	धीना	गिन ।

पल्टे

१—धीकधीना तिरकिटधीक धीनातिरकिट । धीकधीना तिरकिटधिना ।
गिनधीक धिनागिन । तीकतीना तिरकिटतीक तीनातिरकिट ।
धीकधीना तिरकिटधीना । गिनधीक धिनागिन ।

२—धीकधिना गिनातिरकिट धीकधीना । गिनतीक तिनागिन ।
तिरकिटधीक धिनागिन ।

३—तिरकिटधीना तिरकिटधीना धीकधीना । गिनतिरकिट
तीनातिरकिट । धीनाधीक धिनागिन

४—धीकधीना गिनधीक धिनागिन । धीकधीना तिरकिटधीना ।
धीकधीना तिरकिटधीना । तीकतीना गिनतीक तिनागिन ।
धीकधीना तिरकिटधीना । धीकधीना तिरकिटधीना ।

५–धीकधीना तिरकिटधीना तिरकिटधीना । तिरकिटधीना
धीकधिना । गिनधीक धिनागिन । तीकतीना तिरकिटतीना
तिरकिटतीना । तिरकिटतीना धीकधिन । गिनधीक धिनागिन ।

तिहाई

धीकधीना तिरकिटधीना गिनधीक । धिनागिन धा ।
धीकधीना तिरकिटधीना । गिनधीक धिनागिन धा ।
धीकधीना तिरकिटधीना । गिनधीक धिनागिन ।

टुकड़े

×० १
१– धगऽत्त किटघिन धागेत्रक । तूनाकत्ता ऽ,तिरकिट ।
२
धा,तिरकिट धातिरकिट ।

×० १ २
२– धाऽन धिकिट धात्रक । धिकिट धागेतू । नाकिडनग
×० १
तिरकिटतक । तातिरकिट धा तिरकिटतक । तातिरकिट धा ।
२
तिरकिटतक तातिरकिट

चक्करदार

×० १
३– धातीत्धा तीत्धाती धातिरकिटतक । तातिरकिटतक तिरकिटधाती ।
२ ×० १
धा,तिरकिट धाती,धा । तिरकिटधाती धाऽ ऽऽ । धातीत्धा
२ ×०
तीत्धाती । धातिरकिटतक तातिरकिटतक । तिरकिटधाती धा,तिरकिट

१ २
धाती,धा । तिरकिटधाती धाऽ । ऽऽ धातीत्धा ।
×० १
तीत्धाती धातिरकिटतक तातिरकिटतक । तिरकिटधाती
२
धा,तिरकिट । धाती,धा तिरकिटधाती ।

×० १ २
धातिर किटतक तिरकिट । धातिर किटतक । तातिर किटतक ।
×० १ २
तातिर किटतक तिरकिट । धातिरकिटतक । तातिर किटतक ।

पल्टे

१—धातिर किटतक तिरकिट । धातिर किटतक । तिरकिट
धा । तातिर किटतक तिरकिट । धातिर किटतक ।
तिरकिट धा ।

२—धा धातिर किटतक । तिरकिट धातिर । किटतक
तिरकिट । ता तातिर किटतक । तिरकिट धातिर ।
किटतक तिरकिट ।

३—धातिर किटतक धा । धातिर किटतक । तातिर किटतक
तातिर किटतक ता । धातिर किटतक । तातिर किटतक ।

४–धातिर किटतक धातिर ।किटतक धातिर । किटतक धा ।
तातिर किटतक तातिर । किटतक धातिर किटतक धा ।

तिहाई

धा धातिर किटतक । तिरकिट धा । ऽ धातिर ।
किटतक तिर्रकिट धा । ऽ धातिर । किटतक तिरकिट ।

द्वितीय-अध्याय

परिचय

निस्संकोच जन-जन का प्रिय ताल कहरवा कहा जा सकता है। कारण स्पष्ट है कि आजकल सुगम संगीत का प्रचार जोर पर है। बच्चे से लेकर वृद्ध तक, रसिक से लेकर रूखा व्यक्ति तक और समझदार से लेकर नासमझ तक हर तरह के श्रोताओं के दिल में सर्वाधिक स्थान कहरवा का है। यदा कदा ठुमरी के साथ विलम्बित लय में अपने सही रूप में यह प्रयुक्त होता है, अन्यथा गीतों, भजनों, गजलों आदि में प्रायः द्रुतलय में अपने बदले हुए रूप में सामने आता है। फिल्म वाले तो इसे हमेशा नए रूप में प्रस्तुत करते हैं, परन्तु इसका वास्तविक आनन्द तो इसकी लग्गी में है। ठुमरी के बोल, घुंघरू की छम-छम और लग्गी की सरपट दौड़ में जो अलौकिक आनन्द है, उसे अवर्णनीय ही कहना उचित है। इसकी संगत बहुत कठिन है जो कि तबलावादक की सूझ पर आधारित है। इसके समान मात्रा वाले ताल धुमाली और कव्वाली हैं।

स्वरूप

इसमें आठ मात्राएं होती हैं। इसके दो विभाग हैं। प्रत्येक विभाग चार-चार मात्राओं का है। पहली पर ताली और पाँचवीं मात्रा पर ख़ाली है।

ठाह लय

मात्रा—	१	२	३	४	।	५	६	७	८
ठेका—	धा	गे	न	ति	।	न	क	धि	न
तालचिन्ह—	×				।	०			

ठेके की किस्में

१—	धा	धिं	धा	ती	।	ना	धा	धि	न।
२—	धा	न्टि	धि	न्ना	।	क्डा	तिट	धि	धिं
३—	धिक	धि	ना	धिं	।	नग	ती	ना	त्रक
४—	धागे	धिं	नाना	तिट	।	धागे	तिं	नाना	तिट ।

लग्गियां

१—	धाग्	धाधी	नग	धाति	।	धाग्	धाती	नग	ताति	।
२—	धाधि	धाडा	धाधि	धाडा	।	धाति	ताडा	ताधि	धाडा	।
३—	धात	कधि	नाधि	न्न	।	तात	कधि	नाधि	न्न	।
४—	धाती	धिन	धाती	धिन	।	नाता	किन	धाती	धिन	।
५—	धा	घेघे	नक	धिं	।	ता	घेघे	नक	धिं	।
६—	धा	ऽधा	तिट	धिन	।	ता	ऽधा	तिट	धिन	।
७—	धाडा	गिन	धाडा	गिन	।	ताडा	गिन	धाडा	गिन	।
८—	धाती	धाग	धाति	नाडा	।	ताती	धाग	धाती	नाडा	।

लग्गी के लिए मुखड़ा

१—तक् क्डा तक् क्डाँ । ऽऽ तिरकिट तकता तिरकिट ।

२—तक्ति तक्ति तक्ति तक्ति । केतकके तकति किनतागे नतातिरकिट ।

तिहाई

ऽधि ऽन्ति धा ऽधि । ऽन्त धा ऽधि ऽन्त ।

दादरा ताल

परिचय

सुगम संगीत में कहरवा के बाद दादरा का महत्वपूर्ण स्थान है। कुछ लोग तो कहरवा से अधिक दादरा को पसन्द करते है। इसकी चाल भी तो लचकती हुई है जो बाल, वृद्ध, युवक और युवती सभी को रस–मग्न कर देती है। इसका प्रयोग ठुमरी, दादरा, ग़ज़ल, भजन और गीत आदि में होता है। दादरा विलंबित लय से जहां वियोग श्रंगार रस सृष्टि करता है, वहां द्रुतलय में संयोग श्रंगार रस की वर्षा करता है।

स्वरूप

दादरा में ६ मात्राएं होती हैं। इसके दो विभाग हैं। दोनों विभाग ३–३ मात्राओं के हैं। पहली मात्रा पर ताली और और चौथी मात्रा पर खाली है।

ठाह लय

मात्रा—	१	२	३	।	४	५	६
ठेका—	धा	धी	ना	।	धा	ती	ना
तालचिह्न—	×			।	०		

ठेके की किस्में

१—	धा	ति	ट्टे	।	कड़ां	धि	धि
२—	धि	तीत्	ता	।	ऽ	तीत्	ता
३—	धा	घेतक्	धिन	।	ता	घेतक्	धिन

लग्गियां

१— धाती धाधा तूना । ताती धाधा तूना
२— धाक धिना गिन । धाक तिन गिन ।
३— धिन गिन तक । तिन गिन तक ।
४— धिट घिड़ नग । तिट घिड़ नग ।
५— धातिर घिड़नग धिनगिन । तातिर घिड़नग धिनगिन ।
६— धाड़ागिन धाड़ागिन धाड़ागिन । ताड़ाकिन धाड़.गिन धाड़ागिन ।

तिहाई

तघ्ड़ां ऽनधाऽ तूना । धाति टतक् घ्ड़ॉन ।
धातू नाधा तिट । तघ्ड़ां ऽनधा तूना ।

रूपक और पश्तो

परिचय

पहले अध्याय में रूपक का विस्तृत वर्णन दिया जा चुका है। यहां सुगम संगीत में उसकी उपयोगिता दी जारही है। पश्तो रूपक के अनुरूप ताल है। दोनों में अन्तर यह है कि रूपक का उपयोग संगीत के हर अंग में होंने लगा है, जबकि पश्तो सिर्फ ग़ज़ल, कव्वाली की संगति में काम आता है। इसका स्वरूप भी रूपक की ही भांति है।

ठाह लय

मात्रा—	१	२	३	।	४	५	।	६	७
ठेका—	ति	ऽ	त्रक	।	धि	ऽ	।	धा	गे
तालचिह्न—	×		◡		१			२	

दीपचंदी ताल

परिचय

दीपचंदी अपनी चाल विशेष के कारण लोकप्रिय हो गई है। यूं तो ठुमरी में सर्वाधिक बजने वाला ताल दीपचंदी ताल ही है। यदा–कदा वियोग के गीत भी इस ताल में गाए जाते हैं। होरी का आनन्द तो दीपचंदी में ही है। इसके अतिरिक्त अन्य क्षेत्र में

इसका अस्तित्व नहीं कायम हो सका। अधिकतर विलम्बित एवं मध्य लय में इसका प्रयोग होता है।

स्वरूप

दीपचंदी में १४ मात्राएँ होती हैं। इसके चार विभाग हैं। पहला और तीसरा विभाग ३-३ मात्राओं का है तथा दूसरा और चौथा विभाग ४-४ मात्राओं का है। पहली, चौथी और ग्यारहवीं मात्रा पर ताली है तथा आठवीं मात्रा पर ख़ाली है।

ठेकाठाह लय

धा धि ऽ। धा धा ति ऽ। ता ति ऽ। धा धा धि ऽ।
× २ ० ३

ठेके की किस्में

१- धा धि ऽ। धा गे ति ऽ। ता ति ऽ। धा गे त्रि ऽ
२- धि ऽ त। धि न गि न। धि न क। तक् ऽ ड़ड़ां ऽ

रूपक पश्तो और दीपचंदी के लिए लग्गियाँ

१- धात्र कधि नग धागे त्रक धिन गिन
तात्र कति नक धागे त्रक धिन गिन

२- धागे तिर किट धागे त्रक तूना कत्ता
तागे तिर किट धागे त्रक तूना कत्ता

३- धा तिर किट धा तिरकिट तकता तिरकिट
ता तिर किट धा तिरकिट तकता तिरकिट

४- धागे धिन गिन धाती धागे धिन गिन
तागे तिन किन धाती धागे धिन गिन

५— धाग धाधी नग धाती धाग धाधी नाग
तांग ताती नाग धाती धाग धाधी नाग

६— धड़ कधि नग धड़ कधि नग धिन
तड़ कधि नग धड़ कधि नग धिन

७— घिन धन्नो घिन धाती घिन धाती घिन्न
किन ताती किन धाती घिन धाती धिन

लग्गी के अन्त में तिहाई

किसी भी लग्गी के बाद ठेके पर वापस लौटने के लिए निम्नाँकित ढंग से उसी बोल को तिहाई बनाएंगे । यथा—

धा तिर किट धा तिरकिट तकता तिरकिट
धा ऽ ऽ धा तिरकिट तकता तिरकिट धा ऽ ऽ
धा तिरकिट तकता तिरकिट ।

तृतीय अध्याय

चारताल

परिचय—

चारताल मृदग का अत्यन्त प्राचीन ताल है। ध्रुपद गायन के साथ ही चारताल का प्रादुर्भाव हुआ। ध्रुपद गायन मे सर्वाधिक प्रयोग चारताल का ही होता है। कुछ लोग तो धमार की भाति चारताल को ध्रुपद के ही नाम से पुकारते हैं। लेकिन यह ठीक नही है। चारताल परखावज का ताल होने के कारण गभीर एव जोरदार बोलो से युक्त है। आजकल इसे तबले पर भी खुले हाथो मे बजाया जाता है। लेकिन इसमे कायदे पेशकार नही बल्कि परन आदि का जोरदार काम होता है। वीणा वादक एव तान्डव अग के नृत्यकार भी चारताल का प्रयोग करते है। प्राचीन काल मे मदिरो मे देवस्तुति के गीतो मे इसका प्रयोग होता था।

स्वरूप

इसका शास्त्रीय स्वरूप एक ताल की ही भाति है अर्थात् इसमे १२ मात्राए होती हैं। इसके ६ विभाग है। प्रत्येक विभाग दो-दो मात्राओ का है। पहली, पाचवी, नवी और ग्यारहवी मात्रा पर ताली है, एव तीसरी और सातवी पर खाली है।

ठाह लय

मात्रा—१ २ । ३ ४ । ५ ६ । ७ ८ । ९ १० । ११ १२ ।
ठेका—धा धा । दिं ता । किट धा । दि ता । तिट कत । गदि गन ।
तालचिन्ह × ० २ ० ३ ४

इसकी विभिन्न लयकारियां एक ताल की ही भांति लिखी जा सकती हैं । यथा—

आड़लय एक आवृत्ति में

चारताल की आड़ $१२ \div \frac{३}{२} = १२ \times \frac{२}{३} = ८$ मात्राओं की होगी । अतः इसे ४ मात्रा बाद आरम्भ करने से सम पर आवेगा । यथा—

धा धा । दिं ता । धाऽधा ऽदिंऽ । ताऽकि टधाऽ ।
×

दिऽता ऽतिट । कतग• दिगन ।

इसी तरह सभी लयकारियां लिखी जायेंगीं ।

धेननक के अधार पर प्रस्तार या लय बांट

१—धा त्रक । धेन नक । धेत् धेत् । धेन नक । तिट कत ।
गदि गन । धा–धा । तिट कत । गदि गन । धा धा ।
तिट कत । गदि गन ।

२—धा धेन । नक धेत् । धेन नक् । धेत् धेत् । धेन नक ।

तिट कत । गदि गन । धा तिट । कत गदि । गन धा ।
तिट कत । गदि गन ।

३—धेन कधे । नक धेत् । धेत् धेन । कधे नक । धा ऋ ।
धेन नक । धेत् धेत् । धेन नक । गदि गन । धा गदि ।
गन धा । गदि गन ।

४—धाकिट तकधुम । किटतक धेत् । धेत् धेन । नक धा ।
त्रक धेन । नक धाकिट । तकधुम किटतक । गदि गन ।
धा गदि । गन धा । गदि गन । धा धा ।

परने

× ० २
१—धागेतिट धागेतिट । तागेतिट तागेतिट । क्धानिट धागेतिट ।
० ३ ४
गदिगन नागेतिट । कतिटत गेनधागे । तिटकत गदिगन ।
× ० २ ०
धित्तगे ऽन्न धित्ता । तगेन्न धित्ता । त्रकधेत्त तगेन्न । धा त्रक धेत्त ।
३ ४
तगेन्न धा । त्रकधेत्त तगेन्न ।

× ० ३ ०
२—धेनधेत धिटधिट धागेतिट तागेतिट क्रधेत्तदी गनधाऽ तडन्न धेधेतिट ।
३ ४ ×
धागेतिट कतधागे । तिटकत धागेतिट । तगेन्न धित्ता ।
० २ ०
धितधित त्ताघेघे । तिटकत गदिगन । धाघेघे तिटकत ।
३ ४ ×
गदिगन धाघेघे । तिटकत गदिगन । धा

तिस्त्र जाति

×　　　　　　　　　　　　　　०
३—धाकिटतक　धुमकिटतक　।　धुमकिटतक　धागदिगन　।

२　　　　　　　　　　　　　०
धाकिटधुम　किटगदिगन　।　धाधुमकिट　तकगदिगन　।

३　　　　　　　　　　　　　४
धाकिटतक　धुमकिटतक　।　धागदिगन　धागदिगन　।

×　　०　　　　　　　　　२　　　　　　　०
धा ऽ । धाकिटतक धुमकिटतक । धागदिगन धागदिगन । धा ऽ ।

३　　　　　　　　　　　४　　　　　　　×
धाकिटतक　धुमकिटतक　।　धागदिगन　धागदिगन　।　धा

खन्ड जाति

×　　　　　　　　　　　　　　०
४—धागेतिट　धागेतिटतक　।　तागेतिट　तागेतिटकत　।

२　　　　　　　　　　　　　०
कृधातिट　धागेतिटकत　।　गदिगन　नागेतिटकत　।

३　　　　　　　　　४　　　　　　　×
कत्तिट　घेघेतिटकत　।　गदिगन　धाऽगदिगन　।　धाऽ　ताऽऽ　।

०　　　　　　　　　२　　　　　　　०
कत्तिट　घेघेतिटकत　।　गदिगन　धाऽगदिगन　।　धाऽ　ताऽऽ　।

३　　　　　　　　　४
कत्तिट　घेघेतिटकत　।　गदिगन　धाऽगदिगन

१—धिकिटत गेनधिकि । टतगेन धिटधिट । धिकिटत गेनधिक्कि ।
टतगेन धिटधिट । धिकिटत गेनधागे । तिटकत गदिगन ।
कतिटत गेनकति । टतगेन कतकत । कतिटत गेनकति ।
टतगेन कतकत । कतिटत गेनधागे । तिटकत गदिगन ।

२—धिकिटत गेनधिकि । टतगेन धिटधिट । धिकिटत गेनधागे ।
तिटकत गदिगन । धिकिटत गेनधागे । तिटकत गदिगन ।
कतिटत गेनकति । टतगेन कतकत । कतिटत गेनधागे ।
तिटकत गदिगन । कतिटत गेनधागे । तिटकन गदिगन

३—धिकिटत गेनधागे । धिकिटत गेनधागे । धिकिटत गेनधागे ।
तिटकत गदिगन । ऽऽऽत्त गेनधागे । तिटकत गदिगन ।
कतिटत गेनधागे । कतिटत गेनधागे । धिकिटत गिनधागे ।
तिटकत गदिगन । ऽऽऽत्त गेनधागे । तिटकत गदिगन ।

४—धिकिटत गेनधागे । ऽऽऽत गेनधागे । धिकिटत गेनधागे ।
ऽऽऽत गेनधागे । धिकिटत गेनधागे । तिटकत गदिगन ।
कतिटत गेनधागे । ऽऽऽत गेनधागे । कतिटत गेनधागे ।
ऽऽऽत गेनधागे । कतिटत गेनधागे । तिटकत गदिगन ।
धा धिटधिट । कतिटत गेनधागे । तिटकत गदिगन ।
धा धिटधिट । कतिटत गेनधागे । तिटकत गदिगन ।

धमार ताल

परिचय

पखावज में बजाए जाने वाले तालों में चार ताल के बाद धमार का स्थान है। इसका विशेष प्रयोग धमार नामक गायन शैली में होता है। लेकिन यह वहीं तक सीमित नहीं है। नृत्य और तन्त्रवाद्यों में भी इसका उपयोग होता है। पखावज का ताल होने के कारण इसके बोल गंभीर और जोरदार हैं। इसमें पखावज की ही चीजें बजायी जाती हैं, लेकिन उस्ताद अहमद जान थिरकवा का एक रिकार्ड है जिसमें उन्होंने धमार ताल में पेशकार, कायदा आदि तबले के बोल बजाए हैं। इसके लिए सिर्फ यही कहा जा सकता है—"समरथ को नहीं दोष गोसाईं।" धमार एक कठिन ताल हैं जिसके लिए काफी अभ्यास एवं लय ज्ञान की आवश्यकता है।

स्वरूप

इसमें १४ मात्राएँ होती हैं। इसके चार विभाग हैं। पहला विभाग ५ मात्राओं का, दूसरा विभाग २ मात्राओं का, तीसरा विभाग ३ मात्राओं का और चौथा विभाग ४ मात्राओ का है। पहली, छठी और ग्यारहवीं मात्रा पर ताली तथा आठवीं मात्रा पर खाली है। इसका शास्त्रीत स्वरूप । । । इस प्रकार है।

ठाहलय

मात्रा—१ २ ३ ४ ५ । ६ ७ । ८ ९ १० । ११ १२ १३ १४ ।
ठेका—क धि ट धि ट । धा ऽ । ग ति ट । ति ट ता ऽ ।
तालचिह्न—× २ ० ३

नोटः—इसकी लयकारियाँ आड़ा चार ताल के अनुसार लिखी जाएगी क्योंकि दोनों ताल १४ मात्राओं के हैं। अतः उसी नियम के अनुसार लयकारियों के स्थान ज्ञात किए जा सकते हैं।

परनें

×
१— धागेतिट कतधागे तिटकत धागेतिट कतगदि ।
२ ०
गनधा तिरकिटतकता । तिटकतगदिगन धाऽनधि किटधा ।
३ ×
कत्तिट कतगदि गनधा तिटकत । कत्तिटत गेनधा तिरकिटतकता
२ ०
तिटकतगदिगन धा । कतिटत गेनधा । तिरकिटतकता
३
तिटकतगदिगन धा । कतिटत गेनधा तिरकिटतकता
तिटकत गदिगन

×
२— धागेतिट तागेतिट धागेदी नगेतिट धित्तागे । त्रकत गदीन्न ।
० ३
धाकत घितड़ा ऽनधाऽ । तूना कत्ता तिरकिटतकता

×
तिटकतग़दिगन । धा,ग़दिगन धा,गदिगन धा ऽ तिरकिटतकता ।
२ ० ३
तिटकतग़ुदिगन धा,ग़ुदिगन । धा,गदिगुन धा ऽ । तिरकिटतकता

तिटकतगुदिगन धा,गदिगन धा,गदिगेन ।

३— तिस्त्र जाति

×
धान धिकिट तान धिकिट धाकिटतक । धुमकिटतक
० ३
धिन्न । ड़ान तकिट धिकिट । घेघेत ड़ान धाग़दान धागेतिरकिट ।
× २
धिरकिटतक तान ऽतकिट धानधान धा । धिरकिटतक तान ।
० ३
ऽतकिट धानधान धा । धिरकिटतक तान ऽतकिट धानधान ।

४— मिश्र जाति

× २
धगेन धागेतिट तगेन धागेतिट क्रधेत । धागेतिट धगेन ।
० ३
धाकिटतक थुंऽन्त ननगन । कतिट धादीं तान धाधा ।
× २
नगेन नानाकिटतक तागेगे धागेगेगे तान । धादीं ताक्र ।
० ३
धानधान धाक्र धानधान । धाक्र धानधान धा धादीं ।

× ताक्‌ धानधान धाक्‌ धानधान धाक्‌ । २ धानधान धा ।
० धार्दी ताक्‌ धानधान । ३ धाक्‌ धानधान धाक्‌ धानधान ।
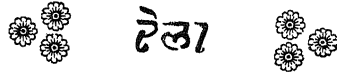
रेला

१—धाकिट तक्टित काकिट धाकिट धाकिट । तक्टित काकिट धुमकिट तकिटत काकिट । धुमकिट धुमकिट तक्टित काकिट । धाकिट तकधुम किटतक गदिगन धा । धाकिट तकधुम किटतक गदिगन धा । धाकिट तकधुम किटतक गदिगन

२—धाकिट धाकिट तकिटत काकिट धाकिट । तकिटत काकिट । धुमकिट धुमकिट तकिटत । काकिट धुमकिट धुमकिट तकिटत । काकिट तकिटत काकिट धाकिट तकिटत । काकिट धा । धाकिट तकिटत काकिट । धा धाकिट तकिटत काकिट ।

३—धाकिट तकिटत काकिट धुमकिट तकिटत । काकिट धाकिट । धाकिट तकिटत काकिट । धुमकिट धुमकिट तकिटत काकिट । धाकिट तकधुम किटतक गदिगन धाकत । गदिगन धाऽदिं । ऽता ऽ,कत गदिगन । धा,कत गदिगन धा,कत गदिगन ।

४—तकिटत काकिट धाकत गदिगन धाकिट । धाकिट तकिटत । काकिट धुमकिट धुमकिट । तकिटत काकिट तकिटत काकिट । धाकत गदिगन ताकत गदिगन धा । धाकत गदिगन । ताकत गदिगन धा । धाकत गदिगन ताकत गदिगन ।

तिवरा ताल

परिचय

यह पखावज मे बजाये जाने वाला ताल है । यह अधिक प्रचलित नही है । यदा कदा ध्रुपदिये इसमें ध्रुपद गाते है और नृत्यकार भी अपने नृत्य में कभी-कभी इसका उपयोग करते हैं । इसके समान मात्रा वाले ताल रूपक और पश्तो हैं । पर उनकी प्रकृति इससे सर्वथा भिन्न है । यह गम्भीर प्रकृति एव वीर रस का ताल है । जबकि रूपक और पश्तो चचल प्रकृति एवं श्रृगार रस के ताल है । यह अधिकतर मध्यलय मे बजाया जाता है ।

स्वरूप

तिवरा ७ मात्राओं का ताल है । इसके ३ विभाग है । पहला विभाग ३ मात्राओं का । दूसरा एव तीसरा विभाग २-२ मात्राओ का है । पहली, चौथी और छठवी मात्रा पर ताली हैं तथा इसमें खाली का कोई विभाग नही है ।

ठाह लय

मात्रा—	१	२	३	।	४	५	।	६	७	
ठेका—	धा	दि	ता	।	तिट	कत	।	गदि	गन	।
तालचिन्ह	×				२			३		

प्रस्तार या लय बांट

१—धात्रक धेननक धेननक । धात्रक धेननक । धेतधेत धेननक ।
धेतधेत धेननक धा । ऽधा दिंता । तिटकत गदिगन ।

२—धेतधेन नकधेत धेननक । धेतधेत धेननक । धेतधेत धेतधेत ।
धेननक धात्रक धेननक । धाधा दिंता । तिटकत गदिगन ।

३—धात्रक धेनक धेतधे । ननक ऽऽधे । ननक धेनधे ।
ननक धेनन कधाऽ । दिंऽता ऽतिट । कतग दिगन ।

४—धेतधेत धेननक धात्रक । धेननक धेतधेत ।
धेननक तिटकत । गदिगन धा तिटकत । गदिगन धा ।
तिटकत गदिगन ।

परनें

× २ ३
१—धागेतिट कतगदि गननग । धेऽऽत् ऽधा । दिंता कत्तिट ।

× २ ३
घेघेतिट गदिगन नगेतिट । कड़ां ऽधा । दिंता तिटकत ।

× २ ३
गदिगन धा तिटकत । गदिगन धा । तिटकत गदिगन ।

× २
२—धागेतिट धागेतिट तागेतिट । गदिगन धगेनधा ।

३ ×
ऽनधा तिटकत । गदिगन धिकिटत गेनघेड़ ।

२ ३ ×
घेड़घेड़ घेड़घेड़ । धाऽदिं ऽताऽ । तकिटत काऽ तक्का ।

२ ३ ×
धुंगा तकधुम । किटधुम किटतक । गदिगन धा ता ।
२ ३
गदिगन धागदि । गनधा गदिगन

चक्करदार परन

× २ ३
३—धेतधेत धिटधिट धागेतिट । तागेतिट क्रधेत्‌दीं । गन,धा तड़न्न ।
धा तिऽटक ऽतगऽ । दीगऽन धाऽतिऽ । टकऽत गऽदीग ।
ऽनधाऽ तिऽटक ऽतगऽ । दीगऽन धा । धेतधेत धिटधिट ।
धागेतिट तागेतिट क्रधेत्‌दीं । गन,धा तड़न्न । धा तिऽटक ।
ऽतगऽ दीगऽन धाऽतिऽ । टकऽत गऽदीग । ऽनधाऽ तिऽटक ।
ऽतगऽ दीगऽन धा । धेतधेत धिटधिट । धागेतिट तागेतिट ।
क्रधेत्‌दीं गन,धा तड़न्न । धा तिऽटक । ऽतगऽ दीगऽन ।
धाऽतिऽ टकऽत गऽदीग । ऽनधाऽ तिऽटक । ऽतगऽ दीगऽन ।

सूल ताल

परिचय

यह पखावज पर बजाए जाने वाले कम प्रचलित तालो मे से है। इसमे कभी–कभी ध्रुपद अग के गीत सुनने को मिल जाते है। खुला ताल होने के कारण गभीर एव वीर रसोत्पादक है। पखावज के सारे काम इसमे प्रस्तुत किए जा सकते है। समान मात्रा के ताल मे झपताल है, जो इससे सर्वथा भिन्न है। यह सामान्यत. मध्यलय मे बजाया जाता है।

स्वरूप

यह १० मात्राओ का ताल है। इसके ५ विभाग हैं। प्रत्येक विभाग २–२ मात्राओ का है। इमके पहली, पाचवी और सातवी मात्रा पर ताली दी जाती है एव तीसरी और नवी पर खाली दिखाई जाती है। इसका शास्त्रीय स्वरूप "।०।" इस प्रकार है।

ठाह लय

मात्रा—	१	२	।	३	४	।	५	६	।	७	८	।	९	१०
ठेका—	धा	धा	।	दि	ता	।	किट	धा	।	तिट	कत	।	गदि	गन ।
तालचिह्न—	×			०			२			३			०	

नोट—लयकारियाँ झपताल के ढग से लिखी जाएँगी।

परनें

× ० २

१—धादीं धाकिट । तकिटत काकिट । धुमकिट धुमकिट ।

३ ० ×

तकिटत काकिट । धिकिटत गेनधागे । त्रकधिकि टधाऽन ।

० २ ३

धाऽऽता ऽनधाऽ । दींता कत्त । कतिटत गेनधागे ।

० × ०

तिटकत गदिगन । धा कतिटत । गेनधागे तिटकत ।

२ ३ ०

गदिगन धा । कतिटत गेनधागे । तिटकत गदिगन ।

× ० २

२—धागेतिट गदिगन । नागेतिट गदिगन । धागेतिट कतकत ।

३ ० ×

गदिगन नागेतिट । कतिटत गेनधेड़ । धेड़धेड़ धेड़धेड़ ।

० २ ३

धाऽदीं ऽताऽ । तकिटत काऽ । तिरकिटतकता तिटतकगदिगन ।

० × ०

धाऽऽधा तिटकतगदिगन । धा तिरकिटतकता । तिटकतगदिगन

२ ३

धाऽऽधा । तिटकतगदिगन धा । तिरकिटतकता तिटकतगदिगन

०

धाऽऽधा तिटकतगदिगन ।

३— फरमाइशी चक्करदार—

×　　　　　　०　　　　　　२
धगेनधा ऽनधाऽ । धा,किटतक दींगड़,धा । कतिटत गेनधा ।

३　　　　　०　　　　　　×
दिंता कत्त । तिरकिटतकता किटकतगदिगन । धा तिरकिटतकता ।

०　　　　　　२　　　　　　३
तिटकतगदिगन धा । तिरकिटतकता तिटकतगदिगन । धा

उपरोक्त बोल को हूबहू तीन बार बजाएँ ।

चतुर्थ—अध्याय

सवारी ताल

परिचय

तबले पर बजाए जाने वाले तालों में सवारी को सबसे क्लिष्ट ताल कहा जाए तो अतिशयोक्ति न होगी। एक तो विषम मात्रा का ताल, दूसरे ठेके के बोल घनाक्षरी। साधारण विद्यार्थी इसके नाम से ही घबड़ा उठते हैं। यही कारण है कि यह ताल अधिक प्रचार में नहीं है, न संगत के क्षेत्र में और न एकाकीवादन के क्षेत्र में। इधर इसके नाम, ठेके के बोल और स्वरूप तीनों में मतभेद भी है। कोई इसे छोटी सवारी कहते हैं तो कोई पंचम सवारी। इस तरह ठेके आदि में मतैक्य नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि इसे सरल रूप दिया जाए और स्वरूप आदि में गुणीजन एकमत हो जाएं। तभी यह ताल प्रचार में आ सकता है। हां, यह खुले बोलों से भी बजाया जाता है, जो कि नृत्य के साथ उपयोग किया जाता है। उसका स्वरूप एवं बोल सरल है। इसका सर्वाधिक प्रचलित रूप निम्नांकित है—

स्वरूप

यह १५ मात्राओं का ताल है। इसके ४ विभाग हैं। पहला विभाग ३ मात्राओं का, शेष तीनों विभाग ४–४ मात्राओं के हैं। पहली, चौथी और बारहवीं मात्रा पर ताली हैं तथा आठवी मात्रा पर खाली है।

ठेका ठाह लय

धी ना धीधी । कत धीधी नाधी धीना । तीक्ड़
×   २   ०
तीना तिरकिट तूना । कत्ता धीधी नाधी धीना ।
                    ३

नोट—एकाकी वादन में इसमें तबले के हर चीज—परन, कायदा, पेशकार, टुकड़ा आदि बजाया जा सकता है, जिसका वर्णन हम इस पुस्तक के द्वितीय भाग में करेंगे। नीचे कुछ कायदे दिए जारहे है, जिसके पल्टे विद्यार्थी स्वयं बना सकते हैं।

 कायदे

×   २   ०
१–धातिर किटधि ना । धिन गिन ता तिर । किट धागे नधा
        ३   ×
तिरकिट । धाती धागे तूना गिन । तातिर किटति ना ।
२   ०   ३
तिन गिन ता तिर । किट धागे नधा तिरकिट । धाती धागे
तूना गिन ।

×　　　　　　　２　　　　　　　०
२—धागे तिट कत । धागे त्रक तूना कत्ता । धागे नधा
　　　　३　　　　　　　×
तिट कत । धागे त्रक तूना कत्ता । तागे तिट कत ।
२　　　　　　　०　　　　　　　३
तागे त्रक तूना कत्ता । धागे नधा तिट कत । धागे त्रक तूना कत्ता ।

टुकड़े

×　　　　　　　२
१—घेतिरकिटतक तक्डां धाकृधा । ऽनधा कतधा तिटधा
　　　　०　　　　　　　３
धातिरकिटतक । ताऽ कत,धिरधिर किटतकतकिट धा । धिरधिरकिटतक
तकिट,धा ऽ,धिरधिर किटतकतकिट ।

×　　　　　　　２　　　　　　　०
२—घान धिकिट धात्रक । धिकिट कऽत्ता धिकिट कतग । दिगन
　　　　३　　　　　　　×
धाऽग दाऽन धाऽग । दिगन घेघेति टघेघे दीन्न । ड़ान तक्क धिकिट ।
२　　　　　　　०
तकिट धान धा तक्क । धिकिट तकिट धान धा ।
३
धक्क धिकिट तकिट धान

झूमरा ताल

परिचय

यह तबले पर बजाए जाने वाले उन तालों में से है जो सिर्फ किसी गायकी विशेष की संगति के लिए प्रयुक्त होते हैं । स्पष्ट है कि झूमरा एकाकीवादन का ताल नही है । इसका प्रयोग सिर्फ बड़े ख्याल के साथ होता है । कभी-कभी उच्चकोटि के ख्याल गायक ही इसका प्रयोग करते हैं । समान मात्राओं वाले ताल में दीपचंदी इसके बहुत निकट है, क्योंकि दोनो तबले पर बजाए जाते हैं, दोनों के समान मात्रा के समान विभाग है । हां, उपयोगिता की दृष्टि से दोनों भिन्न है । दीपचंदी का प्रयोग ठुमरी शैली में होता है, जबकि झूमरा का ख्याल शैली में । झूमरा विलम्बित लय में वजाया जाता है, अत: इसमें मुखड़े, मोहरे के अतिरिक्त और कुछ नही वजाया जा सकता ।

स्वरूप

इसका स्वरूप पूर्णत: दीपचंदी के समान है अर्थात् इसमें १४ मात्राएँ हैं । इसके ४ विभाग है । पहली, चौथी एवं ग्यारहवी मात्रा पर ताली और आठवी मात्रा पर खाली है ।

ठेका ठाह लय

धि	धा	तिरकिट	।	धि	धि	धागे	तिरकिट	।	ति	ता
×				२					०	

तिरकिट	।	धि	धि	धागे	तिरकिट	।
		३				

नोट—इसमें आड़ा चार ताल के मुखड़े एवं मोहरे बजाए जा सकते हैं ।

तिलवाड़ा, पंजाबी और जत ताल

परिचय

उपरोक्त तीनों तालों का प्रयोग केवल संगत में होता है। ये एकाकीवादन के उपयुक्त नही है। तीनों ताल तबले पर ही बजाए जाते है। तीनों का निर्माण तीन ताल के आधार पर विभिन्न गायकी की संगति के उद्देश्य से हुआ है। तीन ताल के बोल कुछ ऐसे हैं, जिन्हें विलम्बित लय में बजाने से अधिक आनन्द की प्राप्ति नही हो सकती। अत: विद्वानों ने १६ मात्रा में बडे ख्याल गाने के लिए तीन ताल के बोलो में कुछ परिवर्तन करके एक नए ताल तिलवाडा को जन्म दिया। टप्पा व ठुमरी शैली में भी तीन ताल अपना स्थान न बना सका। अत: झूमती हुई चाल की एक नए तीन ताल का निर्माण हुआ, जिसे 'पंजाबी त्रिताल' कहने लगे। यह टप्पा में अधिक उपयुक्त सिद्ध हुआ। मध्य लय की ठुमरी में भी इसका प्रयोग हुआ। इधर विलम्बित लय की ठुमरी में १४ मात्राओं की दीपचन्दी का प्रयोग हो रहा था। अत: १६ मात्राओं की ठुमरी के लिए दीपचन्दी का ही परिवर्धित रूप बनाकर, अर्थात् पहले और तीसरे विभाग मे एक-एक अवग्रह लगाकर एक नया ताल बनाया गया। इस तरह तीन ताल का स्वरूप और दीपचन्दी के बोल के संयोग से जत ताल ने जन्म लिया।

स्वरूप

तीनों तालों का स्वरूप तीनताल के ही समान है । अर्थात् तीनों ताल १६-१६ मात्राओं के हैं । तीनों के ४ विभाग हैं । प्रत्येक विभाग ४-४ मात्राओं का है । पहली, पाँचवी और तेरहवी मात्रा पर ताली दी जाती है तथा नवी मात्रा पर खाली है ।

तिलवाड़ा-ठाहलय

मात्रा-	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
ठेका-	धा	तिरकिट	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	तिरकिट	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं
	×				२				०				३			

पंजाबी-ठाहलय

मात्रा-	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
ठेका-	धा	ऽधि	ऽग	धा	धा	ऽधि	ऽग	धा	धा	ऽती	ऽक	ता	ता	ऽधी	ऽग	धा
तालचिह्न-	×				२				०				३			

जततालं--ठाहलय

मात्रा-	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
ठेका-	धा	ऽ	धिं	ऽ	धा	धा	तिं	ऽ	ता	ऽ	तीं	ऽ	धा	धा	धिं	ऽ
तालचिह्न-	×				२				०				३			

नोट—इन तालों में तीनताल के अंतर्गत लिखे गए मुखड़े, मोहरे आदि बजाए जा सकते हैं ।

—०—

पंचम-अध्याय

ब्रह्मताल

मात्रा—२८, विभाग-१४, ताली-१, ५, ७, ११, १३, १५, १९, २१, २३ और २५ वीं मात्रा पर। खाली-३, ६, १७, और २७ वीं मात्रा पर।

धा घि । घि धा । त्रक घि । घि धा । त्रक घि ।
× ० २ ३ ०
घि धा । ती ती । ना ती । ती ना । तू ना । क ता ।
४ ५ ६ ० ७ ८
धागे नधा । त्रक धिन । गदि गन
९ १० ०

टप्पा ताल

मात्रा-१६, विभाग-४, ताली १,५ और १३वी मात्रा पर। खाली-९ वीं मात्रा पर।

धीं ऽत धीं ता । धीं ऽत धीं ता । क ऽत्त कत् ता ।
× २ ०
धीं ऽत धीं ता
३

धुमाली ताल

मात्रा—८, विभाग-४, ताली-१, ३, और ७ वीं मात्रा पर
खाली-५ वीं मात्रा पर ।

धा धि । धा ति । तक धि । धागे तिरकिट
× २ ० ३

खेमटा ताल

मात्रा—१२; विभाग-४, ताली-१, ४, और १०वीं मात्रा पर ।
खाली-७ वीं मात्रा पर ।

धे टे धी । ना ती ना । ते टे धी । ना ती ना
× २ ० ३

गजझंपा ताल

मात्रा—१५, विभाग-४, ताली-१, ५ और १२ वीं मात्रा पर ।
खाली-६ वीं मात्रा पर ।

धा धित नक तक । धा धिन नक तक । तिन नक तक ।
× २ ०
तिट कत गदि गन
३

मत्त ताल

मात्रा—१८, विभाग-६, ताली-१, ५, ७, ११, १३, और
१५ वीं मात्रा पर। खाली-३, ६ और १७ वीं मात्रा पर ।

धी ऽ । ना ऽ । धिं तिरकिट । धी ना । तू ना । क त्ता ।
× ० २ ३ ० ४
तिरकिट धी । ना धी । धी ना ।
५ ६ ०

लक्ष्मी ताल

मात्रा—१८, विभाग-१८, ताली-१, २, ३, ५, ६, ७, ९, १०, ११, १२, १३, १४, १५, १६, और १७ वीं मात्रा पर । खाली—४, ८ और १८ वीं मात्रा पर ।

धीना धिंधा तिरकिट धीना धिंधा तिरकिट धाधा
× २ ३ ० ४ ५ ६
तिरकिट धाधा तिरकिट धीना धिंधा तिरकिट तूना
० ७ ८ ९ १० ११ १२
किड़नग तागे ता तिरकिट
१३ १४ १५ ०

रुद्र ताल

मात्रा—११, विभाग—११, ताली १, ३, ४, ५ ८, ९, और १० वी मात्रा पर । खाली-२, ६ और ११ वीं मात्रा पर ।

धा तत् धा तिरकिट धी ना तिरकिट तू ना क त्ता
× ० २ ३ ४ ० ५ ६ ७ ८ ०

फरोदस्त ताल

मात्रा—१४, विभाग-७, ताली-१, ५, ६, ११, और १३वीं मात्रा पर । खाली-३ और ७ वीं मात्रा पर ।

धि	धि	।	धागे	तिरकिट	।	तू	ना	।	क	त्ता	।
×			०			२			०		
धिन	कधा	।	तिरकिट	धिन	।	कधा	तिरकिट				
३			४			५					

अद्धा ताल

मात्रा– १६, विभाग-४, ताली-१, ५, और १३ वी मात्रा पर । खाली–९ वी मात्रा पर ।

धा धिं ऽ धा	।	धा धिं ऽ धा	।	धा तिं ऽ ता	।	ता धिं ऽ धा
×		२		०		३

:– इति –:

शुद्धि-पत्र

प्रथम खण्ड

पृष्ठ सं०	स्थान	अशुद्ध रूप	शुद्ध रूप
१	आरोह में	स नि़ धु़,	स़ नि़ ध़,
४	तोड़े नं० २ की नवी मात्रा	–नि–सं	–नि–सं
६	तान नम्बर १	–धनि़	–ध़-नि़
६	तान नम्बर ३	–निधम	–निधम
७	तान नम्बर ५ की नवी मात्रा	सधनि	स–धनि
७	तान नम्बर ५ की दसवी मात्रा	स–धनि	स–धनि
७	अंतिम पंक्ति	धनिनि	धनि–नि
१६	आलाप नम्बर ४	मंपनिधप	मंपनिधुप
२६	आलाप नम्बर १	स,धनिस,नि़रे	स,निस,धनि़रे
३०	रजाखानी गत की तीसरी पंक्ति	गग	गग
३१	तान नम्बर २	रेग	रेग
३१	तान नम्बर ५	ध	ध
३९	तोड़े नं० २ की नवीं मात्रा	–मं-गरे	–मंगरे
४१	प्रथम पंक्ति	मंगमं–	मंगमं–
४९	तान नम्बर ४	पमगमं	पमंगमं
६१	तान नम्बर ४ पहली मात्रा	रें	रेंरें
७७	१५वीं पंक्ति	ग – – –	ग – म –
८२	तान नम्बर २	मंप ।	मंप धप ।
८६	तीसरी पंक्ति	आग	राग
८७	आलाप नम्बर २	पगम	पगम

९२	पाँचवीं पंक्ति	नि़सं	निसं
१११	मसीतखानी गत, दूसरी पंक्ति	ध्र	ध़्
११८	अंतिम पंक्ति	गंगं	गंगं

द्वितीय खण्ड

पृष्ठ संख्या	स्थान	अशुद्ध रूप	शुद्ध रूप
१६		धागेन्नक	धागेत्रक
३१	टुकड़ा नं० ८ की ११वीं मात्रा	ध्र	धा
४४	दूसरी पंक्ति का चिन्ह	३	०
४४	पल्टा नम्बर ३	तिरतिट	तिरकिट
५७	चक्करदार में	तक्ड़ां	तघ्डां
६४	अंतिम मात्रा	ऽना	ऽनाऽ
७०		कायदा नं० २	कायदा नं० ३
८१	परिचय की ११वीं पंक्ति	ठके	ठेके
१२७	अंतिम पंक्ति	धक्क	तक्क
१३२	गजझंपा का ठेका	धित	धिन

नोट—इनके अतिरिक्त कुछ त्रुटियाँ निम्नांङ्कित हैं:—

१. प्रथम खण्ड के पृष्ठ संख्या १२ में चक्करदार तान में इतना और जोड़ लें—

ध़नि़ स— नि़स ध़नि़ स-
दारा दाऽ दारा दारा दाऽ

२. द्वितीय खण्ड में पृष्ठ संख्या ४३ में तीसरी पंक्ति का शुद्ध-रूप इस प्रकार है:—

२ ०
धातिरकिटतक । तक्ड़ां धा तक्ड़ां धा । तक्ड़ां धा

३. पृष्ठ संख्या ५३ के प्रथम ४ पंक्ति के बोलों का शीर्षक 'तिहाई' है ।

अंतिम निवेदन

सम्भव है और भी त्रुटियाँ रह गई हों । अतः पाठकों से नम्र निवेदन है कि उसकी सूचना मुझे दें, ताकि मैं अगले संस्करण में उनका सुधार कर सकूँ ।

—लेखक

बी० ए० प्रथम के कुछ चुने हुए प्रश्न

१- निम्नलिखित स्वर समुदाय किन रागों के है ? यह बताते हुए किसी एक का परिचय एवं आलाप लिखिए ।

(अ) रे, गम नि धप, रे ।   (ब) ग म॑ प, ग रे स ।

(स) प म॑प, धनि धप ।   (द) स, गरे मग

२- कामोद के दो आलाप लिखिए एवं उसमें कम से कम परिवर्तन करके उन्हें छायानट में परिवर्तित करिए ।

३- निम्नाङ्कित रागों के सन्निकट के राग लिखिए तथा उनसे बचने के ढंग भी लिखिए—

छायानट, रामकली, देशकार, मुल्तानी ।

४- रे ग रे स और म ग रे स को सुविधानुसार शुद्ध विकृत या न्यास में परिवर्तन करके विभिन्न रागों में प्रयोग करिए ।

५- निम्नाङ्कित रागों में से किसी एक की मसीतखानी गत, रजाखानी गत और ताने (तोड़े) लिखिए—

पूरिया कल्याण, मुल्तानी और सोहनी ।

६- उन तालों के नाम व पूर्ण परिचय लिखिए, जिनमें (अ) खाली न हो (ब) सम और खाली एक ही मात्रा पर हो ।

७- झपताल की आड़, तिगुन, कुआड़ और बियाड़ ऐसे स्थान से लिखिए कि एक ही बार में सम पर आवें ।

८– आपके पाठ्यक्रम के अनुसार समान मात्रा के तालों के तुलनात्मक विवरण दीजिए ।

९– निम्नलिखित को ताल लिपि में लिखिए—
चारताल में लय बांट. रूपक में दो तिहाई, आड़ा चारताल में फरमाइशी चक्करदार परन, झपताल में दो गत ।

१०– संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए—

(अ) तालों को कितनी श्रेणी में विभक्त कर सकते हैं ?

(ब) संगीत के किसी सिद्धान्त में मतभेद हों तो क्या करना चाहिए ? अपने कथन की पुष्टि करिए ।

(स) समान मात्रा के विभिन्न ताल क्यों बनाए गए । सोदाहरण लिखिए ।

(द) क्या तोड़े और तान एक हैं ? तर्क सहित विवेचन करिए ।

११– निम्नाङ्कित संकेतों द्वारा ताल पहचानिए और उनका परिचय व ठेका विभिन्न लयकारियों में लिखिए:-

[अ] तिरकिट । ती̊ ऽता [ब] धा । दि̊ ता

[स] ता । तिट कत (तिट पर २)

१२– निम्नाङ्कित रागों का परिचय लिखिए:—

[अ] एक परमेल प्रवेशक राग ।

[ब] एक प्रातःकालीन संधिप्रकाश राग ।

[स] एक छायालग राग ।

१३– निम्नाङ्कित को उदाहरण देकर समझाइए:—

[अ] क्या मुल्तानी में सिर्फ रे ध को शुद्ध करने मात्र से मधुवन्ती राग बन जाएगा ?

[ब] देशकार में आविर्भाव–तिरोभाव दिखाइए ।

१४ [अ] जयजयवन्ती कौन-कौन अङ्ग से गाया बजाया जाता है ? सोदाहरण लिखिए ।

[ब] छायानट, कामोद, गौड़सारंग और रामकली में कोमल निषाद का प्रयोग किस तरह किया जाता है ?

१५– निम्नाङ्कित कथनों की पुष्टि करिए:––

[अ] सोहनी उत्तराङ्ग प्रधान राग है ।

[ब] रूपक चंचल प्रकृति का ताल है ।

[स] सवारी एक क्लिष्ट ताल है ।

१६– तुलना कीजिए:––

[अ] बहार–बागेश्री

[ब] छायानट–जयजयवन्ती

[स] आड़ा चारताल–झूमरा